শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 172 | गुवाहाटी | गुरुवार, 12 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ई-एफआईआर सेवा होगी उपलब्ध : हिमंत पेज 3
प्रधानमंत्री शुक्रवार को दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज-गंगा विलास ... पेज 4
संकट में हर नागरिक के साथ खड़ी है सरकार : योगी पेज 5
उपराष्ट्रपति और लोस अध्यक्ष ने न्यायपालिका को... पेज 8

जल्दी-जल्दी कानून पास होने पर ओम बिरला ने जताई चिंता

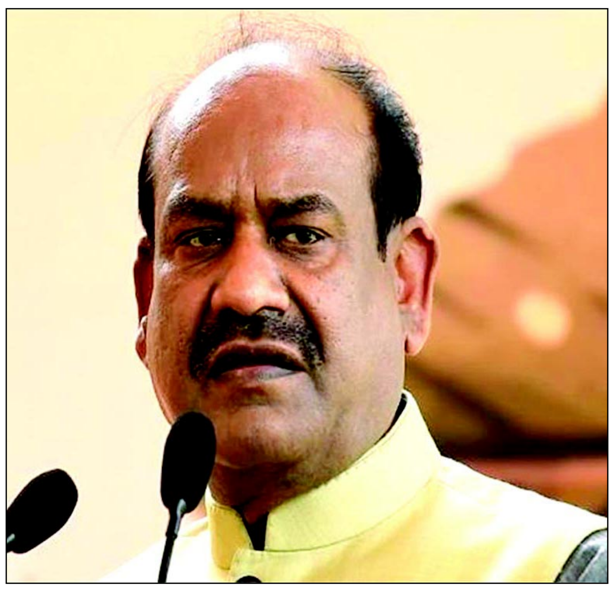

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कानून निर्माण में लगने वाले समय आ रही कमी व जल्दी-जल्दी कानून पारित होने पर चिंता जताई। साथ ही उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी *हमें सदन में शालीनता और गरिमा को लेकर चर्चा करनी पड़ रही है जो कि चिंतन का विषय है।* बिरला बुधवार को यहां राजस्थान विधानसभा में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। राजस्थान विधानसभा में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। उद्घाटन कार्यकम की अध्यक्षता बिरला ने की। सम्मेलन में देशभर से आए विधानमंडलों के अध्यक्षों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समय की आवश्यकता है कि हमारे विधानमंडल अधिक प्रभावी, उत्तरदायी और उत्पादक हों। चिंतन का विषय है कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी हमें सदन में शालीनता और गरिमा को लेकर चर्चा करनी पड़ रही है। कानून के निर्माण में लगने वाले समय का कम होना, जल्दी-जल्दी कानून पारित होना भी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि बदलते परिप्रेक्ष्य में सदनों में चर्चा-संवाद के स्तर को और ऊंचा उठाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए देश के सभी विधानमंडलों को एक प्लेटफार्म पर लाने के लिए काम किया जा रहा है। हमारा प्रयास रहेगा कि इस संकल्प को हम इसी वर्ष सिद्धि तक पहुंचाएं। विधायिका व न्यायपालिका में सौहार्दपूर्ण संबंधों पर जो देते हुए बिरला ने कहा कि संविधान की भावनाओं के अनुरूप अपेक्षित है कि विधायिका और न्यायपालिका एक दूसरे का परस्पर सम्मान करें। संविधान ने हमारी जो मर्यादाएं तय की हैं, उनका हम पालन करें। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की भारत की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए विधायी संस्थाओं की भूमिका के बारे में हमें नए तरीके से सोचना होगा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। जी 20 के अध्यक्ष के रूप में हम अपने प्राचीनतम लोकतंत्र और सांस्कृतिक विविधता को मजबूती से प्रस्तुत -शेष पृष्ठ दो पर

एआईयूडीएफ चीफ बदरुद्दीन अजमल भाजपा का माउथपीस : जयराम रमेश

नई दिल्ली। असम में कांग्रेस पार्टी ने बड़ा फैसला लेते हुए बदरुद्दीन अजमल (बदरुद्दीन अजमल) की पार्टी ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) से नाता तोड़ लिया है। कांग्रेस और अजमल की पार्टी ने पिछला विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था। कांग्रेस मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि अजमल का अब यूपीए से कोई लेना-देना नहीं है, वो बीजेपी के माउथपीस हैं। अजमल ने असम विधानसभा चुनाव के बाद हिमंत बिस्वा सरमा के साथ सांठ-गांठ की थी। कांग्रेस ने बदरुद्दीन अजमल पर राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। कांग्रेस की तरफ से कहा गया है कि अजमल भाजपा के साथ काम कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि बदरुद्दीन अजमल ने असम में कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ अस्वीकार्य टिप्पणी की है। जयराम रमेश ने कहा कि ये सच है कि कांग्रेस और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

हज यात्रा में वीआईपी कोटा खत्म

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हज में *वीआईपी कोटा* खत्म करने का फैसला किया है ताकि देश के आम लोगों को इससे फायदा हो और इस धार्मिक यात्रा में *वीआईपी कल्चर* खत्म हो। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा कि यह (हज में वीआईपी कोटा खत्म करने का) फैसला हो चुका है। प्रधानमंत्री जी ने अपने कार्यकाल के प्रथम दिन ही वीआईपी कल्चर खत्म करने का संकल्प राष्ट्र के समक्ष प्रस्तुत किया था। ईरानी ने कहा कि हज कमेटी और हज यात्रा को लेकर संप्रग सरकार के समय वीआईपी कल्चर स्थापित किया गया था। इसके अंतर्गत संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों के पास हज का विशेष कोटा होता था। उन्होंने बताया कि अब प्रधानमंत्री ने अपना कोटा राष्ट्र को समर्पित किया ताकि इसमें वीआईपी संस्कृति नहीं रहे और आम हिंदुस्तानी को सुविधा मिले। राष्ट्रपति जी, उप राष्ट्रपति और मैंने भी अपना कोटा छोड़ा है। हमने हज कमेटी से चर्चा की कि आप वीआईपी कल्चर छोड़ दें और कोटा समाप्त कर दें। सभी राज्यों की हज कमेटियों ने इसका समर्थन किया। उधर, हज कमेटी के सूत्रों ने बताया कि मंत्री की इस घोषणा के बाद अगले कुछ दिनों के भीतर इस फैसले से जुड़ी अधिसूचना जारी कर -शेष पृष्ठ दो पर

एफसीआई घोटाला : देशभर के 50 से अधिक ठिकानों पर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) घोटाला मामले में सीबीआई दिल्ली, पंजाब, हरियाणा सहित अन्य राज्यों के 50 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। वहीं भारतीय खाद्य निगम के डीजीएम राजीव मिश्रा को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई भारतीय खाद्य निगम और खाद्यान्न वितरकों के बीच सांठगांठ का भंडाफोड़ करने के लिए दिल्ली, पंजाब, हरियाणा सहित अन्य राज्यों के 50 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारी ने बताया कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) -शेष पृष्ठ दो पर

इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को छठी बार चुने जाने पर मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से टेलीफोन पर बातचीत की और उन्हें छठी बार प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। दोनों नेताओं ने हाल के वर्षों में भारत-इजरायल रणनीतिक साझेदारी में तेजी से हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने की क्षमता पर सहमति व्यक्त की। पीएम मोदी ने नेतन्याहू को भारत आने का न्यौता भी दिया।

अरुणाचल प्रदेश : परशुराम कुंड मेला आज से शुरू

गुवाहाटी। अरुणाचल प्रदेश के लोहित जिले में स्थित परशुराम कुंड में भी माघ महीने में होने वाला परशुराम कुंड मेला गुरुवार से शुरू होकर मकर संक्रांति तक चलेगा। कुछ दिन पहले ही अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इसकी आधिकारिक वेबसाइट का उद्घाटन करते हुए, मेले की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि देश और विदेश से इस बार यहां पर 1.5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। हर वर्ष यह मेला लगता है, लेकिन इस बार कोविड के दो साल के बाद इस मेले का आयोजन हो रहा है। इस -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा से भाजपा को उखाड़ फेंकना है : सीताराम येचुरी

अगरतला। इस साल उत्तर-पूर्व के राज्य त्रिपुरा में चुनाव (त्रिपुरा चुनाव) होना है। त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार (भाजपा सरकार) है। भाजपा ने साल 2018 में हुए चुनाव में दो दशक से भी ज्यादा समय से राज्य में शासन कर रही सीपीआई (एम) की सरकार को उखाड़ फेंका था। अब सीपीआई (एम) एकबार फिर से त्रिपुरा में वापसी के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। बुधवार को सीपीआई (एम) ने ऐलान किया कि वह आने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

संघ प्रमुख भागवत के बयान पर बवाल

दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर सियासी बवाल हो गया है। दरअसल मोहन भागवत ने एक इंटरव्यू में कहा कि मुसलमानों को हिंदुस्तान में डरने की जरूरत नहीं है। यहां इस्लाम -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य पर्यटन नीति 2023 को मेघालय मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

शिलांग (हिंस)। मेघालय मंत्रिमंडल ने राज्य पर्यटन नीति 2023 को मंजूरी दे दी है। नई पर्यटन नीति पर बुधवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद मुहर लगा दी गई। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने कहा कि मेघालय में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 2011 की पर्यटन नीति में बदलाव आवश्यक था। इसके आकार और इंफ्रास्ट्रक्चर को मौजूदा हालात के हिसाब से बदला जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली पर्यटन नीति 2011 में बनी थी तब से पर्यटन उद्योग और क्षेत्र में बहुत बदलाव आया है इसलिए मेरी सरकार ने इसे सुधारने के लिए वर्तमान स्थिति के अनुकूल होने की आवश्यकता महसूस की। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने नई पर्यटन नीति को पारित करने के लिए कई बार चर्चा की है। इसे पहले -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्य चुनाव आयुक्त 13 को नगालैंड चुनाव की तैयारियों की करेंगे समीक्षा

कोहिमा (हिंस)। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में एक दल आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए 13 जनवरी को नगालैंड पहुंच रहा है। यह दौरा 15 जनवरी तक रहेगा। तीन दिनों तक वह प्रदेश निर्वाचन पदाधिकारी और पुलिस प्रशासन के साथ चुनाव तैयारियों की समीक्षा करेंगे। नगालैंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) वी शशांक शेखर ने मीडिया को यह जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के दौरे से पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें की हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग की 16 सदस्यीय टीम 13 से 15 जनवरी तक नगालैंड में रहेगी। वे -शेष पृष्ठ दो पर

ऑल असम न्यूजपेपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश शर्मा ने संजीव नारायण का अभिनंदन किया

गुवाहाटी (विभास)। ऑल असम न्यूजपेपर्स एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज उलुबारी में *प्राग न्यूज* के मुख्यालय का दौरा किया एवं प्राग न्यूज के मालिक संजीव नारायण का अभिनंदन किया। जिस समय राज्य में समाचार पत्र उद्योग को कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वैसे समय में असम के एक ऐतिहासिक समाचार पत्र *दैनिक जनमभूमि* का अधिग्रहण करने के लिए संस्था ने -शेष पृष्ठ दो पर

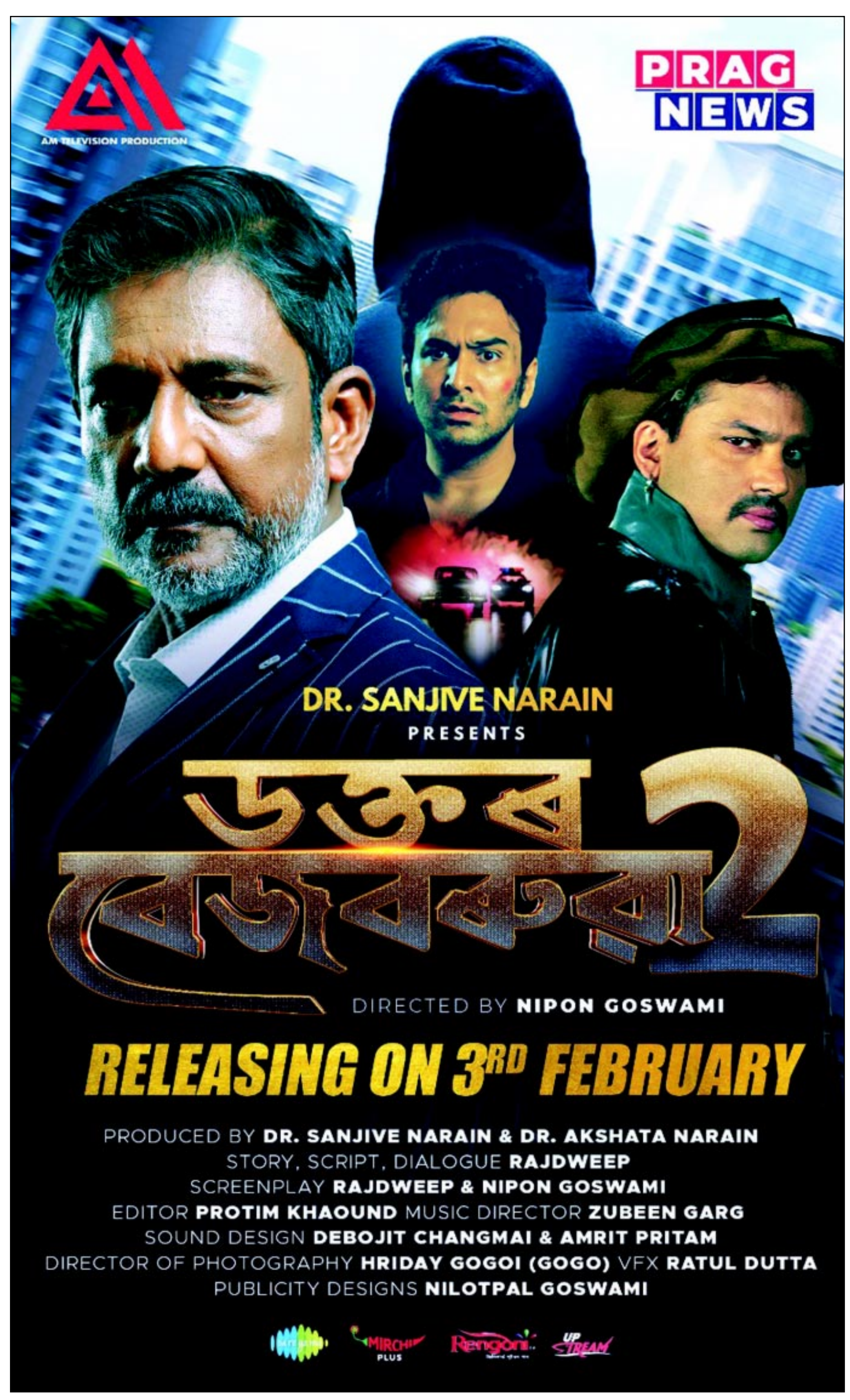

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

प्रकृति (सहज) रूप से प्रजा के संपन्न होने से नेता विहीन राज्य भी संचालित होता रहता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

कुपवाड़ा में सेना के 3 जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में सेना का अफसर और 2 जवान शहीद हो गए। ये तीनों भारतीय सेना की चिनार कॉर्प्स के सैनिक थे। इनमें एक जेसीडी (जूनियर कमीशंड ऑफिसर) और 2 ओआर (अन्य रैंक) का एक दल रेगुलर ऑपरेशन के लिए निकला था। बर्फ के कारण उनकी गाड़ी फिसलकर गहरी खाई में गिर गई। तीनों जवानों के शव मिल गए हैं। मरने वालों के नाम नायब सूबेदार परषोत्तम कुमार, हवलदार अमरिक सिंह और सिपाही अमित शर्मा हैं। सिक्किम के जेमा में 15 दिन पहले आर्मी का ट्रक खाई में गिर गया था, इसमें 16 जवान शहीद हो गए थे। आर्मी के दो वैन और थे। तीनों वाहन शुक्रवार सुबह चटन -शेष पृष्ठ दो पर

अफगानिस्तान : विदेश मंत्रालय के पास आत्मघाती हमला, 20 मरे

काबुल। राजधानी काबुल में विदेश मंत्रालय के सामने बुधवार को दोपहर एक धमाका हुआ। सूत्रों ने कहा कि एंबुलेंस को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रूसी समाचार एजेंसी स्पुतनिक के मुताबिक, विस्फोट और गोलियों की आवाज विदेश मंत्रालय के गेट के ठीक बाहर सुनी गई। इस महीने की शुरुआत में भी काबुल में एक सैन्य हवाई अड्डे पर एक विस्फोट हुआ था। अफगान के -शेष पृष्ठ दो पर

नक्सलियों के साथ मुठभेड़ छह जवान घायल

रांची। झारखंड के नक्सल प्रभावित पश्चिमी सिंहभूम जिले के तुम्बाका जंगल में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के साथ मुठभेड़ के बाद हुए बम विस्फोट में बुधवार को सीआरपीएफ की एलीट कोबरा बटालियन के छह जवान घायल हो गए। पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि उनमें से कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ और उन्हें रांची के एक अस्पताल में ले जाया गया। नक्सलियों ने उस समय विस्फोट किया, जब केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), इसकी कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

28 महिलाओं से किया रेप डॉक्टर पर लगे 115 केस

लंदन/ह्यूस्टन। यूनाइटेड किंगडम में भारतीय मूल के एक डॉक्टर पर 115 रेप व उत्पीड़न के मामले साबित हुए हैं। 53 वर्षीय मनीष शाह को 90 यौन अपराधों के लिए पहले से ही 3 उम्रकैद की सजा मिली है। यह डॉक्टर गैर-जरूरी मेडिकल जांच के बहाने महिलाओं का यौन शोषण और उत्पीड़न करता था। हाल ही में चार और महिलाओं के साथ ऐसा करने का यह दोषी पाया गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मनीष शाह पूर्वी लंदन के रोमफोर्ड में अपना जनरल प्रैक्टिस क्लिनिक चलाता था जहां उसने 4 महिलाओं पर 25 बार यौन हमले किए थे। प्रॉसिक्यूटर रील कर्मी-जोन्स केसी ने वेल्स कोर्ट में कहा कि शाह ऐसी महिलाओं को चुनता था जो कि आसानी से झांसे में आ जाती थीं। वह उनको वजाइना टेस्ट, ब्रेस्ट टेस्ट और इंटरनल टेस्ट के लिए तब राजी करता था जब उन्हें इसकी कोई मेडिकल जरूरत नहीं होती थी। कोर्ट के नए फैसले के तहत, शाह को 115 अपराधों का दोषी ठहराया गया है। वह 15 से 34 वर्ष की 28 महिलाओं का रेप या यौन उत्पीड़न कर चुका था। डॉ. मनीष शाह ने महिलाओं को फंसाने के लिए एंजेलिना जोली, जेडे गूडी जैसी मशहूर हस्तियों के साथ जान-पहचान का भी इस्तेमाल किया। इस फैसले के बाद मनीष शाह को अब दिसंबर 2033 तक जेल की सजा भुगतनी होगी। 12 साल पहले रु की एक कोर्ट ने भारतीय मूल के एक डॉक्टर रणदीप मान को 2009 में बम हमले की साजिश रचने का दोषी पाया गया था और उसे उम्रकैद की सजा मिली थी। इस बम हमले में अरकनसास मेडिकल बोर्ड के चेयरमैन ट्रेंट पियर्स बुरी तरह जख्मी हुए थे। इस हमले में ट्रेंट को एक कान और एक आंख गंवानी पड़ी थी।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने 10 साल के बच्चे के दांतों की सर्जरी की

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) माणिक साहा ने राजधर्म का पालन करने के अलावा बुधवार को एक डॉक्टर के रूप में लोगों की सेवा करने के महान धर्म का बहुत कुशलता से पालन किया। एक दंत चिकित्सक के रूप में आज उन्होंने एक बच्चे के दांत की शल्य चिकित्सा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मरीज फिलहाल स्वस्थ है और उसे कल अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। मुख्यमंत्री ने बुधवार को हपनिया के त्रिपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 10 वर्षीय बच्चे के दांतों का ऑपरेशन किया। उन्होंने अगरतला निवासी भाजपा पदाधिकारी सुकांत घोष के बेटे अक्षित घोष के दांतों का ऑपरेशन किया। इस संबंध में सुकांत घोष ने बताया कि उनके छोटे बेटे के मसूड़ों में सिस्ट हो गया था। नतीजतन, डॉक्टर ने दोनों दांतों को शल्य चिकित्सा से निकालने का सुझाव दिया। तो मैं बहुत चिंतित था। मैंने इस मामले में मुख्यमंत्री से चर्चा की और उन्होंने खुद सर्जरी करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बहुत व्यस्त होने के बावजूद मुख्यमंत्री आज सुबह अस्पताल में सर्जरी के लिए आए और बहुत कुशलता से कार्य किया। उन्होंने बेटे की सर्जरी के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। सर्जरी के बाद मुख्यमंत्री डॉ. साहा ने कहा कि मैं पहले भी ऐसी कई सर्जरी कर चुका हूं। यह सच है कि मैं आज मुख्यमंत्री बना हूं, लेकिन अहसास पहले जैसा ही है। उन्होंने कहा कि आज अस्पताल में मुझे देखकर हर कोई बहुत प्रभावित हुआ है। एक डॉक्टर मित्र ने कहा कि मैं पहले की तरह काम कर पा रहा हूं क्योंकि, सर्जरी के दौरान मेरा हाथ एक बार भी नहीं कांपा। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यस्तता बड़ी है, लेकिन मैं आज सुबह 9 बजे सर्जरी करने पहुंचा। इसके बाद तैयार होकर सीधे ऑपरेशन थियेटर में पहुंचा। सर्जरी भी सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई। मरीज की तबीयत ठीक है और कल उसे अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी।

होजाई गर्ल्स कॉलेज में सात दिवसीय अनुवाद कार्यशाला का समापन

होजाई। होजाई गर्ल्स कॉलेज में सात दिवसीय अनुवाद कार्यशाला का समापन आज हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता होजाई गर्ल्स कॉलेज के अध्यक्ष दीपक कुमार हजारिका ने किया। सत्र संचालन शब्द भारती होजाई गर्ल्स कॉलेज केंद्र के समन्वयक डॉ. राजेन सिंह चौहान ने किया। मुख्य अतिथि तथा तेजपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अवकाश प्राप्त अध्यापक प्रोफेसर अनंत कुमार नाथ जी ने रोजगारपरक विषय अनुवाद पर कार्यशाला कराने के लिए होजाई गर्ल्स कॉलेज को धन्यवाद दिया। उनके अतिरिक्त तेजपुर विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी कुलदीप उपाध्याय तथा शब्द भारती के सचिव कालीचरण बासफोर ने भी कालेज में हिंदी की लोकप्रियता की भूरी भूरी प्रशंसा की और छात्राओं प्रोत्साहित किया। कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया।अंत में हिंदी विभाग के अध्यापिका मीनाक्षी गुप्ता ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया।

एनसीपी विधायक के ठिकानों पर ईडी का छापा

पुणे (हि. स.)। कोल्हापुर के एनसीपी विधायक हसन मुशरिफ के हाउस पर बुधवार सुबह से ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों की छापेमारी चल रही है। यह छापेमारी शुगर मिल संबंधी भ्रष्टाचार मामले को लेकर की जा रही है। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने पूर्व में विधायक हसन पर एक सौ करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया था। इसके बाद बुधवार सुबह ईडी ने विधायक हसन के ठिकानों पर छापामारा है।खबर लिखे जाने तक कार्रवाई चल रही थी। अभी विस्तृत जानकारी नहीं मिली है। इसी के तहत गत वर्ष भी कई ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। इस छापेमारी के बाद भाजपा नेता सोमैया ने कहा था कि उन्होंने मुशरिफ के घोटाले से संबंधित कई कागजात और सबूत उपलब्ध करवाए हैं। यह छापेमारी बदले की भावना से नहीं बल्कि घोटाले का पर्दाफाश करने के लिए की गई।

रंगारंग कार्यक्रम के बीच हाकी विश्वकप-2023 का उदघाटन

भुवनेश्वर (हि.स.)। रंगारंग कार्यक्रम के बीच कटक के बारबाटी स्टेडियम में पुरुष हाकी विश्वकप प्रतियोगिता 2023 का उदघाटन हो गया है । मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार शाम को हाकी विश्व कप का उदघाटन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय खेल व युवा मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पटनायक ने कहा कि ओडिशा राज्य में पुरुष हाकी का विश्वकप का आ?ोजन हो रहा है। मेजबानी करने में ओडिशा का अच्छा नाम है। इस आयोजन करने से मैं काफी खुश हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द् सरकार ने इसमें हर प्रकार का सहयोग दिये जाने के कारण मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं । इस उदघाटन कार्यक्रम में एफआईएच अध्यक्ष तया इकरम, हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की व राज्य सरकार के मंत्री भी उपस्थित थे ।

हिसार में नई शिक्षा नीति में बेरोजगार युवाओं को उद्यमी बनाने पर फोकस : कुलपति कंबोज

हिसार (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कहा है कि नई शिक्षा नीति बेरोजगार युवाओं को उद्यमी बनाने पर खासतौर पर फोकस रहेगा। इसके तहत विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के योग्य बनाना है, अपितु उनके कौशल विकास करते हुए उद्यमिता के प्रति उनमें रूचि भी जगानी है। इसके लिए पहले शिक्षकों को सफल उद्यमिता के नियमों को समझना होगा। कुलपति प्रो. बीआर कंबोज बुधवार को तीन सप्ताह अवधि के रिफ्रेशर कोर्स के शुभारंभ अवसर पर अपना संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि उद्यमिता समय की मांग है और भविष्य में भी इस तरह के और पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए संकाय को प्रोत्साहित किया जाए। यह पाठ्यक्रम कृषि और संबद्ध विज्ञान के दायरे में उद्यमशीलता की संभावनाओं का समग्र ज्ञान प्रदान करेगा। मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने अपने स्वागत अभिभाषण में कहा कि उद्यमशीलता कृषि और संबद्ध विज्ञानों में बुनी हुई है और युवा पीढ़ी को अधिक कल्पनाशील, अभिनव, सरल, सक्रिय, अग्रणी और संभावना उन्मुख बनाने की आकांक्षा रखता है। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ संगीता चहल सिंधु ने पाठ्यक्रम बारे बताया कि वर्तमान पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को बुनियादी उद्यमशीलता का दृष्टिकोण प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि इस 21 दिवसीय पाठ्यक्रम में हकृवि, जीजेयू, लुवास और निफटम सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के वक्ता शामिल होंगे। प्रतिभागियों को वास्तविक उद्यमियों के साथ बातचीत करने का अवसर भी मिलेगा और वे उनके अनुभवों से सीखेंगे।

पृष्ठ एक का शेष

जल्दी-जल्दी कानून ...

करें। जी20 देशों की संसदों का सम्मेलन भी हम आयोजित करेंगे, जिसमें हमें अपनी समृद्ध लोकतांत्रिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी सहित देश भर से आए पीठासीन अधिकारी मौजूद थे।

एआईयूडीएफ चीफ ...

पिछला विधानसभा चुनाव सहयोगी के रूप में लड़ा था। ये फैसला कांग्रेस के लिए आसान नहीं था। लेकिन एआईयूडीएफ के साथ चुनाव लड़ने का फैसला इसलिए लिया गया था कि वो विश्वसनीय साथी रहेंगे और देश में धर्मनिरपेक्ष ताकतों को मजबूती मिलेगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि चुनाव परिणामों से पता चला है कि अजमल ने असम के मुख्यमंत्री के साथ एक समझ बनाई थी। दोनों ने कांग्रेस और उसके नेतृत्व को बदनाम करने के एकमात्र उद्देश्य के साथ कार्य किया। उन्होंने कहा कि वो राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा असाधारण सफलता से हिले हुए हैं। जयराम ने आरोप लगाया कि अजमल और कुछ नहीं बल्कि एआईएमआईएम जैसे कुछ अन्य दलों की तरह भाजपा का मुखपत्र हैं। उनका यूपीए से कोई लेना-देना नहीं है जैसा कि वो दावा करते हैं।

हज यात्रा में वीआईपी...

दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि *वीआईपी कोटे* के तहत राष्ट्रपति के पास 100 हजयात्रियों का कोटा होता था तो प्रधानमंत्री के पास 75, उप राष्ट्रपति के पास 75 और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री के पास 50 का कोटा होता था। इसके अतिरिक्त हज कमेटी के सदस्यों/पदाधिकारियों के पास 200 हजयात्रियों का कोटा होता था। हज कमेटी के सूत्रों ने बताया कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने गत 14 नवंबर को एक पत्र लिखकर हज में *वीआईपी कोटा* खत्म करने से जुड़े फैसले की जानकारी दी थी और कहा था कि हज कमेटी के 200 हजयात्रियों के कोटे को सामान्य कोटे के साथ शामिल किया जाए। हज के लिए भारत का कोटा करीब दो लाख हजयात्रियों का है।

एफसीआई घोटाला ...

के डीजीएम राजीव मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ ही अनाज व्यापारियों, मिल के मालिकों और खाद्यान्न वितरकों के अपवित्र सांठगांठ के सिलसिले में 50 से अधिक स्थानों पर छापेमारी जारी है, जो निम्न गुणवत्ता वाले खाद्यान की आपूर्ति में शामिल थे। इस छापेमारी में अबतक सीबीआई ने 60 लाख रुपए बरामद कर लिए हैं। इसके साथ ही इस घोटाले से जुड़े कई जरूरी दस्तावेजों के भी बरामद होने की खबर है। न्यूज एजेंसी के अनुसार सीबीआई ने अब तक भारतीय खाद्य निगम घोटाले के मामले में लगभग 74 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सीबीआई ने भारतीय खाद्य निगम के डीजीएम को 50 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है, जिसके बाद सीबीआई ने तालाशी अभियान शुरू किया है। इस घोटाले में तकनीकी सहायकों से लेकर कार्यकारी निदेशकों तक की भूमिका सीबीआई के जांच के दायरे में है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सीबीआई को एफसीआई घोटाले से जुड़ी कई शिकायतें मिली, जिसके बाद जांच एजेंसी पिछले 6 महीने से खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रही थी। सीबीआई को उम्मीद है कि छापेमारी के दौरान अभी और कैश, सोना-चांदी और कई जरूरी डॉक्यूमेंट बरामद हो सकते हैं।

अरुणाचल प्रदेश : परशुराम कुंड ...

दौरान उन्होंने परशुराम कुंड मेला 2023 का एक वीडियो भी साझा किया। इसी वीडियो को साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर लिखा, एक आनंदमय अनुभव की तरह दिखता है। अरुणाचल प्रदेश के बारे में जानने का एक अनूठा अवसर।

त्रिपुरा से भाजपा को उखाड़ ...

गठबंधन (एलायेंस) करेगी। वामपंथी दल ने आगे कहा कि दोनों पार्टियों का उद्देश्य भाजपा को हराना है। दोनों ही दलों के बीच सीटों का बंटवारा *ग्राउंड रियलिटी* के आधार पर होगा। सीपीआई (एम) के नेता सीताराम येचुरी ने कहा कि चुनाव से पहले होने वाले इस गठबंधन में आदिवासी टिपरा मोथा पार्टी भी शामिल होगी। इस मीटिंग में सीताराम येचुरी के अलावा प्रकाश करात, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार, पार्टी के स्टेट सेक्रेटरी जितेंद्र चौधरी सहित राज्य के सभी जिलों से आए कई नेता मौजूद थे। मीटिंग के बाद सीताराम येचुरी ने बताया कि हम आने वाले चुनावों को बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं, न केवल त्रिपुरा के लिए बल्कि लोकतंत्र और संविधान के लिए भी। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के चुनाव पूर्वोत्तर, भारत, विकास और राष्ट्रीय राजनीति के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। जब उनसे बंगाल में कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन को सफलता न मिलने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि पार्टी की आलोचना कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे को लेकर नहीं हुई बल्कि यह मांग की गई थी कि इसे कॉमन मेनिफेस्टो या प्रोग्राम के जरिए वास्तविक गठबंधन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

संघ प्रमुख भागवत के बयान...

को भी भय नहीं है। इसके बाद शिवसेना, एआईएमआईएम ने भागवत के बयान पर सवाल उठाए हैं। दरअसल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के हिंदुस्तान को हिंदुस्तान रहना चाहिए वाले बयान पर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने प्रतिक्रिया दी है। सिब्बल ने कहा कि वह मोहन भागवत के इस बयान से वह सहमत हैं लेकिन इंसान को इंसान रहना चाहिए। भागवत ने कहा था कि भारत में मुसलमानों के लिए डरने की कोई वजह नहीं है, लेकिन उन्हें खुद को सर्वश्रेष्ठ बताने वाली गलत बयानबाजी से परहेज करना होगा। इसके जवाब में एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुसलमान केवल समानता और समान नागरिकता की बात कर रहे हैं, सर्वोच्चता की नहीं। उनके लिए विविधता राष्ट्र-विरोधी है। वह (मोहन भागवत) सीधे लोगों को मुसलमानों के खिलाफ हिंसा करने के लिए उकसा रहे हैं। आप आखिर मुसलमानों से इतना क्यों डरते हैं? आप आखिर भारत की विविधता से क्यों डरते हैं? भारत के बहुलवाद से ऋऱ्ऱ वाले क्यों डरते हैं? भारत के विभिन्न संस्कृतियाँ से क्यों डरते हैं? मोहन भागवत ने क्या कहा था। ऑर्गनाइजर और पांचजन्य को दिए साक्षात्कार में भागवत ने कहा था- सीधी सी बात है हिंदुस्तान को हिंदुस्तान ही रहना चाहिए। आज भारत में रह रहे मुसलमानों को कोई नुकसान नहीं है... इस्लाम को कोई खतरा नहीं है। लेकिन मुसलमानों को खुद को सर्वश्रेष्ठ बताने वाली गलत बयानबाजी छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने कहा, हम एक महान नस्ल के हैं, हमने एक दौर में इस देश पर राज किया था और हम फिर से उस पर राज करेंगे। सिर्फ हमारा रास्ता सही है, बाकी सब गलत हैं। हम अलग हैं, इसलिए हम ऐसे ही रहेंगे। हम साथ मिलकर नहीं रह सकते... मुसलमानों को इस अवधारणा को छोड़ देना चाहिए। यहां रहने वाले सभी लोगों को, चाहे वे हिंदू हों या वामपंथी, इस भाव को त्याग देना चाहिए।

राज्य पर्यटन नीति 2023...

ही पब्लिक डोमेन में रखा जा चुका है। कॉनराड संगमा ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए समग्र क्षेत्र को उचित आकार और ढांचा देने की परिकल्पना की गई है। पर्यटन के क्षेत्र में बहुत कुछ हो रहा है, लेकिन उन्हें व्यवस्थित रूप में नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नई नीति की पूरी प्रक्रिया को पूर्ण बनाने के लिए जो भी करना होगा हम करेंगे, जिससे पर्यटन क्षेत्र में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि स्थिरता वह पहलू है जिस पर हमें गौर करना चाहिए। दुनिया के कई हिस्सों में स्थायी पर्यटन नीतियां हैं, विशिष्ट दिशा-निर्देशों के साथ पर्यटक कुछ स्थानों पर कैसे जा सकते हैं, इस पर जोर दिया जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त 13...

राज्य पुलिस-प्रमुख, मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, सभी जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों, राज्य और केंद्रीय प्रवर्तन और संबंधित संगठनों, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चुनाव तैयारी और नियमों की समीक्षा करेंगे। सीईओ ने यह भी बताया कि आयोग पहले ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 50 कंपनियों को चुनाव ड्यूटी के लिए नगालैंड भेज चुका है। अतिरिक्त केंद्रीय बल अभी भी रास्ते में है। वे भी बहुत जल्द राज्य पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों से राज्य स्तर पर व्यापक तैयारी और प्रशिक्षण चल रहा है। दूसरी ओर, वी शशांक शेखर ने सभी राजनीतिक दलों और गैर-पक्षपातपूर्ण लोगों से सूचनाओं पर भरोसा करने और सावधानी से प्रचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम चुनाव के करीब आ गए हैं। यह समय बहुत ही संवेदनशील होता है क्योंकि कई बार झूठी सूचनाओं के साथ अफवाहें फैलाने की प्रवृत्ति होती है। सीईओ शशांक शेखर ने राज्य के सभी नागरिकों से बिना किसी अप्रिय हिंसा और किसी भी पुनर्निर्वाचन के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए एक साथ आने की अपील की।

कुपवाड़ा में सेना के 3...

से थंगू के लिए निकले थे। रास्ते में ट्रक एक मोड़ पर फिसलकर खाई में जा गिरा था। इस हादसे में 4 जवान गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिन्हें बाद में एयरलिफ्ट किया गया था। पिछले साल नवंबर में भी कुपवाड़ा के माछिल इलाके में 3 जवान हिमस्खलन की चपेट में आ गए थे। 2 जवानों को बर्फ के नीचे से सुरक्षित निकाला गया था। जब हादसा हुआ तब 56 राष्ट्रीय रायफल्स के ये पांचों जवान रूटीन गश्त कर रहे थे। हादसे की जानकारी मिलते ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया, लेकिन जब तक जवानों को निकाला गया तब तक 3 की मौत हो गई थी। डेगाना के चरड़ास गांव के आर्मी जवान जोगेंद्र सिंह शेखावत कैंसर पीड़ित रिश्तेदार से मिलने के लिए छुट्टी पर आए थे। ड्यूटी पर लौटने के लिए छोटे भाई दुर्ग सिंह के साथ मोटरसाइकिल पर डेगाना जाते समय सामने अचानक गाय आने की वजह से जोगेंद्र सिंह घायल हो गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

अफगानिस्तान : विदेश मंत्रालय के...

आंतरिक मंत्रालय के एक प्रवक्ता नफी तकूर के अनुसार, इस घटना में कई लोग मारे गए या घायल हुए। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, एक आत्मघाती हमलावर ने एक उपकरण में विस्फोट किया, जिसमें बीस से ज्यादा लोग हताहत हुए हैं। एएफपी ने एक ड्राइवर जमशेद करीम के हवाले से कहा कि मैंने करीब 20-25 पीड़ितों को देखा। मुझे नहीं पता कि उनमें से कितने लोग मारे गए या घायल हुए है। करीम ने कहा कि वह मेरी कारक के पास से गुजरा और कुछ सेकेंड बाद जोरदार धमाका हुआ। स्थानीय मीडिया ने भी निवासियों और सूत्रों के हवाले मंत्रालय के पास जोरदार धमाका होने की सूचना दी है। तालिबान द्वारा संचालित विदेश मंत्रालय और आंतरिकंत्रालय के प्रवक्ताओं ने इस पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

नक्सलियों के साथ मुठभेड़ छह...

(कोबरा), राज्य पुलिस की झारखंड जगुआर और जिला सशस्त्र पुलिस के जवान जंगल में नक्सल विरोधी अभियान चला रहे थे। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों की ओर बढ़ने पर नक्सलियों ने उन पर गोलियां चलाईं। इसके बाद सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी और पीछे हटने को मजबूर नक्सलियों ने विस्फोट कर दिया। नक्सलियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। एसपी शेखर ने बताया कि पश्चिमी सिंहभूम जिले की पुलिस नक्सल प्रभावित इलाकों में पिछले कई हफ्तों से वामपंथी उग्रवादियों के खिलाफ अभियान चला रही है, जिसके कारण कई लोगों को हथियार डालने के लिए मजबूर होना पड़ा। पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने वालों में शीर्ष माओवादी नेता मिसिर बेसरा के करीबी माने जाने वाले आठ चरमपंथी शामिल हैं, जिनके सिर पर एक करोड़ रुपए का इनाम है। पुलिस ने वामपंथी उग्रवाद में शामिल हुए युवाओं से सरकार की समर्पण और पुनर्वास नीति का लाभ उठाने और हथियार डालने की अपील की है।

ऑल असम न्यूजपेपर्स ...

संजीव नारायण को बधाई दी। सदौ असम न्यूजपेपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा *विकसित भारत समाचार* के संपादक राकेश शर्मा, *दैनिक बार्ता* समूह के महासचिव और प्रबंध निदेशक शंकर गोहाईं, विवेक शर्मा, कुमुद नाथ, *प्रात: खबर* के नितुल शर्मा और कल्याण मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने अखबार उद्योग की समस्याओं के बारे में *दैनिक जनमभूमि* साझेदार संजीव नारायण से मुलाकात की। उन्होंने हर मुद्दे पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में संजीव नारायण जैसे व्यक्ति की उपस्थिति में असम के समाचार पत्रों सुचारुरूप से चलाने में सहयोग मिलेगा। संजीव नारायण ने सदौ असम समाचार पत्र संघ को इस संबंध में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि असम में अखबारों का भविष्य कभी खराब नहीं होगा और उन्हें उम्मीद है कि असम के लोग अखबार पढ़ते रहेंगे। प्रतिनिधिमंडल ने न्यूज प्रिंट की कीमतों और मुद्रित सामग्री में वृद्धि से निपटने के लिए विज्ञापनों और टैरिफ में वृद्धि के मुद्दे पर भी नारायण के साथ चर्चा की। राज्य में विभिन्न भाषाओं में कई अलग-अलग प्रकार के समाचार पत्र प्रकाशित हो रहे हैं। कोविड-19 के वैश्विक प्रकोप और लॉकडाउन के कारण हुए आर्थिक संकट के कारण नियमित दैनिक समाचार पत्रों के प्रसार और छपाई को बनाए रखने में अधिकारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ये समाचार पत्र बड़ी संख्या में बेरोजगार युवाओं को रोजगार देकर बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए प्रयासरत हैं। दैनिक समाचार पत्र वित्तीय संकट में हैं। एसोसिएशन ने कहा कि सरकार वर्तमान में अखबारों को विज्ञापनों के लिए बहुत कम दरों पर विज्ञापन जारी करती है। प्रतिनिधिमंडल ने आज फिर सरकार से समाचार पत्रों पर ध्यान देते हुए विज्ञापनों की दर बढ़ाने का आग्रह किया।

अमेरिका में सभी उड़ानें ठप

वॉशिंगटन। फेडरल एविएशन एजेंसी ने एक एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा- एनओटीएएम(नोटिस टू एयर मिशन्स) सिस्टम *फेल* हो गया है। हम ये नहीं कह सकते कि ये कब तक ठीक होगा। हालांकि इसे जल्द ठीक करने की कोशिशें जारी हैं। एनबीसी न्यूज के मुताबिक करीब 400 फ्लाइट्स देरी से ऑपरेट की जा रही हैं। इनमें डोमेस्टिक और अब्रॉड के फ्लाइट्स ऑपरेशन्स शामिल हैं। अमेरिकी वक्त के मुताबिक सुबह 5.31 बजे यह टेक्निकल फॉल्ट सामने आया। हालांकि अब तक यह साफ नहीं हो सका है कि इसकी वजह क्या है। एविएशन की वेबसाइट पर कहा गया- टेक्निकल स्टाफ सिस्टम को दुरुस्त करने में जुटा है। स्काय न्यूज के मुताबिक- कुल मिलाकर अब तक 760 फ्लाइट रद्द हुईं या देरी से ऑपरेट की जा रही हैं। फ्लाइट ट्रैकर के मुताबिक- 91 फ्लाइट्स रद्द की जा चुकी हैं। एफएए ने नए बयान में कहा कि यह कंप्यूटर सिस्टम में आए टेक्निकल फॉल्ट की वजह से हुआ है। खराबी का पता चल गया है। फ्लाइट ऑपरेशन्स जल्द रीस्टोर करने की कोशिश कर रहे हैं। एनओटीएएमया नोटिस टू एयर मिशन्स दरअसल, पूरे फ्लाइट ऑपरेशन का सबसे अहम हिस्सा है। इसके जरिए ही फ्लाइट्स को टेकऑफ या लैंडिंग की जानकारी मिलती है। एनओटीएएमरियल टाइम डेटा लेकर एयरपोर्ट ऑपरेशन्स या एयर ट्रैफिककंट्रोल (एटीसी) को देता है। इसके बाद एटीसी इसे पायलट्स तक पहुंचाते हैं। इसी सिस्टम के जरिए नैचुरल डिजास्टर्स और दूसरी दिक्कतों को भी मॉनिटर किया जाता है।स्काईडॉटएरो के मुताबिक, एनओटीएएमकी लैंग्वेज हकीकत में मुश्किल होती है। यह कोड लैंग्वेज होती है। आमतौर पर फ्लाइट के टेकऑफ के पहले यह जानकारी पायलट्स और क्रू मेंबर से फाइनल ब्रीफिंग में शेयर की जाती है। मान लीजिए, किसी इलाके में कुछ फ्लाइंग एक्टिविटीज चल रही हैं तो इसकी जानकारी पहले हीएनओटीएएमके जरिए दे दी जाती है।

असम प्रदेश भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ कक्ष का उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में प्रादेशिक शिक्षक प्रकोष्ठ के कक्ष का उद्घाटन बुधवार को किया गया। प्रकोष्ठ के संयोजक अमरज्योति बोरठाकुर ने एक बयान में बताया कि प्रकोष्ठ कक्ष में कोलियाबोर के आमंत्रित लोगों ने भागवत पाठ किया गया। शिक्षक कोष के सभी कामकाज आने वाले दिनों में इस कक्ष से संचालित होंगे। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. प्रदीप ठाकुरिया, प्रदेश भाजपा प्रकोष्ठ के संयोजक मनोज बरुवा, प्रवक्ता रंजीर कुमार शर्मा, पंकज बोरबोरा, शिक्षक प्रकोष्ठ सह-संयोजक उत्पल कुमार बोरा, सदस्य डॉ. फणी दत्त, डॉ. मणिधन सिंह, संतोष रंजन चक्रवर्ती, टूटू बोरठाकुर, महानगर जिला शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. उत्पलज्योति मेधी, नलबाड़ी जिला के शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक प्रमोद दास आदि उपस्थित थे।

स्वर्वेद भाष्य

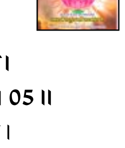

चतुर्थ मंडल **सप्तम अध्याय**

(विरह)

विरह ताप चिन्ता धनी, जरत अन्तरी दाह।
रुधिर मांस सब जर गये, उठत कराहि कराह॥ 05 ॥

शब्दार्थ : (धनी) स्वामी (कारह) दु:ख की श्वांस लेना।

भाष्य : स्वामी के लिए विरह-चिन्ता के कारण उसकी अग्नि भीतर में दहकती रहती है, जिसके कारण रक्त और मांस सब जल जाते हैं और दु:खभरी श्वांस लेते हुए विरह उठता है।

विरही विरह मिमोर में, व्याकुल दुखित अधीर।
वीरह बान उर में लगा, रहत न कबहूं थीर ॥ 06 ॥

शब्दार्थ : (मिमोर) मरोड़, व्यथा (अधीर) धैौंहीन (थीर) स्थिर।

भाष्य : विरही, विरह-व्यथा के कारण अधीर हो कर व्याकुल एवं दुखी हो जाता है और उसके ह्रदय में विरह-वाण लगने के कारण कभी अपने में स्थिरता नहीं रहती।

मुख्यमंत्री ने पुलिस के कामकाज की समीक्षा की

ई-एफआईआर सेवा होगी उपलब्ध : हिमंत

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा ने बुधवार को गुवाहाटी में असम पुलिस मुख्यालय में एक पुलिस के कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने जनशक्ति की भर्ती, निपटने के लिए तैयारियों सहित नए जमाने के अपराध, वित्तीय और प्रशासनिक मुद्दे, कई आयामों को कवर करने वाले राज्य पुलिस बल के कामकाज का जायजा लिया। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में सक्षम असम पुलिस को एक आधुनिक बल में बदलने के लिए राज्य पुलिस बल और गृह विभाग की दीर्घकालिक योजनाओं का विवरण देते हुए मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुतियां दीं। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को उग्रवाद से संबंधित हिंसा में मारे गए पुलिस कर्मियों के परिजनों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियां कम से कम समय में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने असम पुलिस के शीर्ष अधिकारियों को नए जमाने के अपराधों जैसे ऑनलाइन चाइल्ड पोर्नोग्राफी, साइबर धोखाधड़ी आदि से

निपटने के लिए पर्याप्त जनशक्ति विकसित करने का भी निर्देश दिया। ऑनलाइन सेवाओं की आवश्यकता पर जोर देते हुए, जो जनता के लिए पुलिस स्टेशनों का दौरा करने के बोझ को कम करेगी, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने पुलिस महानिदेशक से कुछ हलकों से आवश्यक परामर्श के बाद समयबद्ध तरीके से ऑनलाइन मोड में प्रदान की जा सकने वाली संभावित सेवाओं के साथ एक मैनुअल लाने और लागू करने को कहा। मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि एक तंत्र तैयार किया जाना चाहिए ताकि पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए वर्तमान में किए जा रहे सुधारों के रास्ते में नौकरशाही अड़चनें न आएं। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को राज्य पुलिस को कुछ वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियां सौंपने का भी निर्देश दिया, ताकि इसके सुचारू कामकाज में मदद मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने शीर्ष पुलिस अधिकारियों को देश भर के पुलिस बलों की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने और राज्य के निवासियों के लाभ के लिए असम पुलिस के कामकाज में शामिल करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पांच या अधिक कर्मचारियों वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के परिसर में क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरा लगाने को अनिवार्य बनाने के लिए एक आदेश जारी करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे शहर में काफी हद तक अपराधों पर लगाम लगेगी। बैठक में आवास और शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल, मुख्य सचिव पबन कुमार बोरठाकुर, डीजीपी भास्कर ज्योति महंत और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

आईआईटी जैम के प्रवेश-पत्र जारी, दाखिलों के लिए 12 फरवरी को होगी परीक्षा

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी की ओर से शीर्ष उच्च शिक्षा संस्थानों के स्नातकोतर डिग्री कार्यक्रमों में दाखिलों के लिए जैम (आईआईटी जैम2023) यानी संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए प्रवेश- पत्र जारी कर दिए गए हैं। आईआईटी, गुवाहाटी की ओर से आयोजित जैम परीक्षा के लिए योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट से अपना हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं। आईआईटी, गुवाहाटी की ओर से जैम परीक्षा 12 फरवरी, 2023 को दो सत्रों में कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के रूप में आयोजित की जाने वाली है। वहीं, संस्थान की ओर से जारी पूर्व कार्यक्रम के अनुसार, आईआईटी जैमपरीक्षा के परिणाम 22 मार्च, 2023 को घोषित किए जाना निर्धारित है। परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवार, आईआईटी, आईआईएससी के एमएससी (दो

वर्षीय), संयुक्त एमएससी-पीएचडी, एमएससी-पीएचडी दोहरी डिग्री, एकीकृत पीएचडी और अन्य स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रमों में अपनी मेरिट और पसंद के आधार पर प्रवेश पा सकते हैं। आवेदन के लिए, जैम ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रणाली वेबसाइट (जोएप्स) में लॉग इन करने पर, उम्मीदवार को आवश्यक जानकारी भरनी होगी है, जैसे शैक्षणिक योग्यता, अंकों का प्रतिशत/सीजीपीए, श्रेणी, शारीरिक विषमता स्थिति इत्यादि सहित।

चोरों के हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

गोलाघाट (हि.स.)। गोलाघाट जिला के दोलाखरिया इलाके में सांची के पेड़ चोरी करने आए चोरों द्वारा किए गए हमले में विलेज डिफेंस पार्टी (वीडीपी) का एक सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि सांची का पेड़ चुराने के इरादे से गांव में चोरों का एक दल पहुंचा था। इसी दौरान विलेज डिफेंस पार्टी की टीम ने चोरों को पकड़ने की कोशिश की। वाहन को रोकने के दौरान चोर द्वारा धारदार हथियार से किए गए हमले में सदा दास नामक वीडीपी का सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर अवस्था में घायल सदा दास को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर फरार चोरों की तलाश कर रही है।

अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहा वाहन जब्त

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। ग्वालपाड़ा जिला के रंगजुली इलाके में वन विभाग की टीम ने अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहे एक वाहन को जब्त किया है। वन विभाग ने बुधवार को बताया कि रंगजुली वन आंचलिक कार्यालय के अंतर्गत संरक्षित वनांचल से अवैध रूप से लकड़ी की कटाई कर एक वाहन के जरिए लकड़ी की तस्करी की जा रही थी। इसकी जानकारी मिलते ही रंगजुली वन आंचलिक कार्यालय की एक टीम ने अभियान चलाकर लकड़ी ले जा रहे वाहन को जब्त कर लिया। वन विभाग की कार्रवाई के दौरान वाहन चालक समेत लकड़ी तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे।

बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या के विरोध में प्रदर्शन

नगांव (निसं)। शंभू कोयरी हत्याकांड को लेकर आज समग्र राज्यभर के साथ ही नगांव जिला उपायुक्त कार्यालय के सामने बजरंग दल ने प्रतिवादी धरना प्रदर्शन करते हुए हत्यारा सेलीम उद्दीन का पूतला दाह किया। मौलवादी संगठन होशियार, हत्यारा सेलिम उद्दीन को फांसी दो, हिंदू पर अत्याचार बर्दास्त नहीं करेंगे आदि नारे बाजी लगाकर बजरंग दल ने राज्य सरकार को आगाह किया कि जल्द ही हत्यारा सेलीम उद्दीन को फांसी की सजा मिलनी चाहिए और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति मुस्लिम द्वारा न हो, इसके लिए भी सावधान किया। प्रतिवादियों ने साफ तौर पर कहा कि करीमगंज के लोयर पुरा निवासी एक गरीब परिवार के बजरंगी कार्यकर्ता शंभू कोयरी को जिस तरीके से सेलिम उद्दीन और उनके सहयोगियों ने निर्मम हत्या

कर हिंदूओं को डराने-धमकाने का काम किया है,जो असहनीय है और इस मामले में सरकार यदि कठोर कदम नहीं उठाती हैं तो बजरंग दल एक बड़ा आंदोलन को अंजाम देगा। उल्लेखनीय है कि गत रविवार रात 8.30 बजे लोयरपुआ, करिमगजं के चाय दुकान चलाने वाले मधु कोययी जी का 16 वर्षीय बेटा शंभू कोयरी को एक मुसलमान युवक सेलीम उद्दिन (पिता-मयना मिया) ने हथियार से हमला किया। तुरंत ही माकुंदा हॉस्पिटल ले जाने के बाद डॉक्टर ने शंभू को मृत घोषित किया । शंभू कोयरी गुल महावीर पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल का छात्र था । शंभू बजरंग दल का तीन दिवसीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग से घर लौट रहा था,तभी यह घटना घटी। शंभू बजरंग दल में प्रखंड विद्यार्थी प्रमुख के रूप में दायित्व का पालन कर रहा था । सनद रहे कि प्रतिवादी धरना प्रदर्शन के बाद बजरंग दल ने नगांव जिला उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में शंभु कोयरी के हत्यारे को फास्ट ट्रैक अदालत के जरिए विचार कर फांसी देने की मांग के साथ ही शंभू के परिवार को पचास लाख रुपए की सहायता सरकार करे और उनके परिवार से किसी एक को संस्थापन देने की मांग भी विज्ञापन में उल्लेख है।

रंगिया में भीषण सड़क हादसा, दो युवकों की मौत

रंगिया (निसं)। रंगिया के तुलसीबारी में मंगलवार की रात्रि भयावह सड़क हादसा हुआ। घटना के बारे मे मिली जानकारी के अनुसार दो बाइकों में टक्कर हो गई जिसमें बाइक सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई तथा इस हादसे में अन्य एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। मृतक युवकों की पहचान संजू दास और रिमन विश्वास के रूप मे हुई है। जोकि तुलसीबारी के पास माहतली के रहने वाले है जहां दुर्घटना हुई थी। स्थानीय लोगों और पुलिस ने बताया कि मृतकों ने हेलमेट नहीं पहना था। हादसे के बाद रंगिया थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी ने सम्बाद माध्यम के द्वारा सभी से बाइक चलाते समय हेलमेट पहनने का आग्रह किया।

सुतारपारा-कटहलबाड़ी को जोड़ने वाली जर्जर लकड़ी के पुल की मरम्मत की मांग

नागरबेड़ा (निसं)। राज्य की भाजपा सरकार का नारा है सब का साथ सबका विकास वास्तव में इस सरकार के समय में राज्य के सभी हिस्सों का समान रूप से विकास हुआ है या नहीं, यह भी आज एक बड़ा सवाल है। क्योंकि पूर्वी ग्वालपाड़ा में सुतारपारा (गरोमारी) और दुधनै विधानसभा क्षेत्रों में कटहलबाड़ी से सटे लकड़ी के पुल की जर्जर हालत से वृहद क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ पैदल चलने वालों को भी भारी पीड़ा हुई है। नतीजतन, लंबे समय तक, स्थानीय लोगों के साथ-साथ छात्रों को भी बहुत खतरनाक तरीके से पुल के माध्यम से यात्रा करनी पड़ती है। स्थानीय लोगों को संबंधित पुल को लेकर स्कूली बच्चों से खतरनाक तरीके से जूझना पड़ता है। ग्वालपाड़ा के दुधनै विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लकड़ी के पुल की पिछले कई वर्षों से मरम्मत नहीं की गई है, जिससे बड़े क्षेत्र के लोग परेशान हैं। लोगों ने स्थानीय विधायक के साथ-साथ बरंबा के लोक निर्माण विभाग से भी गुहार लगाई है लेकिन आज तक कोई फायदा नहीं होने से वे नाराज हैं कि उनका कोई नतीजा नहीं निकला है। इसलिए मीडिया, सरकार और विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ राज्यों के मुख्यमंत्री को गुजारिश कि जल्द ही सर्वसाधारण को आना जाना का व्यावस्था करें।

पूसी रेल की माल अनलोडिंग में निरंतर वृद्धि

गुवाहाटी (विभास)। पूसी रेल माल अनलोडिंग में स्थिर वृद्धि निरंतर दर्ज कर रहा है। वर्तमान वित्त वर्ष के अप्रैल से दिसंबर के दौरान 10879 माल ढुलाई रेक अनलोड किए गए। यह पिछले वर्ष की

समान अवधि की तुलना में 9.43त्न अधिक है। दिसंबर, 2022 के दौरान 1332 माल ढुलाई रेक अनलोड किए गए। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 3.90त्न की वृद्धि है। पूसी रेल ने उक्त महीने के दौरान एफसीआई चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, खाद्यान्न, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, सब्जियां, टैंक, कंटेनर जैसे अन्य वस्तुओं का परिवहन किया और इसे अपने क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न गुड्स शेडों में अनलोड किया। दिसंबर, 2022 के दौरान, असम में मालगाड़ियों के 694 रेक अनलोड किए गए थे, जिनमें से 354 आवश्यक वस्तुओं से लदे हुए थे। उक्त महीने के दौरान त्रिपुरा में 124 रेक, नागालैंड में 18 रेक, मणिपुर में 9 रेक, अरुणाचल प्रदेश में 7 रेक और मिजोरम में 4 रेक अनलोड किए गये। इसके अलावा, पूसी रेल के क्षेत्राधिकार के अधीन पश्चिम बंगाल में 243 माल ढुलाई रेक और बिहार में 233 माल ढुलाई रेक भी अनलोड किए गए थे। न केवल आम लोगों की आवश्यक जरूरत को पूरा करने के लिए बल्कि सभी क्षेत्रों की स्थानीय आर्थिक गतिविधि को चालू रखने के लिए आवश्यक और अन्य वस्तुओं का नियमित रूप से परिवहन किया जा रहा है।

रंगिया में बजरंग दल का विरोध प्रदर्शन, सेलीमुद्दीन का जलाया पुतला

रंगिया (निसं)। उत्तर कामरूप जिला बजरंग दल के कार्यकताओं ने आज रंगिया में बजरंग दल के एक कार्यकर्ता शंभू कैरी की निर्ममता से हुई हत्या के विरोध में प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि बीते रविवार को करीमगंज में शंभू कैरी की सेलीमुद्दीन नामक व्यक्ति ने बेरहमी से हत्या कर दी थी जब वह बजरंग दल के प्रशिक्षण से अपने घर लौट रहा था। इस घटना ने बजरंग दल और पूरे हिंदू संगठन को गुस्से में ला दिया है। हत्यारे को सजा दिलाने और शंभू कैरी के परिवार को मुआवजा दिलाने को लेकर उत्तर कामरूप जिला, बजरंग दल के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सेलीमुद्दीन का पुतला जलाया। इस मौके पर उन्होंने शौर्य कभी नहीं मरता, शंभू कैरी अमर रहे, जिहादी मुर्दाबाद, बजरंग दल जिंदाबाद जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से असम में सनातनी हिंदुओं की हत्या को रोकने और यह सुनिश्चित

करने की मांग की कि शंभू कैरी की तरह कोई भी हिंदू सनातनी जिहादियों के हाथों न मरे। उन्होंने मांग की कि शंभू कैरी हत्याकांड की जांच एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की देखरेख में पूरी की जाए और सलीमुद्दीन पर जल्द से जल्द मुकदमा चलाया जाए और उसे फांसी की सजा दी जाए। उन्होंने शंभू कैरी के परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की भी मांग की।

आरटीआई व एलसीआई ने कराया टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण

गुवाहाटी। गैर सरकारी संगठन राउंड टेबल इंडिया (आरटीआई) और लेडीज सर्कल इंडिया (एलसीआई) के अंतर्गत गुवाहाटी सिटी लेडिज सर्कल (जीसीएलसी-159) व गुवाहाटी सिटी राउंड टेबल (जीसीआरटी-239) के संयुक्त तत्वावधान में सरकारी विद्यालय में टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण कराया गया। हातीगांव स्थित राजधानी एमई स्कूल में निर्माण किए गए टॉयलेट ब्लॉक का उद्घाटन बुधवार को किया गया। लेडिज सर्कल एरिया-14 की चेयरपर्सन बंदना अग्रवाल तथा राउंड टेबल के राष्ट्रीय योजना संयोजक प्रदीप गुप्ता ने किया। इस मौके पर स्कूल के प्राचार्य करुणामय गोस्वामी व पामोही स्थित अक्षर फाउंडेशन की संस्थापिका अलका शर्मा, जीसीएलसी-159 की चेयरपर्सन रीबेका अग्रवाल, जीसीआरटी-239 के चेयरपर्सन अंकित जैन सहित दोनों संस्थाओं के सदस्य मौजूद थे। रीबेका अग्रवाल ने बताया कि विद्यालय में निर्माण किए गए टॉयलेट ब्लॉक में कुल 6 शौचालय है, इनमें 3 ब्वायज और तीन गर्ल्स के लिए हैं। राउंड टेबल इंडिया (आरटीआई) और लेडीज सर्कल इंडिया (एलसीआई) एक गैर सरकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मामलों में सेवा, फेलोशिप और सद्भावना को बढ़ावा देना है। आरटीआई 18 से 40 वर्ष के आयु वर्ग के युवा व्यक्तियों का एक स्वयंसेवक के नेतृत्व वाला गैर-राजनीतिक और गैर-सांप्रदायिक संगठन है, जो 1962 मसे समुदाय की बड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत चिंताओं से ऊपर उठकर स्थायी समुदाय-निर्माण परियोजनाओं के लिए सेवा करते आ रहा है।

पाभो वनांचल में अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी

लखीमपुर (हि.स.)। लखीमपुर जिला के पाभो संरक्षित वनांचल में जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लगातार दूसरे दिन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लगभग 70 जेसीबी और कई ट्रैक्टरों का इस्लेमाल किया गया। वहीं अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 600 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। अतिक्रमण हटाए जा रहे स्थल पर किसी भी व्यक्ति के प्रवेश पर पूरी तरह पाबंदी लगाई गया थी। पाभो संरक्षरित वन क्षेत्र के 501 हेक्टेयर जमीन पर जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अवैध तरीके से संरक्षित वनांचल में बड़े-बड़े पोखर के अलावा हजारों एकड़ जमीन पर सरसों की खेती समेत अन्य खेती की गई थी। मंगलवार को भी बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान प्रशासन के द्वारा चलाया गया था।

कामरूप जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ

रंगिया (नसं)। देश के बाकी हिस्सों के साथ कामरूप जिले मे भी आज राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। उल्लेखनीय है कि इस उपलक्ष्य में जिले के परिवहन, पुलिस प्रशासन और जिला सड़क सुरक्षा समितियों द्वारा आज से आगामी 17 जनवरी तक विभिन्न सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आज अमीनगांव स्थित जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में पुलिस एवं परिवहन विभाग तथा जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के शुभारंभ के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहते हुए गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र की सांसद क्वीन ओझा ने समाज के सभी स्तर के लोगों को सड़क सुरक्षा तथा वाहनों के नियमों का पालन कर दुर्घटना की संख्या को कम करने का आह्वान किया। उन्होंने लोगों से वाहनों की गति सीमा बनाए रखने और अव्यवस्थित ड्राइविंग से बचने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि माता-पिता और

अभिभावकों को युवाओं को गाड़ी खरीदने और जीवन की सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कामरूप जिले के पुलिस और परिवहन विभाग से नियमों का पालन नहीं करने वाले डंपर, ट्रक और बस चालकों के खिलाफ अभियान चलाने का भी आग्रह किया। समारोह में बोलते हुए, कामरूप जिले कि उपायुक्त और जिला सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष कीर्ति जल्ली ने कहा कि जिले में वर्ष 2021 की जनवरी से दिसंबर की अवधि की तुलना में वर्ष 2022 की उक्त अवधि के दौरान जिले में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आई है। परन्तु यह संख्या ओर अधिक कम करने की दिशा में सभी को विशेष तौर पर युवाओं को जागरूक करने का आह्वान किया। कामरूप जिले के परिवहन अधिकारी रूपज्योति कलिता ने स्वागत भाषण प्रदान किया। इस कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र राय व जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य सचिव दीपक कुमार वैश्य ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध), रंगिया महकमा पुलिस अधिकारी सीजल अग्रवाल, जिले के विद्यालय निरीक्षक अपूर्ब ठाकुरिया, चिकित्सक डॉ. अरविंद दास सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसके बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय से चांसारी तक एक जागरूकता बाइक रैली निकाली गई। बाइक रैली को सांसद क्वीन ओझा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री शुक्रवार को दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज-'गंगा विलास' को दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 जनवरी को वाराणसी से डिब्रूगढ़ तक दुनिया के सबसे लंबी नदी क्रूज एमवी गंगा विलास को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 जनवरी को सुबह 10.30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज-एमवी गंगा विलास को हरी झंडी दिखाएंगे और वाराणसी में टेंट सिटी का उद्घाटन करेंगे। पीएमओ के अनुसार प्रधानमंत्री आयोजन के दौरान 1000 करोड़ रुपये से अधिक की कई अन्य अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे।

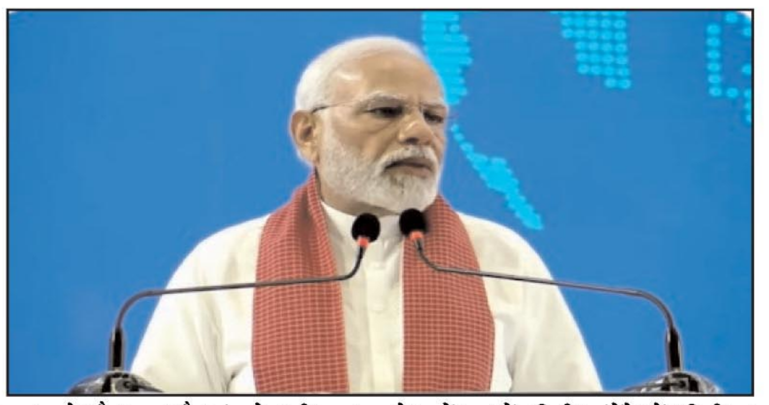

एमवी गंगा विलास – एमवी गंगा विलास उत्तर प्रदेश के वाराणसी से अपनी यात्रा शुरू करेगा और भारत और बांग्लादेश में 27 नदी प्रणालियों को पार करते हुए 51 दिनों में लगभग 3,200 किलोमीटर की यात्रा करके असम के डिब्रूगढ़ तक पहुंचेगा। एमवी गंगा विलास में सभी लक्जरी सुविधाओं के साथ तीन डेक, 36 पर्यटकों की क्षमता वाले 18 सुइट हैं। पहली यात्रा में स्विट्जरलैंड के 32 पर्यटक यात्री रहेंगे। एमवी गंगा विलास क्रूज को दुनिया के सामने देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार किया गया है। विश्व धरोहर स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों, नदी घाटों, और बिहार में पटना, झारखंड में साहिबगंज, पश्चिम बंगाल में कोलकाता, बांग्लादेश में ढाका और असम में गुवाहाटी जैसे प्रमुख शहरों सहित 50 पर्यटन स्थलों की यात्रा के साथ 51 दिनों की क्रूज की योजना बनाई गई है। यात्रा पर्यटकों को एक अनुभवात्मक यात्रा शुरू करने और भारत और बांग्लादेश की कला, संस्कृति, इतिहास और आध्यात्मिकता में शामिल होने का अवसर देगी। रिवर क्रूज टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रयास के अनुरूप, इस सेवा के लॉन्च के साथ रिवर क्रूज की विशाल अप्रयुक्त क्षमता सामने जाएगी और यह भारत के लिए रिवर क्रूज टूरिज्म के एक नए युग का सूत्रपात करेगी।

वाराणसी में टेंट सिटी – क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं का दोहन करने के लिए गंगा नदी के तट पर टेंट सिटी की परिकल्पना की गई है। यह परियोजना शहर के घाटों के सामने विकसित की गई है जो विशेष रूप से काशी विश्वनाथ धाम के उद्घाटन के बाद से वाराणसी में रहने की सुविधा प्रदान करेगी और पर्यटकों की बढ़ती संख्या को पूरा करेगी। इसे पीपीपी मोड में वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित किया गया है। पर्यटक आसपास के विभिन्न घाटों से नावों द्वारा टेंट सिटी पहुंचेंगे। टेंट सिटी हर साल अक्टूबर से जून तक चालू रहेगी और बारिश के मौसम में नदी के जल स्तर में वृद्धि के कारण तीन महीने के लिए समाप्त हो जाएगी।

अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजनाएं – प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल में हल्दिया मल्टी मॉडल टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। जल मार्ग विकास परियोजना के तहत विकसित, हल्दिया मल्टी मोडल टर्मिनल की कार्गो हैंडलिंग क्षमता लगभग 3 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) है और बर्थ को लगभग 3000 डेडवेट टनेज (डीडब्ल्यूटी) तक के जहाजों को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रधानमंत्री गाजीपुर जिले के सैदपुर, चोचकपुर, जमानिया और उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के कंसपुर में चार फ्लोटिंग कम्युनिटी जेटी का भी उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री द्वारा बिहार में पटना जिले के दीघा, नकटा दियारा, बाढ़, पानापुर और बिहार के समस्तीपुर जिले के हसनपुर में पांच सामुदायिक घाटों की आधारशिला रखी जाएगी। आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और क्षेत्र में स्थानीय समुदायों की आजीविका में सुधार के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में गंगा नदी के किनारे 60 से अधिक सामुदायिक घाटों का निर्माण किया जा रहा है। छोटे किसानों, मत्स्य इकाइयों, असंगठित कृषि उत्पादक इकाइयों, बागवानों, फूलों की खेती करने वालों और गंगा नदी के भीतरी इलाकों में आर्थिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने वाले कारीगरों के लिए सरल रसद समाधान प्रदान करके सामुदायिक जेटी लोगों की आजीविका में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री गुवाहाटी में पूर्वोत्तर के लिए समुद्री कौशल विकास केंद्र का भी उद्घाटन करेंगे। यह उत्तर पूर्वी क्षेत्र में समृद्ध प्रतिभा पूल को तराशने में मदद करेगा और तेजी से बढ़ते रसद उद्योग में रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करेगा। इनके अलावा, प्रधान मंत्री गुवाहाटी में पांडु टर्मिनल में एक जहाज मरम्मत सुविधा और एक एलिवेटेड रोड की आधारशिला भी रखेंगे। पांडु टर्मिनल पर शिप रिपेयर सुविधा से बहुत कीमती समय की बचत होगी क्योंकि एक जहाज को कोलकाता रिपेयर फैसिलिटी तक ले जाने और वापस लाने में एक महीने से अधिक का समय लगता है। इसके अलावा, इससे धन की भारी बचत भी होगी क्योंकि जहाज की परिवहन लागत भी बचेगी। पांडु टर्मिनल को एनएच 27 से जोड़ने वाली समर्पित सड़क 24 घंटे की कनेक्टिविटी को सक्षम करेगी।

संविधान पार्क संवैधानिक मूल्यों के कला-रूप का देश में अनुपम उदाहरण : उप राष्ट्रपति

जयपुर, (हि.स.)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजभवन में निर्मित संविधान उद्यान को अभूतपूर्व बताते हुए कहा है कि संविधान से जुड़ी संस्कृति और संवैधानिक मूल्यों के कला-रूप में देशभर में यह अनुपम उदाहरण है। उन्होंने संविधान उद्यान में निर्मित संविधान के कला-रूपों का बारीकी से अवलोकन किया। संविधान उद्यान भ्रमण के बाद उन्होंने राज्यपाल कलराज मिश्र से विशेष रूप से संवाद कर संविधान के मूर्तरूप की इस पहल के लिए उन्हें विशेष रूप से बधाई दी और कहा कि आजादी के बाद इस तरह की यह अनूठी पहल राजस्थान में उनके प्रयासों से ही संभव हो पाई है। उन्होंने राजभवन में चरखा कातते महात्मा गांधी की उस प्रतिमा की भी सराहना की, जिसने स्वदेशी के जरिए आजादी आंदोलन को गति प्रदान करने में महती भूमिका निभाई। उन्होंने इस प्रतिमा, मयूर स्तम्भ और महाराणा प्रताप की अपने प्रिय घोड़े चेतक के साथ ह्यविश्रांतिह्य मुद्रा में निर्मित प्रतिमा के समक्ष फोटो भी खिंचवाया। उप राष्ट्रपति धनखड़ ने बुधवार प्रातः राजभवन में निर्मित संविधान उद्यान का भ्रमण किया। उन्होंने संविधान निर्माण और उससे

जुड़ी संविधान समितियों की कार्यवाही, संविधान निर्माण के बाद उसके लागू होने तक की ऐतिहासिक यात्रा और मूल संविधान की प्रति पर शांति निकेतन के सुप्रसिद्ध कलाकार नंदलाल बोस द्वारा निर्मित भारतीय संस्कृति से संबद्ध कलाकृतियों से जुड़े मूर्तिशिल्प, छायाचित्रों, मॉडल्स आदि का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। संविधान ग्रंथ के आवरण की निर्मित कलाकृति और उद्धेशिका के मूर्तिशिल्प के पास भी उन्होंने फोटो खिंचवाई। धनखड़ ने संविधान उद्यान में प्रदर्शित उस शिल्प की भी विशेष सराहना की जिसमें संविधान निर्माण के बाद देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर संविधान की प्रति भेंट कर रहे हैं। इसी तरह उन्होंने प्रथम संविधान सभा, संविधान की प्रति में उकेरे गए भारतीय संस्कृति के कला-रूपों, स्वाधीनता सेनानियों, महिलाओं की आजादी में रही भूमिका आदि से जुड़े मूर्तिशिल्प, मॉडल्स और छाया छवियों की भी विशेष रूप से सराहना की। राज्यपाल के प्रमुख विषेषाधिकारी गोविंदराम जायसवाल ने उप राष्ट्रपति धनखड़ को संविधान उद्यान के निर्माण और इसमें प्रदर्शित मूर्तिशिल्प, मॉडल्स तथा अन्य कला-रूपों के बारे विस्तार से जानकारी दी। उप राष्ट्रपति के सचिव सुनील कुमार गुप्ता भी इस दौरान उपस्थित रहे।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पंजाब में शुरू

चंडीगढ़, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बुधवार को पंजाब में प्रवेश कर गई। यात्रा बदले हुए कार्यक्रम के अनुसार फतेहगढ़ साहिब से शुरू हुई। यात्रा शुरू करने से पहले राहुल गांधी ने छोटे साहिबजादों की याद में बने फतेहगढ़ साहिब स्थित गुरुद्वारे में माथा टेका। इसके बाद वह रोजा शरीफ में माथा टेकने गए। मंगलवार को राहुल गांधी दरबार साहिब में नतमस्तक हुए थे। बुधवार को सिर पर लाल रंग दस्तार सजाए राहुल गांधी सरहिंद पहुंचे, जहां उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश में नफरत फैलाई जा रही है। राहुल ने आरोप लगाते हुए कहा कि संघ व भाजपा के लोग एक धर्म को दूसरे, एक भाषा को दूसरे से लड़ाने में लगे

हैं। उन्होंने देश का माहौल बिगाड़ दिया है। हमें देश को दूसरा रास्ता मोहब्बत, एकता व भाईचारे का रास्ता दिखाना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि यात्रा भले ही तीन हजार किलोमीटर चल चुकी है लेकिन पंजाब का हर किसान हमसे ज्यादा चलता है। राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा के दौरान उन्होंने किसानों, मजदूरों, बेरोजगारों समेत हर वर्ग से मुलाकात करके उनकी समस्याएं जानने का प्रयास किया है। यह भाषण सुनाने की यात्रा नहीं बल्कि लोगों की बात सुनने की यात्रा है। उन्होंने कहा कि आज देश के लोग कांग्रेस को एक विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

राष्ट्रपति भवन में 14, 21 और 28 जनवरी को नहीं होगा 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह

अजय कुमार

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड और बीटिंग रिट्रीट समारोह के मद्देनजर 14 जनवरी से 28 जनवरी के बीच तीन दिन राष्ट्रपति के रस्मी गार्डों की अदला-बदली का समारोह नहीं होगा। राष्ट्रपति भवन ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि गणतंत्र दिवस परेड और बीटिंग रिट्रीट समारोह की रिहर्सल के चलते 14 जनवरी

से 28 जनवरी (यानी 14 जनवरी, 21 और 28 जनवरी) के बीच राष्ट्रपति भवन के प्रांगढ़ में चेंज ऑफ गार्ड समारोह नहीं होगा।

खड़गे ने लाल बहादुर शास्त्री को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। खड़गे ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने कहा था ह्लमेरी समझ से प्रशासन का मूल विचार ये है कि समाज को एकजुट रखा जाए, ताकि वो विकास कर सके और अपने लक्ष्यों की तरफ बढ़ सके। खड़गे ने कहा कि जय जवान, जय किसान के उद्घोषक, महान गांधीवादी, पूर्व प्रधानमंत्री शास्त्री उनके आदर्श हैं। वह उन्हें नमन करते हैं।

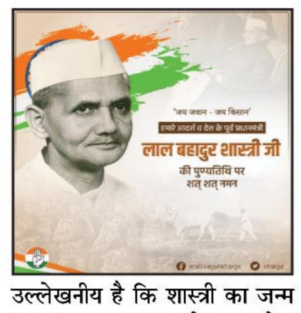

उल्लेखनीय है कि शास्त्री का जन्म 02 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश में हुआ था। शास्त्री का निधन 11 जनवरी, 1966 को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में हुआ था।

राकांपा नेता और पूर्व मंत्री हसन मुश्रीफ के घर पर ईडी का छापा

मुंबई, (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और पूर्व मंत्री हसन मुश्रीफ के पुणे स्थित घर और कोल्हापुर स्थित शक्कर कारखाने पर बुधवार सुबह छह बजे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मारा है। हसन मुश्रीफ के साझीदार चंद्रकांत गायकवाड़ के पुणे स्थित घर और कार्यालय पर भी ईडी ने दबिश दी है। कोल्हापुर स्थित कागल में राकांपा कार्यकर्ता ईडी की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। यहां पुलिस का तगड़ा बंदोबस्त किया गया है। छापेमारी के संदर्भ में अभी तक ईडी ने आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। ईडी के करीब 20 अधिकारी हसन मुश्रीफ के

शक्कर कारखाने और ब्रिक्स इंडिया कंपनी के कागजात की जांच कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश उपाध्यक्ष किरीट सोमैया ने हसन मुश्रीफ के अप्पासाहेब नलावड़े शक्कर कारखाने में 100 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप लगाते हुए ईडी से शिकायत की थी। हसन मुश्रीफ ने मुंबई में कहा है कि ईडी ने राजनीतिक दबाव में यह कार्रवाई की है।

मुख्य सचिव सोमेश कुमार की नियुक्ति पर सवाल, भाजपा-कांग्रेस केसीआर सरकार पर हमलावर

हैदराबाद, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय ने उच्च न्यायालय द्वारा राज्य के मुख्य सचिव सोमेश कुमार को आंध्र प्रदेश भेजे जाने से संबंधित दिये गये फैसले का हवाला देते हुए सोमेश कुमार को तुरन्त पद से हटाने की मांग की। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी कार्यालय श्याम प्रसाद मुखर्जी भवन से प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि प्रदेश सरकार को उच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हुए सोमेश कुमार को तुरन्त पद से हटाने की आवश्यकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर पर आरोप लगाते हुए कहा कि सीएम ने कभी कानून, संविधान, केंद्रीय नियमों का सम्मान नहीं किया, अपनी राजनीतिक आवश्यकताओं के लिये मनमानी की। उन्होंने मुख्यमंत्री पर अधिकारियों विशेषकर मुख्य सचिव को भी मोहरे की तरह इस्तेमाल करते हुए संविधान का खुले तौर पर उल्लंघन करने का आरोप लगाया। बंडी संजय ने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद वर्ष 2014 में सोमेश कुमार को आंध्र प्रदेश के लिए अलॉट किया गया था, लेकिन

वे इतने वर्षों तक अवैध रूप से तेलंगाना में बने रहे। उन्होंने कहा कि केसीआर ने अपने राजनीतिक लाभ के लिये ही सोमेश कुमार की मुख्य सचिव के रूप में नियुक्ति की। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस समिति (पीसीसी) अध्यक्ष व सांसद रेवंत चिन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पहले से ही कह रही है कि राज्य सरकार के मुख्य सचिव पद पर सोमेश कुमार की नियुक्ति गलत है और तेलंगाना उच्च न्यायालय ने भी इसी बात को दोहराया। उन्होंने सवाल किया कि एपी कैडर अधिकारी को तेलंगाना का सीएस बनाने के पीछे का मतलब क्या है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी सीएम केसीआर के 'वीर भक्तों' के रूप में काम कर रहे हैं। ऐसे अधिकारियों को ही केसीआर सरकार में महत्वपूर्ण पद से मिल रहे हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाए कि तेलंगाना राज्य के सभी मुख्य पदों पर बिहार के आईएएस व आईपीएस अधिकारी हैं। तेलंगाना के अधिकारियों को कोई प्राथमिकता वाले पद नहीं मिलते हैं। उच्च न्यायालय के फैसले के मद्देनजर कम से कम अब तेलंगाना अधिकारियों को मुख्य पदों पर काम करने का मौका दिया जाना चाहिए।

ई-संजीवनी: नौ करोड़ से अधिक लोगों को दिया गया टेली-परामर्श

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। स्वास्थ्य की 'संजीवनी' ई-संजीवनी के जरिये देशभर में नौ करोड़ से अधिक लोगों को टेली-परामर्श दिया गया। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने ट्वीट करके कहा कि ई-संजीवनी भारत की डिजिटल स्वास्थ्य यात्रा को पंख दे रही है। देश के दूरदराज के क्षेत्रों में भी डिजिटल रूप से रोगियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित कर रही है। राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन सेवा ई-संजीवनी तेजी से देश में लोकप्रिय हुई है। ई-संजीवनी को पूरे देश में रोगियों के साथ-साथ डॉक्टरों और

विशेषज्ञों द्वारा व्यापक रूप से अपनाया गया है। कोरोना काल में ई-संजीवनी बड़ा प्लेटफॉर्म बन कर उभरा।

इससे लोगों का कोरोना संक्रमण से बचाव, अस्पताल जाने के लिए यात्रा और थकान से मुक्ति मिली। ई-संजीवनी से लोगों को ऑन टाइम इलाज भी मिल रहा है।

भाजपा का 'आप' के खिलाफ पोस्टर बैनर अभियान

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बीते 6 जनवरी को एमसीडी के सदन में नवनिर्वाचित पार्षदों के शपथ ग्रहण के दौरान हुए जबरदस्त हंगामे और हाथापाई की तस्वीरें सामने आने के बाद, पूरे मामले को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। जहां भाजपा और आप द्वारा एक दूसरे को एमसीडी में हंगामे का जिम्मेदार बताया जा रहा है, वहीं बुधवार को दिल्ली भाजपा की प्रदेश इकाई के द्वारा दिल्ली में 16 अलग-अलग जगहों पर एक साथ आम आदमी पार्टी के खिलाफ पोस्टर बैनर अभियान के माध्यम से विरोध प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की गई। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने खुद तड़के सुबह आईटीओ पर भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर केजरीवाल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। मीडिया से बातचीत के दौरान वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि एमसीडी के सदन में आप नेताओं और पार्षदों के द्वारा जो गुंडागर्दी की गई है, उसके लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल माफी मांगे। इसी सिलसिले में आज हम विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। एमसीडी के सदन में हुए हंगामे में आप और भाजपा दोनों के पार्षदों के बीच हाथापाई की तस्वीरें सामने आई हैं। इसको लेकर सवाल किए जाने पर वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि सदन की तस्वीरें गौर से देखिए उसमें हंगामा करने वाले आप के पार्षद कुर्सी और टेबल उठाकर मारने और तोड़ने वाले भी आम आदमी पार्टी के गुंडे हैं। यहां तक कि पीठासीन अधिकारी से बदतमीजी कर माइक तोड़ने वाले भी आप के गुंडे है। अगर इन गुंडों का खिलाफ भाजपा कार्रवाई की मांग कर रही है तो क्या गलत कर रही है। उन्होंने कहा कि, भाजपा की शुरू से मांग रही है कि एमसीडी का सदन गरिमा और शांति के साथ चले। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एमसीडी के सदन को चलाने में सहयोग करें और यदि वह गुंडागर्दी करेंगे तो उसका जवाब तो भाजपा देगी ही। सदन में हंगामे को लेकर जो रिपोर्ट एलजी को भेजी गई है, उसके बाद जो भी निर्णय एलजी द्वारा लिया जाएगा उसका भाजपा स्वागत करेगी।

हिमाचल में सुक्खू कैबिनेट की पहली बैठक शुक्रवार को

– कर्मचारियों को मिल सकती है ओपीएस की सौगात

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के सत्तासीन होने के 35 दिन बाद कैबिनेट बैठक होने जा रही है। राज्य में सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार 13 जनवरी को दोपहर 12 बजे कैबिनेट की बैठक करेगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने बुधवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। तीन दिन पहले सुक्खू कैबिनेट में 07 मंत्रियों ने शपथ ली है। हालांकि अभी तक मंत्रियों में विभागों का आवंटन नहीं हुआ है। दिल्ली से शिमला लौटने पर मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा था कि मंत्रियों को जल्द विभाग आवंटित कर दिए जाएंगे। सुक्खू कैबिनेट में मंत्रियों के 03 पद रिक्त रखे गए हैं। नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक पर राज्य के विभिन्न वर्गों की निगाहें लगी हैं।

सूत्रों के मुताबिक पहली कैबिनेट में सुक्खू दो बड़े चुनावी वादों को पूरा करने का ऐलान कर सकते हैं। इसके अलावा भी कुछ बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। खासकर कर्मचारियों को बैठक में ओपीएस बहाली की घोषणा होने की आस है। मुख्यमंत्री स्पष्ट कर चुके हैं पहली कैबिनेट में राज्य कर्मचारियों को ओपीएस बहाली की बड़ी सौगात दी जाएगी। दरअसल चुनाव के दौरान कांग्रेस का ओपीएस बहाली का सबसे बड़ा वादा था। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने अपनी हर रैली में ऐलान किया था कि सरकार बनने के बाद पहली ही कैबिनेट में पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने का फैसला ले लिया जाएगा। कांग्रेस सरकार के इस फैसले से हिमाचल प्रदेश के करीब सवा लाख सरकारी कर्मचारियों को फायदा मिलेगा। इसके अलावा कांग्रेस ने पांच साल के अंदर पांच लाख युवाओं को रोजगार देने का वादा किया है। ऐसे में नौकरियों पर भी पहली कैबिनेट बैठक में फैसला लिया जा सकता है। अभी हिमाचल प्रदेश में 65 हजार सरकारी पद खाली हैं। कांग्रेस ने चुनाव के दौरान आधी आबादी यानी महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये और 300 यूनिट बिजली निःशुल्क देने का वादा किया है। इस पर भी कैबिनेट में चर्चा हो सकती है।

न्यायाधीश ने कहा, हाई कोर्ट को किसी भी कीमत पर न करें बदनाम

कोलकाता, (हि.स.)। कलकत्ता हाईकोर्ट में तृणमूल समर्थित वकीलों के लगातार विरोध प्रदर्शन और हंगामे को लेकर नाराज न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा ने बुधवार को महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने इसे तत्काल खत्म करने की अपील करते हुए कहा है कि भारत के सबसे प्राचीन कोर्ट की गरिमा को नष्ट न करें। इधर, सोमवार से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन बुधवार को खत्म हो गया लेकिन न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की एकल पीठ का बहिष्कार तृणमूल समर्थित वकीलों की ओर से लगातार तीसरे दिन भी जारी है। कोर्ट नंबर 13 में बहुत कम वकील जा रहे हैं। इसके पहले मंगलवार शाम न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा ने कोर्ट की अवमानना का रूल जारी किया था। इसके बाद बुधवार को विरोध प्रदर्शन नहीं हुए। मामलों की सुनवाई भी लगातार चल रही है। बताया गया है कि पिछले दो दिनों में करीब 500

मामलों की सुनवाई नहीं हो पाई है। इस बीच एक मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा ने बार एसोसिएशन के सचिव विश्वव्रत बसु मल्लिक को बुलाकर कहा कि आप लोगों से अनुरोध कर रहा हूं कि इस कोर्ट का जो सम्मान है उसे नष्ट न करें। केवल मेरे ही कोर्ट का नहीं बल्कि किसी भी न्यायाधीश के कोर्ट को लेकर इस तरह की घटना दोबारा न हो, यह सुनिश्चित करना होगा। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि आपके न्यायालय के सामने जिस तरह की घटना हुई है वह फिर कभी नहीं होगा लेकिन आपसे अनुरोध है कि दोनों पक्षों के वकीलों की गैरमौजूदगी में किसी भी मामले पर फैसला मत सुनाइएगा।

मोदी 19 जनवरी को मुंबई में 3 अस्पतालों सहित कई विकास योजनाओं का करेंगे उद्घाटन

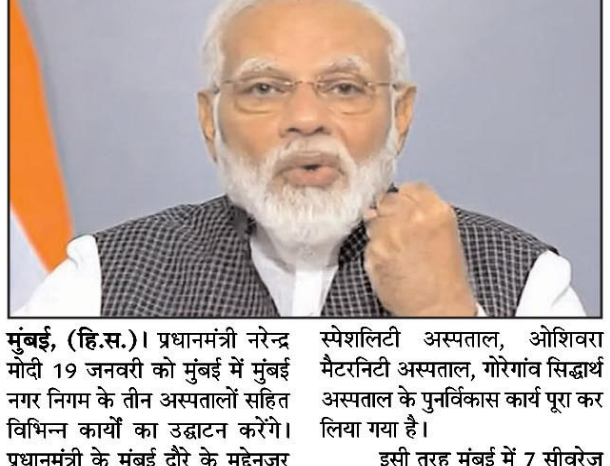

मुंबई, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 जनवरी को मुंबई में मुंबई नगर निगम के तीन अस्पतालों सहित विभिन्न कार्यों का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री के मुंबई दौरे के मद्देनजर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विशेष बैठक बुलाकर प्रशासन को तैयारियों के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार मुंबई नगर निगम के तीन अस्पतालों, सीवरेज प्लांट, सीमेंट की टूटी-फूटी सड़के, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जनवरी को करेंगे, साथ ही कुछ कार्य भी इस मौके पर प्रारंभ किए जाएंगे। मुंबई में मुंबई नगर निगम की चिकित्सा योजना के तहत भांडुप सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, ओशिवरा मैटरनिटी अस्पताल, गोरेगांव सिद्धार्थ अस्पताल के पुनर्विकास कार्य पूरा कर लिया गया है।

इसी तरह मुंबई में 7 सीवरेज प्लांट, सीमेंट क्रैक रोड के काम पूरे हो चुके हैं। साथ ही 1 हजार 750 करोड़ रुपये की लागत से मुंबई के सौंदर्यीकरण जैसे 500 से अधिक विभिन्न कार्य पूरे किए गए हैं। इसी तरह मुंबई में 26 हजार करोड़ का सीवरेज प्लांट का काम भी पूरा हो गया है। इन सभी विकास कार्यों के साथ प्रधानमंत्री, स्वनिधि योजना के तहत फेरीवालों को 10 हजार रुपये के ऋण समेत कुल 12 परियोजनाओं का भी उद्घाटन करने वाले हैं।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है केन्द्र सरकार : तोमर

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि केन्द्र सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है। सरकार ने वादा किया था कि गंगा किनारे रसायन मुक्त खेती कराई जाएगी। इस दिशा में व्यापक स्तर पर काम किए जा रहे हैं। तोमर ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि पहले चरण में गंगा किनारे पांच किलोमीटर के दायरे में रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के पहले चरण में चार राज्यों में गंगा नदी के किनारे 1.48 लाख हेक्टेयर में प्राकृतिक खेती शुरू की गई है। तोमर ने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने से मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा भी सुनिश्चित हो रही है। प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत देश भर में रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती आत्मनिर्भर कृषि को सशक्त बनाने और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में मददगार साबित हो रही है।

संकट में हर नागरिक के साथ खड़ी है सरकार : योगी

- दिवंगत वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर डीके गुप्ता व भोजपुरी गायक संतराज गोरखपुरी के परिजनों को मुख्यमंत्री ने दी पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने बुधवार को दिवंगत वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर डीके गुप्ता व सुपरिचित भोजपुरी गायक संतराज गोरखपुरी के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। मृतकों के परिजन उन्हें धन्यवाद दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार सुबह स्वर्गीय डीके गुप्ता व स्वर्गीय संतराज गोरखपुरी के परिजनों से गोरखनाथ मंदिर के अपने सभाकक्ष में मुलाकात की। शोक संवेदना जताने के साथ परिजनों को ढांढस भी बंधाया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने अपने विवेकाधीन कोष से पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता सम्बन्धी चेक प्रदान किया। साथ ही दोनों के परिवारों को आश्वस्त किया कि दुख और संकट की घड़ी में वह और उनकी सरकार हर वक्त साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने दोनों परिवारों के लोगों से आत्मीय संवाद किया और कहा कि किसी भी तरह की आवश्यकता होने पर वह उनसे संपर्क कर सकते हैं। वह सहयोग करने के लिए सदैव तत्पर हैं।

परिजनों ने कहा, "हमारे अभिभावक हैं महाराजजी" - मुख्यमंत्री से मिले इस संबल पर स्वर्गीय डीके गुप्ता की पत्नी कुसुम गुप्ता व संतराज गोरखपुरी की पत्नी बिंदु देवी भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि महाराज जी उनके लिए अभिभावक की तरह हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तीन दशक तक पत्रकारिता जगत में सक्रिय रहने वाले डीके गुप्ता (दिनेश कुमार गुप्ता) के निधन से पत्रकारिता जगत की अपूर्णीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने भोजपुरी गायक संतराज गोरखपुरी के निधन पर भी शोक व्यक्त किया और कहा कि अपनी संगीत साधना से संतराज गोरखपुरी ने भोजपुरी गायकी को विशिष्ट पहचान दी।

मुख्यमंत्री योगी ने की गोसेवा, गोवंश को खिलाया गुड़-चना - गुरु गोरखनाथ के पीठाधीश्वर योगी अदित्यनाथ ने बुधवार की शुरुआत हर बार की तरह गोसेवा से की। उन्हें गुड़ चना खिलाया और गुरुओं का आशीष लिया। गोरखनाथ मंदिर परिसर में प्रातः भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा की तरह मंदिर की गोशाला पहुंचे। गोवंश की सेवा करते हुए कुछ वक्त उनके बीच बिताया। उन्होंने अपने हाथों से गोमाता व गोवंश को गुड़-चना खिलाया। साथ ही गोशाला के कार्यकताओं को निर्देशित किया कि ठंड के इस मौसम में सभी गोवंश का विशेष ख्याल रखा जाए।

'गंगा विलास' नये भारत की शक्ति और सामर्थ्य का प्रतीक -मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने रिवर क्रूज गंगा विलास को नये भारत की शक्ति और सामर्थ्य का प्रतीक बताया है। इसके साथ ही कहा है कि रिवर क्रूज यात्रा एक भारत-श्रेष्ठ भारत में एकात्मता का नया अध्याय जोड़ेगी। इस गंगा विलास को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में 13 जनवरी को हरी झंडी दिखाएंगे। इस संबंध में बुधवार को सुबह योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 जनवरी को दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज 'गंगा विलास' को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। 'नए भारत' की गति, शक्ति और सामर्थ्य की प्रतीक यह रिवर क्रूज-यात्रा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' में एकात्मता के नए अध्याय जोड़ेगी। यह बता दें कि लग्जरी क्रूज भारत और बांग्लादेश के 5 राज्यों में 27 नदी प्रणालियों में 3,200 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगा। बयान में केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के हवाले से कहा गया है कि एमवी गंगा विलास भारत को दुनिया के नदी क्रूज मानचित्र पर लाएगा।

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कृतित्व को याद कर मनाई पुण्यतिथि

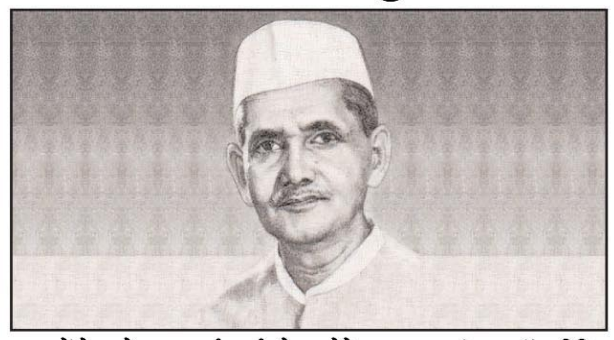

वाराणसी, (हि.स.)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 57वीं पुण्यतिथि बुधवार को मनाई गई। रामनगर स्थित पूर्व प्रधानमंत्री के आवास पर भारतीय जन जागरण समिति के बैनर तले जुटे सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सुंदरकांड का पाठ कर आयोजित संगोष्ठी में शास्त्री जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री की सादगी आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। किसानों से लेकर जवानों के प्रेरणा श्रोत रहे शास्त्री जी का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। उन्होंने राजनीति में रहकर कई आदर्श प्रस्तुत किए हैं। शास्त्री जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर वक्ताओं ने उनके अभूतपूर्व कार्य को याद कर राष्ट्र उत्थान का संकल्प भी लिया। अतिथियों का स्वागत समिति के अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव और आभार क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डॉ सुभाष यादव ने किया। गोष्ठी में प्रोफेसर श्रद्धानंद, डॉ रितिन श्रीवास्तव, नरेंद्र श्रीवास्तव, बागेश्वरी प्रसाद, महेंद्र, रामलाल, पंच बहादुर कोरी, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, संतोष कुमार सिंह आदि की उपस्थिति रहे।

'मुक्ति' के लिए तरस रही हैं मोक्षदायिनी गंगा : हरिचैतन्य ब्रह्मचारी

- प्रयागराज माघ मेले में गंगा प्रदूषण पर होने लगी परिचर्चा

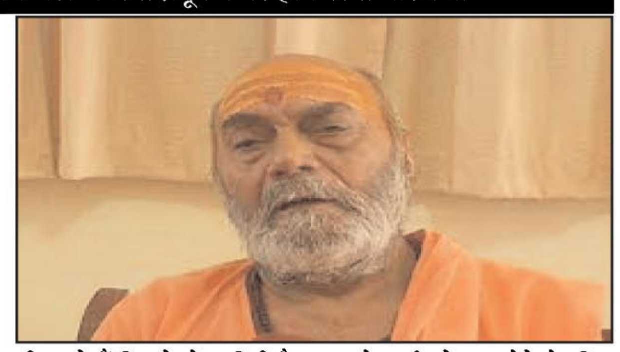

प्रयागराज, (हि.स.)। कैवल्य धाम के पीठाधीश्वर और टीकरमाफी आश्रम के प्रमुख स्वामी हरिचैतन्य ब्रह्मचारी का कहना है कि मोक्षदायिनी गंगा आज स्वयं की मुक्ति मांग रही है। गंगा को स्वयं गंगाजल की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र नदी के अस्तित्व को बचाने के लिए टिहरी बांध से कम से कम दस हजार क्यूसिक पानी गंगा में छोड़ना ही होगा। तीर्थराज प्रयाग में प्रत्येक वर्ष जैसे ही माघ मेला अथवा कुंभ मेले की शुरूआत होती है, गंगा के प्रदूषण को लेकर साधु-संतों और श्रद्धालुओं के बीच तरह-तरह की चचाएं प्रारम्भ हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला भी स्नानार्थियों को स्वच्छ गंगाजल उपलब्ध कराने के लिए सक्रिय हो जाता है। हाई कोर्ट से भी बीच-बीच में निर्देश आने लगते हैं और मेला पर्यंत गंगाजल की स्वच्छता की जांच होने लगती है। गंगा की निर्मलता और अविरलता को लेकर स्वामी हरिचैतन्य ब्रह्मचारी पिछले करीब तीन दशक से संघर्षरत हैं। इसके लिए जनजागरुकता से लेकर अदालत की चौखट तक उनका प्रयास जारी रहता है। हाई कोर्ट में उन्होंने पीआईएल भी दायर कर रखा है। माघ मेले में काली सड़क की उत्तरी पटरी पर स्वामी हरिचैतन्य ब्रह्मचारी का शिविर लगा है। दिन में अधिक समय तक कल्पवासियों और श्रद्धालुओं का जमघट उनके पास रहता है और विभिन्न धार्मिक मुद्दों पर उनसे चचाएं होती रहती हैं। इस दौरान गंगा के प्रदूषण का विषय आते ही वह कुछ ज्यादा ही चिंतित हो उठते हैं। स्वामी जी कहते हैं कि जो मोक्षदायिनी है, वह आज स्वयं की ही मुक्ति के लिए तरस रही है। अपनी बात आगे बढ़ाते हुए स्वामी हरिचैतन्य ब्रह्मचारी एकाएक सहमते हैं और कहते हैं कि कोरोना काल ही बेहतर था। उस समय गंगा मइया एकदम स्वच्छ हो गई थीं, अविरल प्रवाह था, गंगा-यमुना का संगम स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहा था, लेकिन जैसे ही लाकडाउन खत्म हुआ टेनरियां फिर चलने लगीं, नालों में प्रदूषण का अंश बढ़ने लगा और मां गंगा पुनः मलीन हो गईं। एक श्रद्धालु के सवाल पर स्वामी जी ने कहा कि नमामि गंगे परियोजना शुरू होने से लोगों में जागरुकता अवश्य आई है। सरकारी मशीनरी भी सक्रिय हुई है, लेकिन केवल परियाजनाओं से ही गंगा निर्मल नहीं होंगी। वह कहते हैं, जब गंगा में गंगाजल ही नहीं होगा तो उनमें स्थाई अविरलता कैसे आएगी? उन्होंने कहा कि गंगोत्री से निकलने के बाद प्रयागराज तक पहुंचने से पहले ही गंगा को कई जगह बांध बनाकर बंधक बना लिया गया है। उत्तराखंड में ही आधे दर्जन से अधिक बांध और बैराज बनाकर गंगा के प्रवाह को रोक लिया गया है। अपने तर्क को बल देने के लिए वैदिक शास्त्रों के कुछ उद्धरण प्रस्तुत करते हुए स्वामी जी आगे कहते हैं कि गंगा में स्वयं गंदगी साफ करने की अद्भुत क्षमता है। आज के वैज्ञानिकों ने भी सिद्ध किया है कि इस नदी के जल में बैक्टीरियोफेज नामक विषाणु होते हैं, जो हानिकारक जीवाणुओं एवं अन्य सूक्ष्मजीवों को जीवित नहीं रहने देते हैं। वह जोर देकर कहते हैं कि यदि टिहरी बांध से दस हजार क्यूसिक पानी गंगा में छोड़ दिया जाये तो यह पवित्र नदी अपनी अविरलता को स्वतः प्राप्त हो जाएगी। उनका यह भी सुझाव है कि गंगा में जो गंदे नाले और टेनरियों का प्रदूषित जल प्रवाहित होता है, उसे शोधित करके उसका उपयोग सिंचाई के काम में लिया जा सकता है। यह पानी सिंचाई कार्य में काफी फायदेमंद साबित होगा। स्वामी हरिचैतन्य ब्रह्मचारी कहते हैं कि गंगा का प्रवाह क्षेत्र उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में है। केंद्र सरकार यदि सभी संबंधित राज्यों के साथ समन्वय बनाकर नियमित इस दिशा में कार्य करे तो गंगा को निर्मल बनाने का कार्य काफी आसान हो जाएगा।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में छात्रों ने किया प्रदर्शन, छात्रसंघ चुनाव की मांग

वाराणसी, (हि.स.)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में छात्रसंघ चुनाव करवाने की मांग को लेकर छात्रों के एक गुट ने बुधवार को पंत प्रशासनिक कार्यालय के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। कार्यालय के मुख्य गेट सहित संकायों में ताला जड़कर प्रदर्शन कर रहे छात्रों की कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी से भी नोकझोंक हुई। सूचना पर प्राक्टोरियल बोर्ड के जवानों के साथ सिगरा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। काशी विद्यापीठ प्रशासन ने पिछले दिनों छात्रसंघ चुनाव की घोषणा की थी। बाद में इसे स्थगित कर दिया गया। इसी बात को लेकर छात्रसंघ चुनाव लड़ने वाले भावी प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में नाराजगी है। छात्रनेता प्रतीक और गौरव सिंह ने बताया कि काशी विद्यापीठ प्रशासन ने सात जनवरी को नामांकन व 17 जनवरी को मतदान कराने का एलान किया था। विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह के बाद विद्यापीठ ने सात जनवरी तक शीतावकाश घोषित कर दिया। छुट्टी के बाद विश्वविद्यालय नौ जनवरी को खुला। अब कुलपति से छात्रसंघ चुनाव की तिथि मांगी गई थी, लेकिन उन्होंने नहीं दी। उल्लेखनीय है कि काशी विद्यापीठ में छात्रसंघ चुनाव की तिथि घोषित करने की मांग को लेकर छात्रों के एक गुट ने बीते सोमवार को उग्र प्रदर्शन किया था। इस दौरान एक छात्र ने चीफ प्राक्टर प्रो. अमिता सिंह के वाहन पर पथराव भी किया था। इससे चीफ प्राक्टर की गाड़ी का पिछला शीशा टूट कर चकनाचूर हो गया। संयोग ही था कि चीफ प्राक्टर प्रो. अमिता सिंह को चोट नहीं लगी, लेकिन उनके सुरक्षाकर्मी चोटिल हो गए। इस मामले में काशी विद्यापीठ प्रशासन ने एमए (मास काम) के प्रतीक गुप्ता को नोटिस दिया है। साथ ही 15 दिनों के लिए परिसर प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

सिंचाई विभाग के 38 से ज्यादा सहायक अभियंता बनेंगे अधिशासी अभियंता

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के 38 से ज्यादा सहायक अभियंता प्रोन्नत होकर अधिशासी अभियंता बनेंगे। 2008 बैच के सहायक अभियंताओं को प्रोन्नति देकर अधिशासी अभियंता की जिम्मेदारी देने की पूरी तैयारी विभाग द्वारा हो गयी है। प्रोन्नति से जुड़ी फाइल पर नेतृत्व के हस्ताक्षर ही बच गया है। जलशक्ति विभाग के मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने नव वर्ष 2023 में जल निगम के अभियंताओं को प्रोन्नति का उपहार दिया है। मंत्री की घोषणा के बाद विभागीय अधिकारियों ने प्रोन्नति से जुड़े दस्तावेजों की दो फाइलें तैयार कर ली, जिन पर अंतिम मोहर लगनी है। इसी में सिंचाई विभाग के सहायक अभियंताओं की फाइल भी टेबल पर है। प्रोन्नति को लेकर अंतिम चरण को बीते वर्ष दिसम्बर माह में पूरा कर लिया गया था, बावजूद इसके नव वर्ष तक ये खुशखबरी आनी शेष रखी गयी। सहायक अभियंताओं के समूह की ओर से बीते वर्ष 2022 में प्रोन्नति के लिए कई प्रयास हुए। इसको लेकर विभागाध्यक्षों से भी उनकी मुलाकातें हुईं। पूर्णतया प्रयास करने वाले अभियंताओं की माने तो सीधे तौर पर प्रोन्नति के मामले में उनकी बात सुनी गयी है और तभी ये प्रक्रिया कागज पर शुरू हो सकी। नये वर्ष में सिंचाई विभाग के विभागाध्यक्ष बने एनसी उपाध्याय ने कुर्सी पर बैठने के साथ ही अभियंता, कर्मचारी व विभाग के हित में कार्यों को करने के संकेत दे दिये थे। वहीं जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने अपने बयान में कहा है कि विभागीय कार्यों में आने वाले कठिनाई के दौरान कोई भी अधिकारी किसी भी वक्त उनसे सम्पर्क कर सकता है। आवश्कता अनुसार वह प्रयास को सफल बनाने में पूरा सहयोग करेंगे।

बकाएदारों के आवंटन रद्द कर भूखंड अपने कब्जे में लेगा प्राधिकरण: रितु माहेश्वरी

ग्रेटर नोएडा, (हि.स.)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का बकाया भुगतान जमा नहीं करने वाले आवंटियों के भूखंड आवंटन जल्द ही रद्द किए जाएंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने संपत्ति से जुड़े सभी विभागों की समीक्षा कर आवंटन शीघ्र रद्द करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अब तक जिन आवंटियों के भूखंड आवंटन निरस्त हुए हैं, उन भूखंडों पर तत्काल कब्जा प्राप्त कर नई स्कीमों के जरिए आवंटित करने को भी *कहा* है। सीईओ रितु माहेश्वरी ने मंगलवार को औद्योगिक, संस्थागत, आईटी, बिल्डर और वाणिज्यिक विभाग की समीक्षा की। प्राधिकरण का बकाया न जमा करने वाले आवंटियों के आवंटन रद्द करने के निर्देश पूर्व में भी दिए थे, उसके बाद से अब तक कितने आवंटन रद्द किए गए हैं, सीईओ ने इसकी भी जानकारी ली। बकाएदारों के खिलाफ अब तक की कार्रवाई से असंतुष्टि जाहिर करते हुए सीईओ रितु माहेश्वरी ने विभागाध्यक्षों को कड़ी फटकार लगाई। सीईओ ने बिल्डर विभाग से कहा कि बकाया भुगतान न देने वाले बिल्डरों की सभी अनसोल्ड प्रॉपर्टी जब्त करें। उनसे बकाया धनराशि की रिकवरी करें। अगर प्लॉट पर निर्माण नहीं हुआ है तो आवंटन रद्द कर कब्जा प्राप्त कर लें। इसी तरह जो उद्यमी उद्योग लगाने के नाम पर भूखंड लेकर बैठे हैं। उद्योग लगाने की समय सीमा बीत चुकी है। प्राधिकरण का बकाया भी नहीं जमा कर रहे हैं। उनका आवंटन

रद्द कर उन भूखंडों को नई योजनाओं में शामिल करें, ताकि उनका नए सिरे से आवंटन हो सके। वहां उद्योग लग सकें और लोगों को रोजगार के अवसर मिलें। सीईओ ने बोर्ड से अप्रूव्ड री-शेड्यूलमेंट पॉलिसी का कार्यालय आदेश शीघ्र जारी कर लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा है कि अगर बकाएदार री-शेड्यूलमेंट पॉलिसी के अंतर्गत भी आवेदन नहीं कर प्राधिकरण का बकाया भुगतान नहीं करते हैं तो उनका आवंटन तत्काल निरस्त कर दिया जाए। सीईओ ने ग्लोबल इनवेस्टर समिट के लिए हुए एमओयू की भी समीक्षा की। सभी विभागों को और अधिक एमओयू कराने के निर्देश दिए। साथ ही इन एमओयू को अब निवेश में कनवर्ट कराने के लिए भी कहा है। बैठक के दौरान एसीईओ अदिति सिंह, प्रेरणा शर्मा, अमनदीप डुली व आनंद वर्धन, ओएसडी सौम्य श्रीवास्तव, जीएम वित्त विनोद कुमार, ओएसडी संतोष कुमार व ओएसडी नवीन कुमार सिंह सहित सभी वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

झारखंड में सुखाड़ का जायजा लेने रांची पहुंची केंद्रीय टीम

रांची, (हि.स.)। राज्य में सूखा का जायजा लेने के लिए केन्द्रीय टीम पहुंची है। टीम नेपाल हाउस स्थित कृषि विभाग के वरीय अधिकारियों और कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री बादल पत्रलेख से मुलाकात की। केंद्रीय टीम ने सूखे को लेकर विस्तृत चर्चा की। कृषि विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक केंद्रीय टीम को राज्य सरकार की तरफ से एक रिपोर्ट भी सौंपी जायेगी। भारत सरकार की संयुक्त सचिव एस रुक्मणि ने बताया कि राज्य सरकार से जानकारी लेकर 13 जनवरी तक केंद्रीय टीम झारखंड के विभिन्न प्रखंडों का जायजा लेगी। इसके बाद यह आकलन किया जाएगा कि राज्य सरकार की तरफ से जिन क्षेत्रों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है, वहां की स्थिति क्या है। दिल्ली से आयी इस टीम में 10 सदस्य हैं। इसमें डॉ मान सिंह, नीति आयोग के एससी मीणा, निदेशक करण चौधरी, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सलाहकार डी राजशेखर, पशुपालन विभाग के निदेशक वीआर ठाकरे, ग्रामीण विकास के डिप्टी सेक्रेटरी यूके नैयर, जल संसाधन विभाग के निदेशक प्रमोद नारायण, डिपार्टमेंट ऑफ एक्सपेंडिचर के निदेशक महेश कुमार, खादी एवं जन वितरण विभाग के सहायक निदेशक बृजमोहन सिंह शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि साल 2022 में कम बारिश होने की वजह से राज्य में सूखा की स्थिति बन गई थी। बारिश नहीं होने के कारण किसानों को काफी नुकसान हुआ है। इसी को देखते हुए राज्य सरकार की तरफ से किसान परिवार को सहायता राशि के रूप में 3500 रुपये प्रति किसान परिवार को मुहैया कराया जा रहा है।

राज्य सरकार ने पूर्वी सिंहभूम और सिमडेगा को छोड़कर झारखंड के 22 जिलों के 226 प्रखंड सूखाग्रस्त घोषित किया है। राज्य सरकार ने केंद्र से सूखा राहत सहायता मद से नौ हजार करोड़ की मांग की है।

झारखंड हाई कोर्ट में राहुल गांधी मामले की सुनवाई 18 जनवरी को

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में बुधवार को भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस के वर्ष 2019 के अधिवेशन में टिप्पणी करने से जुड़े चाईबासा कोर्ट में दर्ज केस को निरस्त करने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दाखिल याचिका की सुनवाई हुई। मामले में प्रतिवादी भाजपा नेता प्रताप कुमार की ओर से प्रतिशपथ पत्र दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय की मांग की गई। कोर्ट ने सुनवाई की तिथि 18 जनवरी निर्धारित की है। दरअसल, यह मामला राहुल गांधी द्वारा वर्ष 2019 में कांग्रेस के अधिवेशन में तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी करने से जुड़ा है। राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारे को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

यह भाजपा में ही संभव है। इसे लेकर भाजपा नेता प्रताप कुमार ने चाईबासा कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायतवाद दर्ज कराई थी, जिस पर चाईबासा कोर्ट ने संज्ञान ले लिया था। इसी संज्ञान आदेश को राहुल गांधी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है। शिकायतकर्ता भाजपा नेता प्रताप कुमार ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करते हुए कहा है कि अमित शाह के खिलाफ जितने भी केस थे, उनमें वे बरी हो चुके हैं। ऐसे में राहुल गांधी की ओर से कैसे ऐसा स्टेटमेंट दिया गया है।

दुनिया का सबसे लंबा रिवर क्रूज 23 जनवरी को पहुंचेगा झारखंड के साहिबगंज

रांची, (हि.स.)। दुनिया का सबसे लंबा भारतीय क्रूज 23 जनवरी की शाम साहिबगंज पहुंचेगा। यहां पर्यटक रात्रि विश्राम करेंगे और फिर सुबह अपने गंतव्य के लिए रवाना हो जाएगा। क्रूज के पर्यटकों के लिए साहिबगंज में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। साहिबगंज उपायुक्त रामनिवास यादव ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा बंदोबस्त सहित अन्य तैयारी की गई हैं। इसे लेकर पदाधिकारियों के साथ उन्होंने समदा बंदरगाह के पास सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डीसी ने बताया कि 23 जनवरी रात में साहिबगंज में रुकने के बाद क्रूज पर उपस्थित मेहमानों के लिए स्थानीय कल्चरल एक्टिविटीज के कार्यक्रम भारत सरकार से अनुमति मिलने के बाद किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 जनवरी को वाराणसी से हरी झंडी दिखाकर रिवर क्रूज को रवाना करेंगे। वह 51 दिनों में अपनी यात्रा पूरी कर डिब्रूगढ़ पहुंचेगा। एक्सपर्ट का मानना है कि यह क्रूज भारत के लिए रिवर क्रूज पर्यटन के एक नए युग की शुरूआत करेगा। यह बिहार में पटना, झारखंड में साहिबगंज, पश्चिम बंगाल में कोलकाता, बांग्लादेश में ढाका और असम में गुवाहाटी जैसे प्रमुख शहरों सहित 50 पर्यटन स्थलों की यात्रा करेगा। एमवी गंगा विलास शिप 62 मीटर लंबी और 12 मीटर चौड़ी है। इसमें तीन डेक हैं और 36 पर्यटकों की क्षमता वाले 18 सुइट्स हैं, जिनमें सभी सुविधाएं हैं। क्रूज की पहली यात्रा में स्विट्जरलैंड के 32 पर्यटक वाराणसी से डिब्रूगढ़ की यात्रा का आनंद उठाएंगे। डिब्रूगढ़ में एमवी गंगा विलास के आगमन की अपेक्षित तारीख एक मार्च, 2023 निर्धारित है।

जलालगढ़ रेलवे स्टेशन पर कोयला के पॉल्यूशन से मिलेगी निजात : सीनियर डीएमई

कटिहार, (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के कटिहार जोगबनी रेलखंड में जलालगढ़ स्टेशन पर कोयला की लोडिंग से हो रही पॉल्यूशन की समस्या से निजात पाने के लिए रेल प्रशासन ने एक अनोखा तरीका ढूंढ निकाला है। कटिहार रेलमंडल में इसका अभी ट्रायल किया जा रहा है और यदि यह फामूर्ला सफल रहा तो यकीनन जल्द हीं जलालगढ़ फिर से प्रदूषण मुक्त हो जाएगा और वहां के स्थानीय निवासी चैन की सांसे ले सकेंगे। इस संदर्भ में विशेष जानकारी देते हुए कटिहार रेल मंडल के सीनियर डीएमई अमरनाथ झा ने मंगलवार देर शाम बताया कि स्थानीय लोगों की शिकायत पर जलालगढ़ रैक प्वाइंट पर कोयला के डस्ट से हो रहे भारी प्रदूषण की समस्या रेल प्रशासन के संज्ञान में आते ही रेल प्रशासन यात्रियों की स्वास्थ, सुरक्षा और सुविधा के मद्देनजर अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए इसके निजात में जुट गया। एनएफआर के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता के निर्देश पर कटिहार मंडल रेल प्रबंधक कर्नल सुभेंदु कुमार चौधूरी के नेतृत्व में पोलूशन से निपटने के लिए एक ट्रायल किया गया। इस दौरान लगभग 10 लाख रुपए की लागत से रैक प्वाइंट सहित उक्त रेल परिसर को ग्रीन नेट से घेरते हुए अन्य कित्रीम तकनीकों के तहत उपाय किए गए। जिससे कोल आदि लोडिंग के समय डस्ट ना उड़े और लोगो को पॉल्यूशन का सामना ना करना पड़े। रेल प्रशासन का कोयला डस्ट से निजात का प्रयोग 50 प्रतिशत से अधिक सफल भी रहा है। जलालगढ़ रेलवे स्टेशन के आस पास के निवासी अब बड़ी आराम से रेल परिसर में घूम रहे हैं। वही स्टेशन मास्टर सहित अन्य रेलकर्मी बिना मास्क के भी अपने ड्यूटी आसानी से कर सकते है। कटिहार रेलमंडल ने अभी इस फामूर्ला का ट्रायल कर रहा है और यह प्रयोग पूरी तरह से सफल रही तो एनएफ रेलवे के बथनाहा, किशनगंज सहित अन्य स्टेशनों पर भी इस तरह की उपाय कर जल्द ही लोगों को प्रदूषण से निजात मिल जाएगा। रेलवे के इस ट्रायल मात्र से स्थानीय लोगों को काफी राहत मिली है। जिससे स्थानीय लोगों में हर्ष का माहौल है।

नवादा पुलिस ने अपहरण कर बेची गई किशोरी को राजस्थान से किया बरामद, 3 गिरफ्तार

नवादा, (हि.स.)। जिले में धमौल ओपी थाना क्षेत्र के तुर्कवन गांव की किशोर को पुलिस ने बरामद कर लिया है। नवादा पुलिस ने किशोरी को राजस्थान के कोटा शहर से सकुशल बरामद किया । पकरीबरावां के एसडीपी ओ महेश चौधरी के निदेर्शों के आलोक में एक पुलिस टीम राजस्थान जा कर अगवा किशोरी को बरामद कर ली। साथ ही एक महिला समेत तीन लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर गहन पूछताछ में जुट गई है। परिजनों ने बताया कि उसे अगवा कर बेच दिया गया था।एसडीपीओ महेश चौधरी ने बताया कि पुलिस किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया है। मौके से एक महिला समेत तीन लोगों को हिरासत में भी लिया गया है, सभी गिरफ्तार लोगो से पूछ ताछ चल रही है। जांच के बाद ही विशेष जानकारी दी जाएगी।

क्या है पूरा मामला... - बीते 8 अक्टूबर को कोचिंग के लिए तुर्कवन से धमौल बाजार को निकली शिक्षक रविंद्र चौधरी की 16 वर्षीय पुत्री संध्या भारती अचानक से लापता हो गई थी। काफी खोजबीन के बाद जब कोई अता पता नहीं चला तब दो दिन बाद उसके पिता द्वारा धमौल ओपी में किशोरी के अगवा होने की प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी, जिसमें गांव के ही आजाद कुमार, मंती देवी, मनोज चौधरी एवं संजय चौधरी को आरोपित किया गया था। पुलिस दबिश के कारण मुख्य आरोपी आजाद ने 22 नवंबर को थाना में सरेंडर कर दिया गया था।

बिहार के बक्सर में पुलिस की बर्बरता से उग्र हुए किसान, तोड़फोड़ और आगजनी की

पटना, (हि.स.)। बिहार के बक्सर जिले के चौसा थर्मल पावर प्लांट की अधिग्रहित भूमि के उचित मुआवजे की मांग को लेकर चल रहा किसानों का प्रदर्शन बुधवार को उग्र हो गया। ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर पुलिस और पावर प्लांट पर टूट पड़े। पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। मुआवजे की मांग को लेकर पिछले दो महीने से शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे किसानों के घर में मंगलवार आधी रात घुसकर पुलिस ने महिलाओं-बच्चों की बर्बरतापूर्ण पिटाई की। इसके बाद

किसान उग्र हो गए। किसानों ने पुलिस की गाड़ियों को तोड़फोड़ कर आग के हवाले कर दिया। एसजेवीएन के गेट पर भी आग लगा दिया। इसके बाद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने करीब छह राउंड हवाई फायरिंग की। दोनों तरफ से जमकर पत्थरबाजी हो रही है।

संपादकीय

कई और जोशीमठ भी हैं

उत्तराखंड के जोशीमठ शहर में जो दिख रहा है, वह कई तरह के आपातकाल और विध्वंसकाल की चेतावनी है। भू-स्खलन हो रहा है। ग्लेशियर पिघल कर स्थान बदल रहे हैं और मलबे-मिट्टी के पहाड़ों पर शहर बसे हैं। ज़िंदगी और दुनिया आबाद है, लेकिन अब लोग बेघर हो रहे हैं। जोशीमठ में 678 घर खतरनाक स्थिति में हैं, लिहाजा खाली कराए जा रहे हैं। अभी तक 81 मकान खाली कराए जा चुके हैं, सिलसिला जारी है और उनमें रहने वालों को शिफ्ट किया जा रहा है। ज़िंदगी विस्थापित हो रही है। यह अनुभव चार दशक पहले भी भयावह और असुरक्षित था और आज भी त्रासदी के मुहाने पर है। तब भू-वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों ने जो रपटें सरकार को दी थीं, वे कहीं धूल फांक रही होंगी, क्योंकि निर्माण, बुनियादी ढांचे, सुरंगें, राष्ट्रीय राजमार्ग और रेल लाइन आदि के जरिए विकास के बिम्ब उभारना सरकार की योजनाओं में शामिल था। बीते कुछ अंतराल में गढ़वाल हिमालय में जो आर्थिक

और मानवीय नुकसान सामने आए हैं, उनसे साफ हो गया था कि ऐसे विकास में सरकार को पर्यावरण संबंधी खामियाजा भुगतना पड़ेगा, जीडीपी का भारी पतन होगा, लेकिन पहाड़ों का छलनी किया जाना, विस्फोटों से सुरंग बनाना, पहाड़ को क्षत-विक्षत कर रेलवे लाइन बिछाना और पनबिजली तथा खनन माफिया की मुनाफाखोरी जारी रही। आज खौफनाक मंजर सामने दिख रहा है। जोशीमठ का महत्त्व सांस्कृतिक, पौराणिक, आध्यात्मिक और सामरिक है। सिर्फ 40 किलोमीटर की दूरी पर चीन की सीमा है। इसे भगवान विष्णु का दूसरा घर माना जाता था। आदि शंकराचार्य ने भारत में हिंदुत्व के जो चार मठ स्थापित किए थे, उनमें से एक 'ज्योतिर्मठ' इसी शहर का प्राचीन नाम था। विष्णु अवतार नरसिंह भगवान भी अपना गुस्सा शांत करने इसी पहाड़ पर आए थे। लोग उनके मंदिर में पूजा करते हैं। आज शिवलिंग भी खंडित हो गया है, लिहाजा श्रद्धालु उसे देखकर रो रहे हैं और किसी अनिष्ट की कल्पना से कांप रहे हैं। उत्तराखंड के मुख्य सचिव ने खाली हो चुके और दरारों से फटे मकानों को ध्वस्त करने के आदेश भी दे दिए हैं। जो आशियाने थे, वे अब मलबा हो जाएंगे। सिर्फ जोशीमठ ही नहीं, राज्य के अन्य 70 स्थानों और गांवों के लोगों ने भी घरों, ज़मीन में दरारों की शिकायतें की हैं। टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमौली जिलों के हालात भी जोशीमठ सरीखे हो सकते हैं। वहां भी पहाड़ को छिन्न-भिन्न किया गया है। कुल 35,000 परिवारों पर अचानक संकट आ पसरा है। किस-किस पहाड़ी स्थल को ध्वस्त करेंगे, खाली कराएंगे और मलबे-मिट्टी में तबदील होता देखते रहेंगे? कमोबेश सभी पहाड़ों को छलनी किया जा रहा है। पहाड़ों पर अप्रत्याशित, अवांछित बोझ है। विकास के नाम पर पहाड़ों को चीर-चीर कर 'महानगरीय' बनाने की भूख पहाड़ों को ज़िंदा कहां रहने देगी? दरअसल 'ग्लोबल क्लाईमेट रिस्क इंडेक्स, 2020' में भारत का स्थान पांचवां है। इससे भारत बेहद असुरक्षित और आघात-योग्य देशों की जमात में आ गया है। तब भयभीत होकर भारत सरकार ने 2070 तक 'शून्य कार्बन उत्सर्जन' का लक्ष्य घोषित किया है। यानी सरकार जलवायु परिवर्तन के खतरे भांप और आंक रही है। नीति आयोग और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सरीखे संवैधानिक संगठन अपनी-अपनी रपटों में आगाह कर चुके हैं कि पहाड़ों पर जो अतिक्रमण, ड्रिल निर्माण किए जा रहे हैं, विकास के नाम पर सुरंगें और राजमार्ग बनाए जा रहे हैं, उनके कारण एक दिन पहाड़ पर जीवन ही समाप्त हो सकता है। इससे बड़ी और खौफनाक चेतावनी और क्या हो सकती है?

> आज खौफनाक मंजर सामने दिख रहा है। जोशीमठ का महत्त्व सांस्कृतिक, पौराणिक, आध्यात्मिक और सामरिक है। सिर्फ 40 किलोमीटर की दूरी पर चीन की सीमा है। इसे भगवान विष्णु का दूसरा घर माना जाता था। आदि शंकराचार्य ने भारत में हिंदुत्व के जो चार मठ स्थापित किए थे, उनमें से एक 'ज्योतिर्मठ' इसी शहर का प्राचीन नाम था। विष्णु अवतार नरसिंह भगवान भी अपना गुस्सा शांत करने इसी पहाड़ पर आए थे। लोग उनके मंदिर में पूजा करते हैं। आज शिवलिंग भी खंडित हो गया है, लिहाजा श्रद्धालु उसे देखकर रो रहे हैं और किसी अनिष्ट की कल्पना से कांप रहे हैं। उत्तराखंड के मुख्य सचिव ने खाली हो चुके और दरारों से फटे मकानों को ध्वस्त करने के आदेश भी दे दिए हैं। जो आशियाने थे, वे अब मलबा हो जाएंगे। सिर्फ जोशीमठ ही नहीं, राज्य के अन्य 70 स्थानों और गांवों के लोगों ने भी घरों, ज़मीन में दरारों की शिकायतें की हैं।

बोध कथा

समर्पण का भाव ही भक्ति का रास्ता दिखाता है

मनुष्य और अन्य सृजित प्राणी अनेक प्रकार के कार्य करते हैं। उनकी अंतिम क्रिया प्रपत्ति या पूर्ण समर्पण है। यह समर्पण परमात्मा के प्रति है। भक्ति का पंथ प्रपत्ति पर आधारित है। इस दिव्य खेल में परम पुरुष का दिव्य नाटक है। इसमें परम पुरुष जो भूमिका सौंपते हैं, उसके हिसाब से काम करना होता है। नाटककार कभी-कभी कठिन दृश्य उपस्थित कर देता है। ऐसा ही एक दृश्य पांडवों के हाथों कौरवों की हार के बाद सामने आया। धृतराष्ट्र, गांधारी और अन्य युद्ध के मैदान में पहुंच चुके थे। उनके सामने भगवान कृष्ण, पांच पांडव भाई और उनकी मां थीं। दोनों पक्षों की आंखों से आंसू बह रहे थे। कृष्ण गांधारी को सांत्वना देते हुए समझाने लगे, 'मां, तुम आंसू क्यों बहा रही हो? यह दुनिया का नियम है। जो आता है, वह जाता है।' गांधारी ने कहा, 'कृष्ण, जब दूसरे विलाप करते हैं, तो उसे सांत्वना देना आसान है। पर जब कोई खुद दुखी हो, तो सांत्वना के शब्द उसे और दुखी करते हैं।' कृष्ण चुप रहे। गांधारी ने फिर कहा, 'आपने अपने नाटक में कौरवों और पांडवों को अलग-अलग निश्चित भूमिका सौंपी है। आप मेरे पुत्रों को सदाचारी की भूमिका सौंप सकते थे। आपने इस तरह अपना पक्षपात दिखाने का विकल्प क्यों चुना?' कृष्ण के लिए इस प्रश्न का उत्तर देना कठिन था। यह कृष्ण के खिलाफ उनकी शिकायत थी। कृष्ण को चुप रहना पड़ा। तथ्य यह है कि परम पुरुष के लिए सभी सृजित प्राणी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, ठीक वैसे ही जैसे एक हाथ की दस उंगलियां होती हैं। वह जैसा चाहे वैसा उन्हें नचा सकता है। यह उनका एकमात्र विशेषाधिकार है। पर गांधारी पर उनका दुख भारी था। उन्होंने कहा, 'कृष्ण, आपको मुझे श्राप देने की अनुमति देनी होगी।' गांधारी ने जारी रखा, 'जिस तरह मेरे सभी पुत्र मेरी आंखों के सामने मर गए, उसी तरह आप अपनी आंखों के सामने अपने पूरे वंश को नष्ट होते देखेंगे।' कृष्ण ने पुष्टि में कहा, ऐसा ही होने दो। यह परम पुरुष का खेल है। लेकिन व्यावहारिक दुनिया में हमेशा व्यावहारिक होना चाहिए। मान लीजिए कि आप एक महान कर्मी से पूछते हैं कि क्या वह अपने किए हर काम में सफल होता है? वह निश्चित रूप से कहेगा, नहीं। कभी काम करके थक जाते हैं? वह कहेगा कि निश्चित रूप से अलग-अलग मौकों पर थक जाता हूं। जब थक जाता है तो क्या वह परम पुरुष से प्रार्थना नहीं करता कि वह उसे और ताकत दें? कोई कितना भी बड़ा कर्मी क्यों न हो, उसे अंततः परम पुरुष की शरण में जाना ही होता है। जिनके पास वास्तविक भक्ति नहीं है, जो दूसरों को धोखा देने के लिए भक्त होने का नाटक करते हैं, वे घंटियां बजाते हैं, मोमबत्तियां जलाते हैं। वे इतना ही जानते हैं कि घंटियां बजनी चाहिए, मोमबत्तियां जलनी चाहिए। बिना भक्ति के तो ये सब मशीनी कार्य लगते हैं। इसमें आनंद कहां? आनंद रहित हृदय रेगिस्तान के समान है। इस मरुस्थल में जब थक जाते हैं, तो परम पुरुष को गुहार लगाते हैं।

> 'जिस तरह मेरे सभी पुत्र मेरी आंखों के सामने मर गए, उसी तरह आप अपनी आंखों के सामने अपने पूरे वंश को नष्ट होते देखेंगे।' कृष्ण ने पुष्टि में कहा, ऐसा ही होने दो। यह परम पुरुष का खेल है। लेकिन व्यावहारिक दुनिया में हमेशा व्यावहारिक होना चाहिए। मान लीजिए कि आप एक महान कर्मी से पूछते हैं कि क्या वह अपने किए हर काम में सफल होता है? वह निश्चित रूप से कहेगा, नहीं।

7 विकसित देश और 12 विकासशील देशों के साथ साथ यूरोपीय संघ भी शामिल हैं

भारत की जी-20 में क्या होगी भूमिका ?

डॉ संतोष कुमार

> भारत एक ऐसा देश जो न केवल लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित बल्कि अनेकता में एकता के लिए प्रतिबद्ध राष्ट्र के लिए जी-20 की अध्यक्षता करना किसी भी मायने में एक ऐतिहासिक क्षण से कम नहीं हैं। भारत ऐसे समय में जी-20 देशों की मेजबानी करने जा रहा है। जब पूरे विश्व राजनीति रूस-यूक्रेन और कोविड-19 जैसे महामारी के मुद्दे को लेकर बँटी हुई जनर आ रही हैं। जसिकी एक झलक हमें इंडोनेशिया के बाली में 16 नवंबर 2022 को संपन्न हुई 17th जी-20 शिखर सम्मेलन में भी दिखाई दे चुकी हैं। जिसमें रूस के राष्ट्राध्यक्ष व्लादिमीर पुतिन के स्थान पर विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का शामिल होना, उसके बाद रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने जी-20 पर आरोप लगाया कि जी-20 अमेरिका और यूरोपियन हितों को साधता हैं कहते हुए सम्मेलन छोड़ कर वापस अपने देश रूस लौट गए।

भारत के लिए साल 2023 एक ऐतिहासिक साल होने जा रहा हैं। जिसमें भारत जी-20 देशों के नेताओं की मेजबानी करेगा। आपको बता कि भारत ने 1 दिसंबर 2022 को इंडोनेशिया से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की हैं। इस प्रकार भारत पहली बार इस साल जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। भारत एक ऐसा देश जो न केवल लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित बल्कि अनेकता में एकता के लिए प्रतिबद्ध राष्ट्र के लिए जी-20 की अध्यक्षता करना किसी भी मायने में एक ऐतिहासिक क्षण से कम नहीं हैं। भारत ऐसे समय में जी-20 देशों की मेजबानी करने जा रहा है। जब पूरे विश्व राजनीति रूस-यूक्रेन और कोविड-19 जैसे महामारी के मुद्दे को लेकर बँटी हुई नजर आ रही हैं। जिसकी एक झलक हमें इंडोनेशिया के बाली में 16 नवंबर 2022 को संपन्न हुई 17th जी-20 शिखर सम्मेलन में भी दिखाई दे चुकी हैं। जिसमें रूस के राष्ट्राध्यक्ष व्लादिमीर पुतिन के स्थान पर विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का शामिल होना, उसके बाद रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने जी-20 पर आरोप लगाया कि जी-20 अमेरिका और यूरोपियन हितों को साधता हैं कहते हुए सम्मेलन छोड़ कर वापस अपने देश रूस लौट गए। ऐसे समय में भारत क़े प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री क़े लिए सम्पूर्ण जी-20 देश के नेताओं को एक मंच पर लाना किसी भी चुनौती से कम नहीं होगा। इस साल भारत में होने जा रही 18th जी-20 सम्मेलन की थीम "वसुधैवकुटुंबकम" (एक धरती एक परिवार एक भविष्य) रहेगी। इस थीम के पीछे का मकसद दुनिया को यह बताना है कि भारत UN प्रिंसिपल में भरोषा रखता हैं और उसकी नीति सम्पूर्ण विश्व को साथ लेकर चलने के साथ ही साथ वैश्विक समस्याओं का वैश्विक समाधान ढूढ़ने की हैं। भारत में होने जा रहे जी-20 के 18th शिखर सम्मेलन के प्रतीक चिन्ह में भी यह बात देखने को मिलती है कि पूरी दुनिया एक परिवार की तरह है। और भारत हमेशा से इस धर्म का पालन करता आ रहा है और आगे भी करता रहेगा। भारत ने इस सिलसिले में वर्ष 2023 में देश भर में 56 से ज्यादा स्थानों पर 200 से अधिक बैठक करने का लक्ष्य रखा है। जिसमें भारत के हर राज्य को सम्मिलित करने की मंशा है। जिसकी पहली बैठक 4-7 दिसंबर

को राजस्थान के उदयपुर में संपन्न भी हो चुकी हैं। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि जी-20 शिखर सम्मेलन की आखिरी बैठक जिसमें सभी देश के प्रमुख भाग लेंगे सितंबर 2023 में भारत के राजधानी दिल्ली में होगी। जी-20 की मेजबानी भारत के लिए एक मौका लेकर आयी है कि भारत इस जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाकर पूरी दुनिया में एक सफल कूटनीति का उदाहरण पेश करें। जी-20 मुख्य रूप से 19 देश और यूरोपीय संघ का एक समूह है जिसकी स्थापना 1999 में एशियाई वित्तीय संकट के बाद की गयी थी। जिसमें 7 विकसित देश और 12 विकासशील देशों के साथ साथ यूरोपीय संघ भी शामिल हैं। इसका उद्देश्य मध्यम आय वाले देशों को शामिल करके वैश्विक वित्तीय स्थिरता को सुरक्षित करना है। आरम्भ में जी-20 के शिखर सम्मेलनों में वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर हिस्सा लिया करते थे। जिसमें बाद में राष्ट्राध्यक्ष हिस्सा लेने लगे। जिसके बाद इस संगठन की जिम्मेदारी वैश्विक स्तर और बढ़ गई है। आपको बता कि जी-20 विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से मिलकर बना है। जिसका सकल विश्व उत्पाद का लगभग 90%, तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का लगभग 75-80% हिस्सा साझा करते हैं। साथ ही साथ जी-20 देशों में वैश्विक जनसंख्या का लगभग दो-तिहाई हिस्सा निवास करता हैं। भारत वैश्विक राजनीति के एक ऐसे मुकाम पर जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की जब विश्व शीत युद्ध के तरह दो गुटों में बंटा हुआ नजर आता हैं। ऐसी अवस्था में जी-20 नेताओं को एक मंच पर लाना भारतीय प्रधानमंत्री के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। इसके साथ ही साथ जी-20 प्रेसीडेंसी भारत को एक ग्लोबल मंच भी प्रदान करती है। जहां से भारतीय प्रधानमंत्री मोदी भारत की वैश्विक शक्ति बनने की मंशा को साकार कर सकते हैं। भारत के लिए जी-20 की अध्यक्षता कई मायनों में महत्वपूर्ण है। आज मानवता के सामने जो समस्याएं और चुनौतियां हैं, उनका चरित्र वैश्विक हैं, वे किसी एक राष्ट्र की सीमा तक सीमित नहीं हैं। और उनके समाधान के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता है। यदि भारत वैश्विक राजनीति के इस मुकाम पर जी-20 देशों के साथ इन समस्याओं पर सहमति बना पता है। तो यह भारतीय विदेश नीति की प्रमुख उपलब्धियों में शुमार की जाएगी। भारत जी-20 अध्यक्षता के दौरान जिन मुद्दों को प्राथमिकता देगा उनमें समावेशी, न्यायसंगत और सतत विकास; स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, वाणिज्य, महिला सशक्तिकरण; डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, संस्कृति और पर्यटन, तकनीक-सक्षम विकास; जलवायु वित्तपोषण; वैश्विक खाद्य सुरक्षा; ऊर्जा सुरक्षा; हरा हाइड्रोजन; आपदा जोखिम में कमी और लचीलापन; विकासात्मक सहयोग; और आर्थिक अपराधों के खिलाफ लड़ाई को शामिल किया गया हैं। भारत हमेशा से दुनिया के सामूहिक विकास की बात करता है। भारत का मानना है कि कोई भी देश अपने आप में इतना सक्षम नहीं होता कि सभी परिस्थितियों और मुद्दों का हल खुद से निकल पाए। जैसा की हम कोविड-19 के समय देख चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह पहले से ही स्पष्ट कर दिया कि भारत की जी-20 अध्यक्षता "समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्रवाई उन्मुख" होगी। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, जी-20 की अध्यक्षता भारत के लिए महिला सशक्तिकरण, लोकतंत्र और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में दुनिया के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने का एक अवसर भी हो सकती हैं। लोकतान्त्रिक मूल्यों और शांतिपूर्ण सह -अस्तित्व को समर्पित भारत दुनिया को दिखा सकता है कि लोकतंत्र के एक संस्कृति बन जाने पर संघर्ष की गुंजाइश कैसे कम हो सकती हैं। जो कि रूस-यूक्रेन विवाद में काफी प्रासंगिक हो जाती हैं। भारत की वर्तमान विदेश नीति 'वैश्विक सामान्य भलाई' के सिद्धांत से प्रेरित है।

धर्मनिरपेक्ष संविधान से 'राष्ट्रीय युवा' का अपमान

> "भारतवर्ष में धर्म–अध्यात्म ही राष्ट्र के हृदय का मर्म है, यही भारतीय राष्ट्रीय जीवन का मूल है। इसे राष्ट्र की रीढ़ कह लो अथवा नींव समझो, इसी के ऊपर राष्ट्र की ईमारत खड़ी है। जबकि, दुनिया के शेष राष्ट्रों में से कोई भी राष्ट्र ऐसा नहीं है जो धर्म की आधारशिला पर खडा हो। शेष राष्ट्रों में राजनीति और भौतिकता की प्रधानता है, तो भारत में धर्मनीति और आध्यात्मिकता की प्रमुखता। चूंकि जीवन–संग्राम में भौतिकता लंबे समय तक टिक नहीं सकती, जबकि आध्यात्मिकता चिरस्थायी है; इसी कारण से भारत राष्ट्र शाश्वत है और यह शाश्वतता ही इसकी पहचान है। इतिहास इस बात की गवाही दे रहा है कि प्रायः प्रत्येक सदी में नये–नये राष्ट्रों का उत्थान–पतन होता रहा है। वे पैदा होते हैं, कुछ समय तक खुराफात करते हैं और उसके बाद समाप्त हो जाते हैं। परन्तु भारत राष्ट्र अनेकानेक खतरों तथा उथल–पुथल की कठिनतम समस्याओं से ज झते हुए भी टिका हुआ है, तो इसका कारण है वैराग्य–त्यागयुक्त हमारी धार्मिकता–आध्यात्मिकता। हमारे राष्ट्र का आधार धर्म है और धर्म का आधार त्याग है।

स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिन को भारत सरकार ने 'राष्ट्रीय युवा दिवस' घोषित कर रखा है, तो इसका अर्थ यही है कि स्वामी जी का आदर्श-चिन्तन ही भारतीय युवाओं के लिए अनुकरणीय आदर्श है और शासन की युवा-नीति का आधार है। ऐसे में यह जानना अपरिहार्य हो जाता है कि तब स्वामी जी का आदर्श-चिन्तन आखिर क्या है? ध्यातव्य है कि स्वामीजी ने भारत और शेष दुनिया के राष्ट्रों में एक खास अंतर निरूपित किया हुआ है। यह अन्तर ही भारत राष्ट्र की मौलिकता है और इसी कारण से इसका अस्तित्व कायम है, यह राष्ट्र शाश्वत है। इस अंतर की आधारशिला है- धार्मिकता और आध्यामिकता। स्वामी जी के शब्दों में "भारतवर्ष में धर्म–अध्यात्म ही राष्ट्र के हृदय का मर्म है, यही भारतीय राष्ट्रीय जीवन का मूल है। इसे राष्ट्र की रीढ़ कह लो अथवा नींव समझो, इसी के ऊपर राष्ट्र की ईमारत खड़ी है। जबकि, दुनिया के शेष राष्ट्रों में से कोई भी राष्ट्र ऐसा नहीं है जो धर्म की आधारशिला पर खडा हो। शेष राष्ट्रों में राजनीति और भौतिकता की प्रधानता है, तो भारत में धर्मनीति और आध्यात्मिकता की प्रमुखता। चूंकि जीवन–संग्राम में भौतिकता लंबे समय तक टिक नहीं सकती, जबकि आध्यात्मिकता चिरस्थायी है; इसी कारण से भारत राष्ट्र शाश्वत है और यह शाश्वतता ही इसकी पहचान है। इतिहास इस बात की गवाही दे रहा है कि प्रायः प्रत्येक सदी में नये-नये राष्ट्रों का उत्थान-पतन होता रहा है। वे पैदा होते हैं, कुछ समय तक खुराफात करते हैं और उसके बाद समाप्त हो जाते हैं। परन्तु भारत राष्ट्र अनेकानेक खतरों तथा उथल-पुथल की कठिनतम समस्याओं से जूझते हुए भी टिका हुआ है, तो इसका कारण है वैराग्य-त्यागयुक्त हमारी धार्मिकता-आध्यात्मिकता। हमारे राष्ट्र का आधार धर्म है और धर्म का आधार त्याग है। इसके विपरीत यूरोप–अमेरिका एक दूसरी ही समस्या सुलझाने में लगे हुए हैं। उन राष्ट्रों की समस्या है– येन-केन प्रकारेण धन व बल अर्जित करने की अपाधापी। इसके लिए क्रूर, निर्दयी, हृदयहीन प्रतिद्वंद्विता ही यूरोप–अमेरिका का नियम है।" स्वामीजी कहते हैं कि "राजनीति एवं इस प्रकार की अन्य बातें भारतीय जीवन के अत्यावश्यक विषय कभी रहे ही नहीं हैं। परन्तु धर्म एवं आध्यात्मिकता ही यहां ऐसा मुख्य आधार रहा है, जिस पर भारतीय जीवन टिका रहा है, भविष्य में भी उसे इसी पर टिके रहना है। अन्य राष्ट्रों के लिए धर्म, संसार के अनेक कृत्यों में से एक धंधा मात्र है। वहाँ राजनीति है, सामाजिक जीवन की सुख-सुविधायें हैं, धन व प्रभुत्व द्वारा जो कुछ प्राप्त हो सकता है तथा इंद्रियों को जिससे सुख मिलता है, उन सब को पाने की चेष्टा भी है और इन सब विभिन्न जीवन–चर्याओं के भीतर भोग से निस्तेज इंद्रियों को पुनः उतेजित करने के उपकरणों की समस्त खोज के साथ वहाँ संभवतः थोड़ा बहुत धर्म-कर्म भी है। परन्तु, भारतवर्ष में मनुष्य की सारी चेष्टायें धर्म के लिए ही होती रही हैं- धर्म ही यहां के जीवन का मूल है।" स्वामीजी ने कहा था कि "अमेरिका और इंग्लैंड में बिना यह बताये कि वेदान्त के द्वारा कौन-कौन से आश्चर्यजनक राजनीतिक परिवर्तन हो सकेंगे, मैं धर्म-प्रचार नहीं कर सका। क्योंकि अंग्रेज लोग राजनीति के माध्यम से ही धर्म को समझ सकते हैं, जबकि अमेरिकन लोग भी राजनीतिक–सामाजिक सुधार के माध्यम से ही धर्म को जान सकते हैं। किन्तु भारत में तो लोग राजनीति और समाज–सुधार को भी धर्म के माध्यम से ही समझ सकते हैं।" आगे वे कहते हैं कि "भारत में किसी तरह के सुधार या उन्नति की चेष्टा करने से पहले धर्म का विस्तार आवश्यक है। इसके लिए वे कहते हैं कि "सर्वप्रथम हमारे उपनिषदों, पुराणों और अन्य शास्त्रों में जो अपूर्व सत्य छिपे हुए हैं उन्हें मठों की चहारदीवारियों को भेद कर, वनों की शून्यता से दूर लाकर सर्वत्र बिखेर देना होगा, ताकि वे सत्य सारे देश को चारों ओर से लपेट लें, उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक सब जगह फैल जाएं और हिमालय से कन्याकुमारी व सिन्धु से ब्रहमपुत्र तक सर्वत्र धधक उठे।" विवेकानन्द जी कहते हैं- "जिस प्रकार से जीवन जीने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपना मार्ग चुन लेना पडता है, उसी प्रकार से प्रत्येक राष्ट्र को भी अपना अस्तित्व बनाये रखने के लिए पथ का निर्धारण कर लेना पडता है। हमने युगों पूर्व ही अपना पथ निर्धारित कर लिया था और अब उसी पथ पर हमें चलते रहना चाहिए जिसका नाम है 'वेदान्त–पथ'। जाओ–जाओ उस प्राचीन समय के उन भावों को लाओ जब हमारे शरीर में वीर्य व जीवन था। तुम फिर से वीर्यवान बनों और उसी प्राचीन झरने का पानी पीओ। भारत को पुनर्जीवित करने का यही एक उपाय है।" स्पष्ट है कि स्वामीजी भारतीय तरीके से ही भारत राष्ट्र की पुनर्रचना चाहते थे और आधुनिक रंगमंच पर प्राचीन भारत की स्थापना ही उनका सपना सपना था। उस प्राचीन भारत की आधुनिक रचना था उनका सपना जिस राष्ट्र के प्रत्येक व्यक्ति का ध्येय होता था- ब्राह्मण बनना, ऋषि–पद पाना और मोक्ष को प्राप्त करना। स्वानीजी का स्पष्ट कथन है कि भारत में ब्रह्मण्त्व ही मनुष्यत्व का चरम आदर्श रहा है। इसलिए ऊंची से ऊंची जाति से ले कर निम्न से निम्न जाति तक के सभी लोगों को 'ब्राह्मण' अर्थात सर्वगुणसम्पन्न–सर्वसमर्थशाली किन्तु सर्वस्व–त्यागी बनना होगा। तभी तो वे देशवासियों को ललकारते हुए यह कहते हैं कि "ऐ भारत! तुम भूलना मत कि तुम्हारी स्त्रियों का आदर्श सीता, सावित्री व दमयंती है .... मत भूलना तुम कि तुम्हारे उपास्य सर्वत्यागी उमानाथ शंकर हैं ...तुम भूलना मत कि तुम्हारा विवाह, धन व जीवन इंद्रिय–सुख के लिए या अपने व्यक्तिगत सुख के लिए नहीं है ....तुम यह मत भूलना की तुम जन्म से ही भारतमाता के लिए बलि स्वरूप रखे गये हो तुम मत भूलना कि तुम्हारा समाज उस विराट महामाया की छायामात्र है। हे वीर! साहस का आश्रय लो। गर्व से कहो कि मैं भारतवासी हूँ और प्रत्येक भारतवासी मेरा भाई है। भारत का समाज मेरे बचपन का झूला है, जवानी की फुलवारी है और मेरे बुढ़ापे की काशी है। भाई! बोलो कि भारत की मिट्टी मेरा स्वर्ग है, भारत के कल्याण से ही मेरा कल्याण है और रात-दिन कहते रहो- हे गौरीनाथ! हे जगदम्बे! मेरी दुर्बलता व कापुरूषता दूर कर दो!" भारत के पुनरुत्थान हेतु स्वामी जी प्राथमिकता के तौर पर ऐसी शिक्षा प्रणाली की सिफारिश करते हैं जो हमारे बच्चों-छात्रों को भारत की ऋषि-संस्कृति का बोध कराये, जिसके लिए जरूरी है संस्कृत की शिक्षा। स्वामी जी उद्घोष करते हैं- "जनता को उसकी बोलचाल की भाषा में शिक्षा दो, वह बहुत कुछ जान जायेगी। साथ ही कुछ और भी जरूरी है- उसे भारतीय संस्कृति का बोध कराओ। इसके लिए जरूरी है संस्कृत की शिक्षा। क्योंकि संस्कृत शब्दों की ध्वनि मात्र से एक प्रकार का गौरव, शक्ति एवं बल का संचार होता है।" वे कहते हैं कि "राष्ट्रीय रीति से राष्ट्रीय सिद्धांतों के आधार पर संस्कृत शिक्षा का विस्तार करें तथा संसार के सभी राष्ट्र में प्राचीन भारतीय शास्त्रों के सत्य का प्रचार ही हमारे राष्ट्र की वैदेशिक नीति का आधार हो।" इतना ही नहीं, आगे वे यह भी कहते हैं- "प्राचीन भारत की वर्ण–व्यवस्था एक ऐसी शाश्वत समाज–व्यवस्था है, जो परस्पर विषमता और वैमनस्यता का नहीं, बल्कि व्यक्ति के क्रमिक विकास और मोक्ष–प्राप्ति का साधन है, जिसे वास्तविक रुप में लागू करने के लिए यह जरुरी है कि भारत का जन–जन संस्कृत का विद्वान हो।"

नागरिक बोध

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हथियार, विरोधाभास और जोखिम में संसार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उन कार्यों को पूरा करने वाली मशीनों की क्रिया का वर्णन करता है जिनके लिए ऐतिहासिक रूप से मानव बुद्धि की आवश्यकता होती है। इसमें मशीन लर्निंग, पैटर्न रिकग्निशन, बिग डेटा, न्यूरल नेटवर्क, सेल्फ एल्गोरिदम आदि जैसी तकनीकें शामिल हैं। डीप लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और क्लाउड कंप्यूटिंग द्वारा संचालित एआई, समुद्री युद्धक्षेत्र को बदलने के लिए तैयार है, जो संभावित रूप से भारत में सैन्य मामलों में क्रांति ला रहा है। .मगर सदी के महान वैज्ञानिक रहे स्टीफन हॉकिंग ने भी एआई के विकास से होने वाले खतरों को लेकर हमें आगाह किया था। वहीं एलन मस्क का मानना है कि ₹आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानवता के लिए सबसे बढ़िया और सबसे बुरी दोनों चीजें साबित हो सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से अभिप्राय एक ऐसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से है जो खुद सोचने, समझने और चीजों को अंजाम देने में सक्षम होती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की टर्म को सर्वप्रथम 1955 में जॉन मैकार्थी ने उछाला था। आज इन्हें ही फादर ऑफ एआई कहा जाता है। एआई इंसानी दिमाग के तरह खुद से फैसले लेता है और काम करता है, हालांकि इसके लिए पहले कोडिंग की जरूरत होती है। एआई-समर्थित प्रणालियां दक्षता बढ़ाने, अपव्यय को कम करने और सेना के रसद प्रबंधन में समग्र लागत को कम करने में एक लंबा रास्ता तय कर सकती हैं। जैसे-जैसे साइबर युद्ध तेज, अधिक परिष्कृत और अधिक खतरनाक होता जाता है, सेना की अपनी संपत्ति और संचार लिंक की रक्षा के लिए और विरोधी सेनाओं की समान संपत्ति पर हमला करने के लिए आक्रामक और रक्षात्मक साइबर-युद्ध दोनों क्षमताओं को विकसित करना आवश्यक हो जाता है। खुफिया, निगरानी और टोही में बुद्धिमान मानव रहित सिस्टम का उपयोग कठोर इलाकों और मौसम की स्थिति में गश्त के लिए किया जा सकता है, बंदरगाह सुरक्षा प्रदान करता है, और मानव सैनिकों को बिना किसी खतरे के युद्ध के मैदान या संघर्ष क्षेत्र को स्काउट करने की अनुमति देता है। यदि युद्ध मशीनों द्वारा लड़े जाते हैं तो ये हथियार सैनिकों की जान बचा सकते हैं। इसके अलावा, एक जिम्मेदार सेना के हाथों में, वे सैनिकों को केवल लड़ाकों को निशाना बनाने में मदद कर सकते हैं।

देश दुनीया से

स्थानीय भाषाओं को साथ लेकर ही वैश्विक भाषा बन सकती है हिंदी

आधुनिक खड़ी बोली हिंदी की विकास यात्रा की शुरुआत उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में हुई। लेकिन इसे बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों में ना सिर्फ गति मिली, बल्कि स्तरीयता के संदर्भ में एक मानक स्तर भी हासिल कर लिया। इस दौर में हिंदी जहां परिनिष्ठित होती है, वहीं उसे सौष्ठव पूर्ण बनाने की कोशिश भी शुरू होती है। इसी दौर में देखते हैं कि हिंदी राष्ट्रीय होने की ओर बढ़ती है और इसमें भावी बहुभाषी स्वतंत्र भारत की भाषाओं के बीच सेतु के तौर पर देखा जाता है। ब्रिटिश भारतविद् फ्रांचेस्का आर्सिनी इसी दौर की हिंदी को समूचे भारतीय राष्ट्र के मूल्यों का लोकवृत्त रचयिता के तौर पर देखती हैं। अमृत राय इसी दौर में हिंदी में राष्ट्रवाद के बीज भी देखते हैं। लेकिन जब बीसवीं सदी के उत्तरार्ध को देखते हैं तो हिंदी नए रूप में सामने आती है। विशेषकर हिंदी पत्रकारिता राष्ट्रीयता के स्थानीयता की ओर उन्मुख होती है और राष्ट्रीय से स्थानीय होने की इस यात्रा में वह स्थानीय भाषाओं के तमाम शब्दों को ना सिर्फ स्वीकार करती है, बल्कि उन्हें अपनी प्रवृत्ति के अनुसार ढालकर स्थानीय संपर्क का जीवंत माध्यम बन जाती है। अंग्रेजी के प्रसिद्ध उपन्यासकार और साहित्यालोचक ईएम फास्टर ने 1927 में ट्रिनिटी कॉलेज लंदन में कुछ व्याख्यान दिए थे। वे व्याख्यान 'आस्पेक्ट ऑफ नॉलेज' नाम से पुस्तक रूप में प्रकाशित हैं। हिंदी में इसका अनुवाद भी प्रकाशित है, 'उपन्यास के पक्ष'। इन्हीं में से एक व्याख्यान में फास्टर ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा है कि वैश्विक होने के लिए स्थानीय होना जरूरी है। इसके जरिए फास्टर ने यह समझाने की कोशिश की है कि जिसकी जड़ें जितनी मजबूत होंगी, वही वैश्विक स्तर पर प्रभावकारी हो सकता है। भारतीय परंपरा में इसी तथ्य को बरगद के पेड़ के जरिए समझाया जाता है। कहा जाता है कि बरगद का पेड़ इसीलिए ज्यादा बड़ा, छतनार और विशाल होता है, क्योंकि उसकी जड़ें ज्यादा भी होती हैं और मजबूत भी। भारतीय अवधारणा हो या फिर फास्टर की प्रस्थापना, यह ना सिर्फ व्यक्तित्वों पर लागू होती है, बल्कि रचनाओं पर भी यह पूरी तरह फिट बैठती है। फास्टर ने जब यह प्रस्थापना दी थी, तब वैश्वीकरण का दौर नहीं था। भारत में उदारीकरण के बाद जिसे ग्लोबल विलेज यानी वैश्विक ग्राम की जो कल्पना की गई, उसकी कोई सोच भी नहीं थी। हालांकि भारतीय परंपरा इसे दूसरे रूप में हजारों साल पहले स्वीकार कर चुकी थी। 'उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा नई नहीं है। मध्यकाल में शुरू हुए यूरोपीय उपनिवेशवाद से दुनिया राजनीतिक तौर पर भले ही मुक्त हो गई, लेकिन इस औपनिवेशीकरण के अवशेष बौद्धिक स्तर पर बाकी रह गए। औपनिवेशीकरण से विकसित मानसिक गुलामी की ही वजह से भारतीय बुद्धिजीवियों में एक प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। उन्हें अपने हर पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक दर्शन जहां दकियानूसी लगता रहा है, वहीं आधुनिकता के नाम पर उसी लोक सांस्कृतिक परंपरा जैसी पश्चिम की अवधारणाएं उसे कहीं ज्यादा वैज्ञानिक और ग्राह्य लगती रही हैं। भारतीय बौद्धिकों की औपनिवेशिक गुलामी की इस प्रवृत्ति को समाजवादी विचारक किशन पटनायक ने बखूबी समझा है। 1982 में प्रकाशित अपने एक निबंध में उन्होंने लिखा है, "भारत का बुद्धिजीवी वर्ग अभी मानसिक स्तर पर दोगला ही रहेगा। लेकिन टोलियों में या व्यक्ति के तौर पर बुद्धिजीवी एक नई सभ्यता-निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो सकता है।" आखिर उन्हें यह स्थापना क्यों करनी पड़ी, इसे देखने के लिए बीसवीं सदी के नब्बे के दशक में लिखे उनके निबंध 'अयोध्या और उससे आगे' को देखना पड़ेगा। इसमें पटनायक ने लिखा है, "यूरोप के बुद्धिजीवी, खासकर विश्वविद्यालयों से संबंधित बुद्धिजीवी का हमेशा यह रूख रहा है कि गैर यूरोपीय जनसमूहों के लोग अपना कोई स्वतंत्र ज्ञान विकसित न करें। विभिन्न क्षेत्रों में चल रही अपनी पारंपरिक प्रणालियों को संजीवित ना करें, संवर्धित ना करें।

> ब्रिटिश भारतविद् फ्रांचेस्का आर्सिनी इसी दौर की हिंदी को समूचे भारतीय राष्ट्र के मूल्यों का लोकवृत्त रचयिता के तौर पर देखती हैं। अमृत राय इसी दौर में हिंदी में राष्ट्रवाद के बीज भी देखते हैं। लेकिन जब बीसवीं सदी के उत्तरार्ध को देखते हैं तो हिंदी नए रूप में सामने आती है। विशेषकर हिंदी पत्रकारिता राष्ट्रीयता के स्थानीयता की ओर उन्मुख होती है और राष्ट्रीय से स्थानीय होने की इस यात्रा में वह स्थानीय भाषाओं के तमाम शब्दों को ना सिर्फ स्वीकार करती है, बल्कि उन्हें अपनी प्रवृत्ति के अनुसार ढालकर स्थानीय संपर्क का जीवंत माध्यम बन जाती है। अंग्रेजी के प्रसिद्ध उपन्यासकार और साहित्यालोचक ईएम फास्टर ने 1927 में ट्रिनिटी कॉलेज लंदन में कुछ व्याख्यान दिए थे।

राष्ट्रपति बनने से पहले बाइडन ने छात्रों को पढ़ाने के लिए ले लिए थे आठ करोड़ रु., पर नहीं ली एक भी क्लास

वाशिंगटन ।
अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के उपराष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें एक प्रोफेसर के रूप में प्रति वर्ष एक मिलियन डॉलर का भुगतान किया गया था। लेकिन उन्होंने इस दौरान एक भी क्लास नहीं ली। मंगलवार को इस बात का खुलासा तब हुआ जब बाइडन ने मेक्सिको सिटी में नॉर्थ अमेरिका लीडर्स समिट में कहा कि उपराष्ट्रपति होने के चार साल बाद वे पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे।

बाइडन का प्रोफेसर होने का दावा झूठाः आरएनसी रिसर्च

विशेष रूप से, दो वर्षों के लिए पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय ने बाइडन को लगभग 1 मिलियन अमरीकी डालर यानी लगभग आठ करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था लेकिन उन्होंने कभी एक कक्षा को नहीं पढ़ाया। यह खुलासा रिपब्लिकन नेशनल कमेटी रिसर्च यूनिट आरएनसी रिसर्च द्वारा किया गया है जिसमें यह भी बताया गया है कि बाइडेन प्रोफेसर होने के बारे में झूठ बोलते रहते हैं। बाइडेन 2017-2019 तक फिलाडेल्फिया स्कूल में मानद प्रोफेसर थे। 2017 में बाइडन ने एक मानद प्रोफेसर पद स्वीकार किया जिसे औपचारिक रूप से बेंजामिन फ्रैंकलिन प्रेसिडेंशियल प्रैक्टिस प्रोफेसर कहा जाता है। आरएनसी रिसर्च ने कहा है कि बाइडन ने अपने अल्मा मेटर, डेलावेयर विश्वविद्यालय में बाइडन इंस्टीट्यूट के अलावा वाशिंगटन में पेन बाइडन सेंटर फॉर डिप्लोमेसी एंड ग्लोबल एंगेजमेंट की भी स्थापना की। हालांकि, यह भूमिका मानद थी। उन्होंने कैंपस में छात्रों को व्याख्यान और वार्ता दी, लेकिन उस दौरान पूरे सेमेस्टर के पाठ्यक्रम का एक भी चैप्टर नहीं पढ़ाया। बाइडन के अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनते ही विश्वविद्यालय ने की थी घोषणा अप्रैल 2019 में, जैसे ही बाइडन अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने, विश्वविद्यालय ने एक बयान जारी कर कहा, कि बाइडन ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार हो गए हैं। इसके बाद परिसर में कई लोगों ने कहा कि यह पेन बाइडेन सेंटर फॉर डिप्लोमेसी एंड ग्लोबल एंगेजमेंट में उनकी भूमिका को प्रभावित करेगा।

न्यूज ब्रीफ

पोप फ्रांसिस के पूर्व वरिष्ठ सलाहकार कार्डिनल जॉर्ज पेल का निधन, बाल यौन शोषण के दोषी पाए गए थे

कैनबरा । पोप फ्रांसिस के पूर्व वरिष्ठ सलाहकार कार्डिनल जॉर्ज पेल का इटली की राजधानी रोम में निधन हो गया है। उन्होंने 81 साल की आयु में अंतिम सांस ली। चर्च के अधिकारियों के मुताबिक कूल्हे की सर्जरी के बाद दिल की गंभीर बीमारी के कारण उनकी मृत्यु हो गई। कार्डिनल पेल ने पोप के शीर्ष सहयोगियों में से एक बनने से पहले मेलबर्न और सिडनी दोनों के आर्कबिशप के रूप में कार्य किया था। निधन से पहले कार्डिनल जॉर्ज पेल विवादों में रहे थे। दरअसल, वे बाल यौन शोषण के दोषी पाए जाने के बाद जेल में छह साल की सजा काट रहे थे। उनपर दो किशोर लड़कों के साथ यौन शोषण का आरोप लगा था। जिसके बाद अदालत में वे दोषी साबित हो गए थे। हालांकि बाद में उन्हें आरोपों से मुक्त कर दिया गया था। पोप फ्रांसिस के पूर्व वरिष्ठ सलाहकार 77 वर्षीय पेल को दिसंबर 2018 में एक न्यायाधीश ने दोषी करार दिया था। इसके बाद मार्च 2019 में छह साल की सजा दी गई थी। काउंटी कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पीटर कीड ने सजा सुनाते हुए दो बच्चों के शोषण में पेल के अपराध को 'पीड़ितों पर बिना किसी शर्म और जबरन यौन हमला करना' करार दिया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पेल ने पीड़ितों के विश्वास को तोड़ा और अपनी शक्ति का इस्तेमाल किया।

पाकिस्तान के गृहमंत्री के ऊपर फेंके गए जूते

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के आंतरिक गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह के ऊपर मंगलवार को जूते से हमला कर दिया गया। यह हमला तब हुआ जब वे अपनी कार से पंजाब विधानसभा की बैठक से निकल रहे थे। हालांकि, कार का शीशा लगने से उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई। अभी यह पता नहीं चला है कि हमला किसने किया। पुलिस जांच में जुट गई है। इस घटना का एक वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में किसी नेता पर हमला किया गया हो। इससे पहले कई नेताओं पर जूते और स्याही से हमला किया गया। साल 2023 के पहले दिन पाकिस्तान के गवर्नर कामरान टेसरी पर एक शख्स ने जूते से हमला कर दिया। जहां 11-मार्च-2018 को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर लाहौर में एक व्यक्ति ने जूते से हमला किया। उस वक्त नवाज शरीफ मदरसे के एक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने और भाषण देने जा रहे थे। 2018 में ही पाकिस्तान के विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ अपने खल सियालकोट स्थित घर पर पीएमएल-एन के कार्यकर्ताओं के एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उनके बगल में खड़े एक बूढ़े व्यक्ति ने विदेश मंत्री के चेहरे पर स्याही मल दी। आसिफ की पार्टी ने पैगंबर मोहम्मद को इस्लाम के आखिरी पैगंबर के रूप में संविधान की मान्यता को बदलने की कोशिश की जिससे उनकी भावनाएं आहत हुई।बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री पर जूते-चप्पलों से हमला किया गया। 18 जून 2021 को पाकिस्तान के बलूचिस्तान में विधानसभा सत्र के दौरान जमकर हंगामा हुआ।

पेरिस के रेलवे स्टेशन हमलावर ने कई लोगों को मारा चाकू, पुलिस ने बरसाईं गोलियां

पेरिस । फ्रांड की राजधानी पेरिस के एक व्यस्त रेलवे स्टेशन पर बुधवार को एक व्यक्ति ने चाकू से छह लोगों को घायल कर दिया। इसमें एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि घटना सुबह 6.45 मिनट पर पैरिस नॉर्ड में हुई। पुलिस ने बताया, हमलावर को काबू पाने के लिए उस पर कई राउंड फायरिंग की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि व्यक्ति ने चाकू से लोगों पर हमला क्यों किया। घटना की जानकारी देते हुए पेरिस के आंतरिक मामलों के मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन ने बताया कि बुधवार सुबह पेरिस नॉर्ड में एक व्यक्ति ने कई लोगों को घायल कर दिया। हालांक, हमलावर पर कुछ ही देर में काबू पा लिया गया। हमले के बाद पुलिस ने पूरे इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी है।

क्या घट रही है रूस की ताकत ! अमेरिका का दावा रूस के जखीरे में खत्म हुए 75प्रतिशत हथियार

कीव ।
रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को एक साल पूरा होने वाला है। दोनों देशों की ओर से एक-दूसरे पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। यूक्रेन को जहां पश्चिमी देशों से सैन्य मदद मिल रही है तो वहीं रूस अपने विशाल हथियारों के जखीरे की दम पर इस जंग में अब तक टिका हुआ है। हालांकि, अब यूक्रेन और अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि रूसी हथियारों में 75 प्रतिशत तक की कमी आ चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि हथियारों की कम आपूर्ति के कारण रूस अपने हमलों को भी नियंत्रित कर सकता है।

यूक्रेन के लिए बढ़ रही पश्चिमी मदद- अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया, शुरुआती दिनों में रूस ने बड़ी तेजी से यूक्रेन पर हमला किया था। हालांकि, जैसे-जैसे युद्ध लंबा खिंचता गया, हथियारों की कमी के कारण रूसी हमले भी धीमे होते गए। इन हमलों का धीमा होना इस बात का सबूत है कि रूसी हथियारों के जखीरे में भारी कमी आ चुकी है। वहीं, दूसरी तरफ यूक्रेन के लिए पिश्चमी देशों की सैन्य मदद बढ़ती जा रही है। हाल ही में अमेरिका और जर्मनी ने घोषणा की है कि वे यूक्रेनी सेना को पहली बार बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों के अलावा पैट्रियट रक्षा मिसाइल बैटरी भेजेगा।

पुराने हथियारों का इस्तेमाल कर रहा रूस - रूसी हमले अभी तक क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों पर केंद्रित रहे हैं, लेकिन हथियारों की घटती आपूर्ति के बीच रूस अपने पुराने हथियारों के इस्तेमाल के लिए मजबूर हो गया है। पिछले महीने, एक वरिष्ठ अमेरिकी सैन्य अधिकारी ने कहा था कि रूस को 40 साल पुराने शस्त्रागार के हथियारों का सहारा लेना पड़ा है, क्योंकि नए हथियारों की आपूर्ति कम हो गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि रूस की ओर से प्रति दिन 20,000 की दर से होने वाली राउंड फायरिंग गिरकर औसतन लगभग 5,000 प्रति दिन हो गई है। वहीं, यूक्रेन का अनुमान है कि दर प्रति दिन 60,000 से 20,000 तक गिर गई है। हालांकि, रूस के पास अभी भी यूक्रेन की तुलना में गोला-बारूद उपलब्ध है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को अपने नियमित खुफिया अपडेट में बताया कि अब ऐसा प्रतीत होता है कि रूस अपनी रक्षा किलेबंदी को मजबूत करने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है। मंत्रालय ने कहा कि मास्को या तो जैपोरिझिया या लुहांस्क में संभावित यूक्रेनी आक्रमण के बारे में चिंतित है।

पेरू में सरकार के खिलाफ जबरदस्त हिंसक प्रदर्शन, 18 प्रदर्शनकारियों की मौत, लगा कर्फ्यू

पेरू । पेरू में सोमवार को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच संघर्ष में 18 लोगों की मौत हो गई है। इसके मद्देनजर प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। जल्द से जल्द चुनाव और जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो की रिहाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज ही होता जा रहा है। सभी प्रदर्शनकारी वर्तमान राष्ट्रपति को हटाने की भी मांग कर रहे हैं। यह घटना जुलियाका एयरपोर्ट पर हुई है। इस हिंसा में अब तक कुल 34 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है। बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति कैस्टिलो विद्रोह के आरोप में 18 महीने की कैद झेल रहे हैं। मंत्रालय ने फेसबुक पर प्रकाशित एक बयान में कहा कि जुलियाका में कम से कम 38 लोग घायल हुए हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। जूलियाका में, पेरू के दक्षिणी पुनो क्षेत्र में टिटिकाका झील के किनारे एक गवाह ने सड़कों पर गोलियों और धुएं के फुटेज रिकॉर्ड किए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके जिसके बाद पुलिस ने गोली चला दी। अन्य फुटेज में दिखाया गया है कि खून से सने स्वेटर में जमीन पर पड़े एक व्यक्ति और अस्पताल के वेटिंग रूम में गंभीर रूप से घायल लोगों को सीपीआर दिया जा रहा है। पेरू के लोकपाल कार्यालय ने एक बयान में कहा कि पुलिस और सशस्त्र बलों को संघर्षों को हल करने की कोशिश करनी चाहिए, क्योंकि ऐसा करना कांग्रेस और केंद्र सरकार का कर्तव्य था।

उच्च संक्रमण वाले देशों के यात्रियों को मास्क पहनने की सलाह, डब्लूएचओ ने जारी की एडवायजरी

वाशिंगटन ।
दुनिया के कई देशों में ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट का प्रसार तेजी से हो रहा है। विशेष तौर पर यह वैरिएंट संयुक्त राज्य अमेरिका में धीरे-धीरे अपना असर दिखा रहा है, जिस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चिंता जाहिर की है। डब्ल्यूएचओ ने सभी देशों से अपील की है कि वे ऐसे देश जहां कोरोना संक्रमण का प्रकोप ज्यादा है, वहां की यात्रा करने वाले अपने यात्रियों को मास्क पहनने की सलाह दें। डब्ल्यूएचओ के वरिष्ठ आपातकालीन अधिकारी - कैथरीन स्मॉलवुड ने मंगलवार को कहा, लंबी दूरी व उच्च जोखिम वाली जगहों पर जाने वाले यात्रियों को मास्क पहनने की सलाह दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, देशों को यात्रा से पूर्व परीक्षण को साक्ष्य के तौर पर रखने की जरूरत है और यदि कार्रवाई पर विचार किया जाता है, तो यात्रा उपायों को गैर-भेदभावपूर्ण तरीके से लागू किया जाना चाहिए।

अमेरिका में 27.6प्रतिशत संक्रमण के लिए जिम्मेदार

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अधिकारियों ने बताया ओमिक्रॉन वैरिएंट अत्यधिक ट्रांसमिसिबल है और रविवार तक संयुक्त राज्य अमेरिका में यह कोरोना के 27.6 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार है। अधिकारियों ने बताया, यूरोप के कई देशों में भी सबवैरिएंट का पता चला है।

भारत में संक्रमण में वृद्धि की संभावना नहीं

कोविड वर्किंग ग्रुप के चेयरमैन डॉ. एनके अरोड़ा ने मंगलवार को कहा कि देश में वायरस बहुत है लेकिन इसकी उतनी तीव्रता नहीं है। हमने जीनोमिक मॉनिटरिंग बढ़ा दी है और एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग शुरू कर दी है। हमने जो कुछ भी पाया है, उसका मतलब यह नहीं है कि हमें कोई नया वेरिएंट मिला है। अरोड़ा ने आगे कहा, सीवेज नमूने भी लिए गए हैं लेकिन हमें आने वाले हफ्तों में किसी नए वेरिएंट या कोविड वृद्धि की कोई संभावना नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा, भारत में हम जो ओमिक्रॉन वेरिएंट देख रहे हैं, उसे दुनिया के किसी भी हिस्से में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा, कोविड वेरिएंट्स पैर जमाने या अस्पताल में भर्ती होने का कारण नहीं बन पाए हैं। घबराने की आवश्यकता नहीं है। हमें यूरोपीय, उत्तरी अमेरिकी और पूर्वी एशियाई देशों पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है।

चीन को रोकने के लिए मिलेंगे अमेरिका-जापान, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों पर होगी चर्चा

वाशिंगटन ।
हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा चुनौतियों और चीनी आक्रामकता पर लगाम लगाने के लिए जल्द ही अमेरिका और जापान के समकक्ष बैठक करने वाले हैं। मंगलवार को पेंटागन ने कहा कि 2023 की यूएस-जापान सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक में दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों की सह-अध्यक्षता होगी।

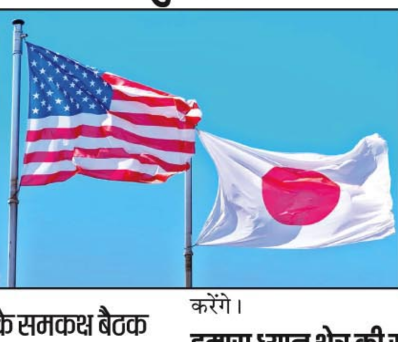

साझा दृष्टिकोण पर होगी चर्चा

पेंटागन के प्रेस सचिव जनरल पैट राइडर ने दोनों देशों के नेता हिंद-प्रशांत और दुनिया भर में 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक गठबंधन के हमारे साझा दृष्टिकोण पर चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया, अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन अपने जापानी समकक्षों रक्षा मंत्री हमादा यासुकाजू और विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा के साथ बैठक करेंगे।

हमारा ध्यान क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करना

पेंटागन के प्रेस सचिव ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका के दृष्टिकोण से हमारा ध्यान जापान जैसे हमारे सहयोगियों के साथ काम करने को लेकर है, जिससे एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा, जापान इस क्षेत्र के हमारे सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक है। और यूएस-जापान गठबंधन हिंद-प्रशांत सुरक्षा की आधारशिला है। संयुक्त राज्य अमेरिका और जापानी सरकार के बीच 12 जनवरी को पांचवें इंडो-पैसिफिक बिजनेस फोरम की बैठक होगी।

भारतीय मूल का डॉक्टर 28 महिलाओं के शारीरिक शोषण का दोषी, मिली दो बार उम्रकैद की सजा

लंदन ।
ब्रिटेन की क्रिमिनल कोर्ट ने भारतीय मूल के एक डॉक्टर को महिलाओं के शारीरिक शोषण का दोषी पाए जाने के बाद उम्रकैद की सजा सुनाई है। आरोप है कि डॉक्टर ने 4 सालों के दौरान 28 महिलाओं का शारीरिक शोषण किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, महिलाओं के शोषण के मामले में आरोपी डॉक्टर को पहले ही तीन उम्रकैद की सजा मिल चुकी है। आरोपी डॉक्टर की पहचान मनीष शाह (53 वर्षीय) के रूप में हुई है। सोमवार को मनीष शाह को कम से कम 10 साल की सजा के साथ दो बार उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

आरोपी डॉक्टर को बीते माह 4 महिलाओं के खिलाफ 25 शारीरिक शोषण के मामलों में दोषी पाया गया था। आरोपी डॉक्टर ने पूर्वी लंदन स्थित अपने क्लीनिक में महिलाओं का शोषण किया। डॉक्टर को महिलाओं के शारीरिक शोषण के 90 मामलों में पहले ही तीन बार उम्रकैद की सजा दी जा चुकी है। हालांकि सभी सजाएं समानान्तर चलेंगी। डॉक्टर को कुल 28 महिलाओं का 115 बार शारीरिक शोषण करने का दोषी पाया गया है। पीड़िताएं 15-34 साल के बीच की महिलाएं हैं।

डॉक्टर पर आरोप है कि उसने अपनी यौन संतुष्टि के लिए महिला मरीजों की बेवजह की अंतरंग जांच की। सजा का ऐलान करते हुए क्रिमिनल कोर्ट के जज पीटर रुक ने कहा कि आरोपी अभी भी महिलाओं के लिए खतरा है और उसका व्यवहार उसकी पीड़िताओं को लंबे समय के लिए मानसिक नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि अपने बचाव में डॉक्टर ने यह बताने की कोशिश की वह काफी देखभाल करने वाला डॉक्टर है और इसी के चलते उसने सावधानी के लिए महिलाओं की अतिरिक्त जांचें की।

साल 2020 में मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी डॉक्टर मनीष शाह ने कुछ भी गलत करने की बात से साफ इंकार किया था और दावा किया कि जिसे शारीरिक शोषण बताया जा रहा है, वह सिर्फ मरीजों के बचाव के लिए की गई जांचें थी। हालांकि कोर्ट ने उसके इन दावों को नहीं माना और दोषी करार देकर उम्रकैद की सजा सुनाई।

चीन के श्मशान गृहों में भारी भीड़, सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ खुलासा

बीजिंग ।
चीन में कोरोना महामारी से हालात बेहद चिंताजनक हैं। हालांकि चीन की सरकार इसे मानने को तैयार नहीं है लेकिन अब सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि चीन के श्मशान गृहों में भारी भीड़ जुट रही है। जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि कोरोना महामारी के चलते बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही है, जिसके चलते श्मशान गृहों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं। चीन की सरकार ने हाल ही में देश में जारी कोरोना प्रतिबंधों को भी हटा लिया था। इससे भी वहां कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है।

खबर के अनुसार, चीन के चेंगदू शहर के एक श्मशान घाट में तो अंतिम समय में अपनों को याद करने करने की प्रथा भी बंद करा दी गई है। इतना ही नहीं हर परिवार को अपने प्रियजनों को अंतिम अलविदा कहने के लिए सिर्फ 2-2 मिनट का समय दिया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, बीजिंग के श्मशान गृहों में शवों के अंतिम संस्कार के लिए वेटिंग चल रही है।

मैक्सर टेक्नोलॉजीज की सैटेलाइट तस्वीरों में चीन के ताजा हालात बेहद चिंताजनक दिखाई दे रहे हैं। सैटेलाइट तस्वीरों में, चीन के 6 अलग-अलग शहरों, जिनमें उत्तर में बीजिंग, पूर्व में नानजिंग और दक्षिण पश्चिम में चेंगदू और कुनमिंग में श्मशान गृहों पर भारी भीड़ दिखाई दे रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्मशान गृहों में काम करने वाले लोग काफी व्यस्त हैं। चोंगकिंग नामक शहर के एक श्मशान गृह की रिसेप्शनिस्ट का कहना है कि बीते 6 सालों में वह कभी भी इतना व्यस्त नहीं रही। श्मशान गृहों पर शवों को रखने के फ्रीजर पूरी तरह भर चुके हैं और अंतिम संस्कार का काम दिन रात चल रहा है।

जहां एक तरफ हालात इतने खराब लग रहे हैं, वहीं चीन की सरकार मौत के सही आंकड़ों को छुपाने में जुटी है। चीन की सरकार का कहना है कि बीती 7 दिसंबर से चीन में कोरोना महामारी से 40 लोगों की मौत हुई है। दिसंबर से चीन की सरकार सिर्फ उन्हीं लोगों की मौत का कारण कोविड को मान रही है, जिनकी मौत फेफड़ों की समस्या के चलते हुई, फिर चाहे वो कोरोना संक्रमित थे या नहीं।

चीन की सरकार का दावा है कि कोरोना महामारी से चीन में अभी तक 5200 लोगों की मौत हुई है लेकिन अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि जिस तरह के हालात दिख रहे हैं, उन्हें देखते हुए चीन में रोजाना 5000 के करीब लोगों की जान जा रही है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि चीन में अभी तक कोरोना से 10 लाख से ज्यादा लोगों की जान गई है।

उपराष्ट्रपति और लोस अध्यक्ष ने न्यायपालिका को दी संवैधानिक मर्यादा के भीतर रहने की सलाह

जयपुर (हि.स.)। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजस्थान विधानसभा में बुधवार से आरंभ हुए 83वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में न्यायपालिका को संवैधानिक मर्यादा के भीतर रहने की सलाह दी है। अतिथियों ने भी न्यायपालिका से अपेक्षा की है कि वह संवैधानिक मर्यादा और सभी संस्थाओं के बीच संविधान से प्रदत्त शक्तियों के पृथक्करण और संतुलन के सिद्धांत का पालन करें। बुधवार को राजस्थान विधानसभा में 83वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उद्घाटन किया। इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने भी उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। उद्घाटन सत्र में 20 पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने भारत को मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में वर्णित किया और इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र का सार लोगों के जनादेश की व्यापकता और उनके कल्याण को सुनिश्चित करने में निहित है। धनखड़ ने संसद और विधानसभाओं में व्यवधान की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए

प्रतिनिधियों से लोगों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं के प्रति सचेत रहने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने आशा व्यक्त की कि सम्मेलन इन मुद्दों को तत्काल हल करने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेगा। संविधान में परिकल्पित राज्य के सभी अंगों के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंधों की आवश्यकता पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र तब कायम रहता है और फलता-फूलता है जब विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका लोगों की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए मिलकर काम करती हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सन्देश भी पढ़ा गया, जिसमे उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को सशक्त और समृद्ध करने में हमारे विधायी निकायों की भूमिका सराहनीय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हमारी विधायिकाएं लोगों के हितों की रक्षा के लिए अपनी कार्यप्रणाली में आधुनिक बदलावों के साथ देश की प्रगति में और मजबूती से आगे बढ़ेंगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आम जनमानस में विधायिकाओं एवं जनप्रतिनिधियों के बारे में प्रश्न चिन्ह है। हमें इस प्रश्न चिन्ह को भी सुलझाना है और विधान मंडलों की इमेज और प्रोडक्टिविटी को और बेहतर बनाना है। बिरला ने कहा कि विधान मंडलों में होने वाली चर्चा अधिक अनुशासित, सारगर्भित और गरिमामयी होनी चाहिए। संविधान की प्रावधानों की उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं की मंशा यही थी कि हमारी लोकतान्त्रिक संस्थाएं आम जनता के जीवन में सामाजिक आर्थिक बदलाव को सुनिश्ति करने के लिए प्रभावी संस्था के रूप में काम करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संसद और विधान मंडलों को अधिक प्रभावी, उत्तरदायी और उत्पादकतायुक्त बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि पीठासीन अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि विधान मंडलों में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से नागरिकों की आशाओं, अपेक्षाओं और उनके अभावों, कठिनाइयों की अभिव्यक्ति होने का पर्याप्त अवसर दें। उन्होंने कहा कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका- तीनों ही अपनी शक्तियां तथा क्षेत्राधिकार संविधान से प्राप्त करते हैं और तीनों को एक दूसरे का और क्षेत्राधिकार का ध्यान रखते हुए आपसी सामंजस्य, विश्वास और सौहार्द के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका को संवैधानिक मर्यादा के भीतर रहने की सलाह दी। समारोह में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आजादी के 75 वर्षों में देश में संसदीय लोकतंत्र को मजबूत किया है और कई अन्य देशों की तुलना में भारत ने संसदीय प्रणाली को दिशा प्रदान करने वाली प्रणाली को मजबूत किया है। गहलोत ने उचित संसदीय आचरण और विधायी संस्थाओं के नियमों के पालन पर जोर देते हुए कहा कि सदन की मर्यादा और गरिमा बनाए रखना सभी सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने न्यायपालिका और विधायिका को एक साथ काम करने पर जोर दिया। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने विधानसभाओं में गुणवत्तापूर्ण बहस पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्ति करना चाहिए कि लोकतांत्रिक संस्थानों पर लोगों का विश्वास, विशेष रूप से युवाओं का विश्वास कम न हो। उन्होंने यह भी जिक्र किया कि बदलते परिदृश्य के साथ, विधायिकाएं प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ स्वयं को ढाल रही हैं और 21वीं सदी के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विधायी निकायों को विकसित करने की आवश्यकता है।

लोन चुकाने के लिए जवान ने किया महिला डॉक्टर का अपहरण

सोनीपत (हरियाणा)। हरियाणा के सोनीपत के मुरथल थाना क्षेत्र से महिला डॉक्टर के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। भारतीय सेना में सिपाही के पद पर तैनात आरोपी ने लोन चुकाने के लिए महिला डॉक्टर का अपहरण किया था। अपहरणकर्ता अमित गांव थाना कलां का रहने वाला है, जो पहले जम्मू में तैनात था और वर्तमान में झांसी के लिए तबादला हुआ था। सोनीपत मुरथल थाना पुलिस ने अमित को अवैध पिस्तौल के साथ धर दबोचा है। सोनीपत मुरथल थाना पुलिस अपहरणकर्ता अमित से गहनता से पूछताछ कर रही है। आरोपी ने महिला डॉक्टर का कार में अपहरण किया। दुष्कर्म के प्रयास का भी आरोप है। आरोपी ने 9 जनवरी की रात को अपहरण किया। 10 जनवरी को सुबह खरखोदा थाना क्षेत्र में छोड़कर भाग गया। महिला ने मुरथल थाना में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया है। आरोपी को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

भारत जोड़ो यात्रा : लुधियाना पहुंचने से पहले लगे विरोध के पोस्टर

लुधियाना। भारत जोड़ो यात्रा के लुधियाना आगमन से पहले ही अज्ञात व्यक्ति की तरफ से पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का विरोध जताया है। जहां एक तरफ पंजाब में यात्रा को भरपूर समर्थन मिल रहा है वहीं अज्ञात व्यक्ति ने जिला कांग्रेस भवन और उसके आस-पास इलाके में विरोध में पोस्टर लगा दिए हैं। जिसपर लिखा है कि कांग्रेस ने 1947 में देश तोड़ा और फिर 1984 में समाज को तोड़ कर बेकसूर लोगों को मरवाया। पोस्टर लगाने से जहां जिला कांग्रेस बेखबर थी तो लोगों ने उन्हें इसकी जानकारी दी। जिसके बाद थाना कोतवाली पुलिस भी वहां पहुंच गई। राहुल गांधी के विरोध में पोस्टर लगने के बाद पुलिस के हाथ पैर भी फूल गए। जिसके बाद कोतवाली की पुलिस ने पूरे इलाके से पोस्टर उतरवाए और कहा कि मामले की जांच की जाएगी कि पोस्टर किस व्यक्ति की तरफ से लगाए गए हैं।

पीएम मोदी जैसा व्यक्तित्व सदियों में पैदा होता है : दीया कुमारी

राजसमंद। सांसद दीया कुमारी ने बुधवार को नाथद्वारा के लालबाग चौराहे पर 127 करोड़ की लागत से बनने वाले नाथुवास, लालबाग अंडर पास और नाथद्वारा से राजसमंद तक 10 किलोमीटर सर्विस रोड कार्य के भूमिपूजन और सेमा में पीएमजीएसवाई के तहत 5.22 करोड़ से बनी खमनोर से दाबूंन सड़क का

लोकार्पण कर यह बात कही। लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद दीया कुमारी ने कहा कि स्थानीय स्तर की समस्याओं के समाधान के लिए हमने कोई कोताही नहीं बरती है। लेकिन कांग्रेस का स्थानीय नेतृत्व हमेशा रोड़े अटकाता है। हमने कोशिश की युवाओं को नौकरी मिले, लेकिन कांग्रेस ने हर काम में कांटे बिछाए। दीया कुमारी ने कहा कि बतौर सांसद मैंने अपनी जिम्मेदारी को पूरी मुस्तैदी से निभाने की कोशिश की है। 8 विधानसभा क्षेत्रों वाले राजसमंद संसदीय क्षेत्र में विकास की कोई कमी नहीं रही है।

राजोरी में पीड़ित परिवारों से मिलेंगे राजनाथ और शाह

जम्मू। राजोरी के ढांगरी गांव में हुए आतंकी हमले के बाद सियासी हलचल बढ़ गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगले हफ्ते और रक्षा मंत्री राजनाथ 26 जनवरी के बाद ढांगरी गांव पहुंचकर पीड़ित

परिवारों से मिल सकते हैं। इस बीच प्रदेश भाजपा के नेताओं ने नई दिल्ली में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य सहित अन्य हालात पर चर्चा की। गत दिवस भाजपा नेताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। रक्षामंत्री के साथ मुलाकात में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र रैना, सांसद जुगल किशोर शर्मा और महासचिव संगठन अशोक कौल ने अल्पसंख्यकों पर हुए आतंकी हमले के बाद उनकी विश्वास बहाली के साथ देश विरोधी ताकतों के खिलाफ सुरक्षा तंत्र मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने जोर दिया कि भविष्य में ऐसे आतंकी हमलों को रोकने के लिए सभी उचित कदम उठाए जाएं।

पंजाब में सीएम की धमकी के बाद काम पर लौटे पीसीएस अधिकारी

चंडीगढ़(हि.स.)। पंजाब विजिलेंस की कार्रवाई के विरोध में हड़ताल कर रहे पंजाब के पीसीएस अधिकारियों ने बुधवार की दोपहर हड़ताल समाप्त कर दी। राज्य के पीसीएस अधिकारी तीन दिन बाद काम पर लौट आए हैं। इससे पहले हड़ताल से गुस्साए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सामूहिक अवकाश के विरोध में सामूहिक निलंबन की कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने हाल ही में लुधियाना में तैनात एक पीसीएस अधिकारी को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसके बाद नौ जनवरी को पंजाब के सभी पीसीएस अधिकारी सामूहिक अवकाश पर चले गए थे। पंजाब में इस समय राज्य कॉडर से जुड़े 253 पीसीएस अधिकारी हैं। अधिकारियों की हड़ताल के कारण राज्य की तहसीलों में काम बंद हो गया था। मुख्यमंत्री के साथ बैठक के बावजूद अधिकारियों की हड़ताल लगातार जारी रही। इस बीच बुधवार की सुबह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सख्ती दिखाते हुए एक आदेश जारी किया। उन्होंने इस हड़ताल को गैरकानूनी करार देते हुए पीसीएस अधिकारियों को दोपहर दो बजे तक हड़ताल समाप्त करने की चेतावनी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर अधिकारी दो बजे तक काम पर नहीं लौटे, तो उन्हें निलंबित कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों के पुराने सर्विस अनुभव को शून्य मान लिया जाएगा। अगर वह नौकरी करेंगे, तो उनका सेवाकाल नए सिरे से शुरू होगा। सीएम भगवंत मान की इस चेतावनी के बाद पीसीएस एसोसिएशन के अध्यक्ष रजत ओबराय की अध्यक्षता में एक शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वेणु गोपाल के साथ बैठक की। दो चरणों में हुई बैठक के बाद पीसीएस अधिकारियों ने हड़ताल समाप्त करने का एलान कर दिया।

राहुल गांधी के बयान से संत समाज में आक्रोश

जम्मू। भारत जोड़ो यात्रा पर निकले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के एक बयान पर विवाद हो गया है। इसे लेकर संत समाज आक्रोश देखने को मिल रहा है। बुधवार को जम्मू शहर में प्रेस क्लब के बाहर संतों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राहुल गांधी ने एक बयान में कहा है कि पुजारी देश को नहीं चलाएंगे। इस बयान के लिए कांग्रेस नेता को माफी मांगनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस तरह के बयान देकर राहुल गांधी ने संत समाज का अपमान किया है। महंत राजेश बिट्टू ने कहा कि राहुल गांधी का यह बयान आपत्तिजनक है। वह जो कह रहे हैं कि पुजारी देश को नहीं चलाएंगे तो फिर देश को आतंकी चलाएंगे ? उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि राहुल गांधी किस भारत को जोड़ने की बात कर रहे हैं। हम अखंड भारत में रहते हैं।

नशा तस्करों को छोड़ने का आरोप थाने के बाहर किया अर्धनग्न प्रदर्शन

हिसार (हि.स.)। शहर के सेक्टर 9-11 थाने के कर्मचारियों पर नशा तस्करों को छोड़ने का आरोप लगाते हुए सातरोड गांव के युवाओं ने मंगलवार रात को बवाल कर दिया। युवाओं का कहना था कि उन्होंने एक नशा तस्कर को पकड़कर पुलिस को सौंपा था, मगर, कार्रवाई की जगह पुलिस ने उसे छोड़

दिया। इसके बाद युवाओं ने कपड़े उतारकर थाने के बाहर प्रदर्शन किया। हालांकि पुलिस के दो दिनों में कार्रवाई का आश्वासन देकर बुधवार को युवाओं का धरना खत्म करवा दिया। सातरोड के युवा अब इस मामले में हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज को शिकायत करने की योजना बना रहे हैं। सातरोड के नशा विरोधी समिति के प्रधान मनोज जाखड़ ने बताया कि वे अपने गांव सातरोड में नशा तस्करों को पकड़ने के लिए डेढ़ महीने से धरना दे रहे हैं। युवाओं ने बताया कि रात को चार नशा तस्करों को पकड़ कर हम थाने लेकर आए। हमने सिपाही को नशा दिया, सिपाही ने एसएचओ को फोन किया। इसके बाद हमें नशे की पुड़िया वापस पकड़ा दी और बाहर निकाल दिया। इस दौरान नशा तस्करों के समर्थन में पांचवां आदमी थाने में बैठा था। मनोज जाखड़ ने बताया कि इसके विरोध में युवाओं ने रात को थाने के बाहर कपड़े उतारकर पुलिस के रवैये के खिलाफ प्रदर्शन किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। रात को ही हमें नशा तस्करों ने धमकी भी दी।

हर महीने 100 भिखारियों को रोजगार दिलाएगी सरकार

जयपुर। जयपुर के जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया उन्होंने हर महीने रेस्क्यू किए गए 100 भिखारियों को रोजगार मुहैया करवाने के निर्देश प्रशासन को दिए हैं।

कलक्टर के निर्देश पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) मोहम्मद अबूबक्र की अगुवाई में जयपुर जिले में अभियान का सफल इम्प्लीमेंटेशन किया जा रहा है। एडीएम अबूबक्र ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा की पालना में चलाए जा रहे भिक्षावृति मुक्त अभियान के तहत जयपुर जिले में कुल 390 भिखारियों को रेस्क्यू किया गया है। अभियान के अगले चरण में जिला प्रशासन रेस्क्यू किए गए भिखारियों को स्किल डवलपमेंट और ट्रेनिंग के बाद गौशालाओं, मंदिर प्रबंधन समिति समेत अन्य कार्य स्थलों पर रेग्युलर रोजगार मुहैया करवाया जाएगा। अभी तक रेस्क्यू किए गए 22 भिखारियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है। अभियान के तहत भिखारियों को रेस्क्यू के बाद पुनर्वास (री-स्टैब्लिशमेंट) के लिए 4 पुनर्वास केंद्रों को चिन्हित किया गया है।

हत्यारोपियों को शरण, तीन गिरफ्तार

सोनीपत (हि.स.)। सोनीपत के छिछडाना में गोली मार कर दलबीर की हत्या कर दी गई थी इसी मामले में सीआईए स्टाफ गोहाना की पुलिस ने गोली मारकर हत्या करने के मामले में मुख्य आरोपियों को शरण देने वालों को बुधवार को तीन आरोपी गिरफ्तार किए हैं। सोनीपत के छिछडाना निवासी राहुलने थाना बरोदा में शिकायत दी थी कि तस्वीर, अशोक, अमित, आदित्य, भोलू, अमित, पप्पू, प्रदीप, मंजीत, राकेश उर्फ रोकी, मीता सभी निवासी छिछडाना व कुछ नाम पता ना मालूम व्यक्तियों थे इनमें से भोलू ने उसके पिता दलबीर की गोली मारकर हत्या कर दी थी व उसे भी गोली मारकर घायल किया था। पुलिस नेद मामला दर्ज किया और कार्रवाई करते हुए।

पहाड़ों पर बर्फबारी, मैदानों में बारिश, हिम की चादर से ढके पटनीटॉप-नत्थाटॉप

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में मौसम ने मिजाज बदल लिया है। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड का असर प्रदेश में भी बना हुआ है। मौसम बिगड़ने के बाद जहां पहाड़ों पर बर्फबारी का सिलसिला शुरू हो गया है, वहीं, मैदानी इलाकों में हल्की बारिश के बीच ठंडी हवाएं चलने से शीतलहर जारी है। जम्मू संभाग के प्रमुख पर्यटन स्थल पटनीटॉप और नत्थाटॉप में बर्फबारी शुरू हो गई है। हालांकि, पटनीटॉप में हल्की हल्का हिमपात हुआ है, लेकिन अभी मौसम खराब है जिस कारण रात को और बर्फबारी की संभावना है। मौसम बिगड़न के बाद से ही दोनों पर्यटन स्थलों पर सैलानियों का तांता लगना शुरू हो गया है। बुधवार दोपहर बाद प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नत्थाटॉप में मौसम का मिजाज बदलते ही ताजा हिमपात शुरू हो गया। देखते ही देखते नत्थाटॉप की चोटी सफेद चादर से ढक गई। नत्थाटॉप में सीजन का यह छठा ताजा हिमपात है। इससे पहले नवंबर, दिसंबर में बर्फबारी गिर हो चुकी है। लेकिन बुधवार को दोपहर बाद बर्फ के मोटे फाहे गिरने के बाद सैलानियों की खुशियां दोगुनी हो गईं। हर कोई इन यादगार पलों को मोबाइल सहित अन्य कैमरों में कैद करता दिखा है। सैलानियों का कहना था कि धरती का स्वर्ग है तो बस यहीं है। विज्ञापन जम्मू संभाग के विकसित पर्यटन स्थल नत्थाटॉप समेत जुगधार, देराटॉप, शिवगढ़ धार, सियोजधार सहित ऊंची चोटियों पर ताजा हिमपात हुआ है। इससे चिनैनी क्षेत्र सहित उधमपुर जिले शीतलहर की चपेट में है। ठंड से बचने के लिए लोगों का अलाव का सहारा लेते देखा गया। अधिकतर लोग घरों में दुबके रहे। बाजारों में भी आमद कम रही।

छह बच्चों के पिता संग फरार हुई तीन बच्चों की मां

जयपुर। राजस्थान के जोधपुर में एक महिला अपने तीन बच्चों को छोड़कर प्रेमी संग फरार हो गई। उसका प्रेमी भी पहले से शादीशुदा है और उसके छह बच्चे भी हैं। इधर, पत्नी के घर से फरार होने से

परेशान पति ने अपने खेत में पेड़ से लटक कर फांसी ली। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक भंवरलाल मेघवाल मतोड़ा थाना इलाके के बरसिंगो के बास गांव का रहने वाला था। पुलिस ने उसके पास एक सुसाइड नोट बरामद किया है। जिसमें उसने अपनी पत्नी और उसके प्रेमी समेत पांच लोगों को उसकी मौत का जिम्मेदाार बताया है। पुलिस ने बताया कि भंवरलाल की पत्नी करीब 6 महीने पहले अपने प्रेमी मोहनराम के साथ भाग गई थी। वह अपने तीन बच्चों को घर ही छोड़ गई थी। वहीं उसके प्रेमी मोहनराम के भी 6 बच्चे हैं। पत्नी के घर से जाने के बाद भंवरलाल ने मोहनराम के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर भंवरलाल की पत्नी किशना को दस्तयाब किया और उससे पूछताछ की। इस दौरान उसने अपनी प्रेमी के साथ रहने की ही इच्छा जताई थी। इसके बाद से भंवरलाल तनाव में था। ससुराल वालों से मदद मांगने पर भी उन्होंने उसकी कोई मदद नहीं की थी। इधर, पुलिस ने बताया कि भंवरलाल की पत्नी किशना अपने प्रेमी के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर करती थी। इससे वह और मानसिक तनाव में आ गया था। सोमवार को भंवरलाल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight and twenty five paisa) only are invited from the intending participants for Soil Moisture Conservation works by Civil construction works over Barjhar nala and vegetative wall along the contour of the RF land and Temporary prevention of bank erosion by bamboo palasiding work as detail below:

Sl. No.	Name of works	Unit	Estimated Amount (Rs. in Lakh)	Location	Earnest Money (in Rs.)
1	Soil Moisture Conservation works by Civil construction works over Barjhar nala and vegetaltive wall along the contour of the RF Land	1	23.116	Nakkati RF	2% for General 1% for Reserved Category (SC/ST/OBC)
2	Temporary prevention of bank erosion by bamboo palasiding work at Barjhar nala.	1	1.884	Nakkati RF	2% for General 1% for Reserved Category (SC/ST/OBC)

The Tenders will be received up to 2.00 P.M. (IST) on ***30-01-2023*** in the office of the Divisional Forest Officer, Aie Valley Division, Bongaigaon and will be opened on the same day at 3.30 P.M. (IST) in presence of the participants of tender or their authorized representatives. In the event of unforeseen bundh/holiday etc. the Tender will be received and opened on the next working at the same time.

Detailed particulars of the work and other terms and condition may be seen in the office of the undersigned during office hours. Tender papers and other details may be obtained from the office of the undersigned on any working day during working hours upto ***27.01.2023*** on payment of Rs. 100/- (Rupees hundred) only, Rs. 5/- (Rupees five) only for each set of tender notice and form respectively. The undersigned is not bound to accept the lowest bid and reserves the right to accept or reject any tender without assigning any reason thereof.

The right to participate in the tender is restricted to registered contractor of Assam Forest Department. Bidder are advised to ensure their eligibility before quoting. Tenders submitted by ineligible bidders shall not be considered and the same shall be summarily rejected.

Division Forest Officer
Aie Valley Division
Bongaigaon.

-- Janasanyog /C/ 18316 / 22

पांच अरुणाचल विद्युत परियोजनाओं को दो सीपीएसयू को सौंपा जाएगा

ईटानगर।

अरुणाचल प्रदेश सरकार ने 2820 मेगावाट की उत्पादन क्षमता वाली पांच समाप्त हो चुकी पनबिजली परियोजनाओं को दो केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) को सौंपने का फैसला किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक अधिकारी ने कहा कि इन पांच परियोजनाओं के लिए अगले 5-7 वर्षों में 40,000 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी।

पांच परियोजनाओं में से, दो जलविद्युत परियोजनाएं - नयिंग (1,000 मेगावाट) और हिरोंग (500 मेगावाट) - नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको), एमिनी (500मेगावाट), अमुलिन (420मेगावाट) और मिनंडन (400मेगावाट) सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड को विकास के लिए सौंपी जाएगी।

मंगलवार को मुख्यमंत्री पेमा खांडू की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में संभावित अनलॉक करने के लिए रुकी हुई जलविद्युत परियोजनाओं को सीपीएसयू में स्थानांतरित करने की सांकेतिक प्रक्रिया को मंजूरी दे दी गई।

सीएमओ अधिकारी ने कहा कि ये परियोजनाएं प्रति वर्ष लगभग 500 करोड़ रुपये और स्थानीय क्षेत्र विकास (एलएडी) के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये का राजस्व प्रदान करेंगी।

आधिकारिक ब्यान में आगे कहा गया है कि, 12,343 मेगावॉट उत्पादन क्षमता वाली 13 प्राथमिकता वाली परियोजनाओं पर काम शुरू करने की कार्य योजना तैयार की गई है। इससे 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा और राज्य को 2,000 करोड़ रुपये का राजस्व और एलएडी के लिए लगभग 350 करोड़ रुपये प्रति वर्ष मिलेगा।

इसमें कहा गया है कि अरुणाचल प्रदेश अपनी जलविद्युत के माध्यम से गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता में प्रमुख योगदान देगा।

ब्यान में आगे कहा गया है कि, जलविद्युत नवीकरणीय ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है और यदि इसका उपयोग किया जाता है तो बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश के साथ-साथ मुफ्त बिजली, स्थानीय क्षेत्र विकास निधि, रोजगार, अनुबंध और व्यापार के अवसर, सामाजिक क्षेत्र जैसे प्रावधानों के माध्यम से क्षेत्र का चौतरफा सामाजिक आर्थिक विकास होगा।

कैबिनेट ने अपनी बैठक में यह भी मंजूरी दी कि बिजली क्षेत्र से राज्य सरकार द्वारा उत्पन्न राजस्व को सरकारी बॉन्ड में निवेश किया जाएगा जिसका उपयोग अरुणाचल प्रदेश के विकास के लिए किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

विश्व बैंक ने 2023 के लिए ग्लोबल ग्रोथ रेट का अनुमान घटाया, तीन दशक में सबसे कमजोर आर्थिक विकास

नई दिल्ली । विश्व बैंक ने मंगलवार को अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा है कि उसने 2023 के लिए वैश्विक विकास दर के अनुमान को घटाकर 1.7 फीसदी कर दिया है, जो पहले तीन फीसदी हुआ करता था। वित्तीय निकाय ने यह भी कहा कि दुनिया की दिग्गज अर्थव्यवस्थाओं (अमेरिका, चीन और यूरोप) के विकास दर में गिरावट के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था मौजूदा वर्ष में मंदी के करीब रहेगी। जारी रिपोर्ट में विश्व बैंक की ओर से की गई भविष्यवाणी अगर सच साबित होती है तो यह तीन देश में तीसरा मौका होगा, जब आर्थिक विकास सबसे कमजोर होगा। इससे पहले 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट, 2020 के कोरोना महामारी के चलते वैश्विक विकास दर में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका इस वर्ष मंदी से बच सकता है। हालांकि उसकी विकास दर सिर्फ 0.5 फीसदी रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना महामारी और यक्रेन संघर्ष के कारण अमेरिका में सप्लाई चेन में व्यवधान पैदा हो सकता है। चीन की कमजोरक अर्थव्यवस्था का यूरोप को खामियाजा उठाना पड़ सकता है। इसमें आगे कहा गया है कि अमेरिका और यूरोप में बढ़ती ब्जाय दरों के चलते गरीब देशों से निवेश को आकर्षित करेगा, जिससे इन देशों में निवेश का संकट का पैदा हो सकता है।

विस्ट्रॉन प्लांट खरीदने के करीब टाटा ग्रुपः आईफोन बनाने वाली पहली इंडियन कॉर्पोरेट बनेगी टाटा कंपनी

नई दिल्ली । टाटा ग्रुप जल्द आईफोन बनाने वाला पहला भारतीय समूह बन जाएगा। टाटा ताइवान की कांट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी विस्ट्रॉन का बेंगलुरू प्लांट खरीदने के करीब पहुंच गया है। समूह की कोशिश है कि विस्ट्रॉन के साथ डील 31 मार्च तक पूरी कर ली जाए, ताकि 1 अप्रैल से शुरू होने वाले नए वित्त वर्ष से टाटा ग्रुप के नेतृत्व में आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग शुरू हो जाए। सूत्रों के मुताबिक दोनों पक्षों ने विभिन्न संभावित पार्टनरशिप को लेकर चर्चा की है। अब यह बातचीत इस पर केंद्रित हो गई है कि टाटा ग्रुप एक संयुक्त उद्यम में प्रमुख हिस्सेदारी लेगा। टाटा ग्रुप विस्ट्रॉन की मदद से प्लांट के मुख्य मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन की देखरेख करने को तैयार है। ग्रुप चाहता है कि 31 मार्च तक ड्यू डिजिलेंस (जांच-पड़ताल) की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए, ताकि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स पीएलआई स्कीम का हिस्सा बन सके। इन इन्सेंटिव का अगला चक्र 1 अप्रैल 2023 से शुरू होना है।

बैंक ऑफ इंडिया में FD पर अब मिलेगा ज्यादा ब्याजः बैंक ऑफ इंडिया सीनियर सिटीजन को दे रहा है 7.55प्रतिशत का ब्याज

बैंक ऑफ़ इंडिया
Bank of India

नई दिल्ली । बैंक ऑफ इंडिया ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की है। बैंक ने 10 जनवरी 2023 से 2 करोड़ से कम की 444 दिनों की स्पेशल फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों को बढ़ाया है। बैंक ऑफ इंडिया की ओर से की गई इस बढ़ोतरी के बाद सीनियर सिटीजन को हर साल 0.50प्रतिशत की अतिरिक्त ब्याज दर की सौगात दी जा रही है। बैंक की वेबसाइट के मुताबिक, इस रिविजन के बाद बैंक अपने जनरल कस्टमर्स के लिए 444 दिनों की स्पेशल फिक्स्ड डिपॉजिट पर हर साल 7.05प्रतिशत ब्याज दर दे रहा है। वहीं सीनियर सिटीजन के लिए बैंक अपनी 444 दिनों की फिक्स्ड डिपॉजिट पर 7.55प्रतिशत और 2 से 5 साल से कम तक की समय अवधि वाली फिक्स्ड डिपॉजिट पर हर साल 7.25प्रतिशत की ब्याज दर देगा। जनरल कस्टमर्स के लिए 7 दिनों से 10 साल में मैच्योर होने वाली अन्य फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरें 3प्रतिशत से 6.75प्रतिशत के बीच हैं। रिवाइज्ड ब्याज दरें डोमेस्टिक डिपॉजिट्स के लिए लागू हैं। रेपो रेट में बढ़ोतरी के बाद कई बैंकों ने बढ़ाई ब्याज दरें बैंक ऑफ इंडिया के पहले बीते दिनों यस बैंक समेत कई बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। बता दें कि पिछले साल रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने रेपो रेट में बढ़ोतरी की थी।

क्यों भारत नहीं आता दुनिया का सबसे बड़ा जहाज एवर अलॉट, श्रीलंका के बंदरगाह जाने की क्या मजबूरी

नई दिल्ली ।

दुनिया का सबसे बड़ा मालवाहक जहाज एवर अलॉट हमारे पड़ोसी देश मलेशिया और श्रीलंका तो पहुंचता है पर यह हमारे देश के बंदरगाहों पर नहीं पहुंचता। यह जहाज लंबाई के मामले में अमेरिका के इंपीरियल स्टेट बिल्डिंग के बराबर है। आइए जानते हैं दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद यह विशाल कंटेनर भारत का रुख क्यों नहीं करता

बंदरगाहों पर बुनियादी ढांचे की कमी मेक इन इंडिया के सपने की राह का रोड़ा - भारत को दुनिया का निर्माण हब बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को देश में बंदरगाहों के अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण झटका लग रहा है। बड़े कंटेनर जहाजों को आकर्षित करने में देश की अक्षमता मेक इन इंडिया के मार्ग का सबसे बड़ा रोड़ा है। भारतीय तटों पर मौजूद अधिकांश बंदरगाह एवर अलॉट जैसे जहाजों को संभालने के लिए पर्याप्त गहरे नहीं हैं। एवर अलॉट 400 मीटर लंबा दुनिया का सबसे बड़ा बॉक्सशिप है और इसमें 24,000 से अधिक बीस फुट के बराबर की इकाइयों को लोड करने की क्षमता है। इंपीरियल स्टेट बिल्डिंग की लंबाई वाला एवर अलॉट जहाज हाल के महीनों में भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका के साथ-साथ मलेशिया जैसे देशों के बंदरगाहों पर पहुंचा, पर यह भारत नहीं पहुंचा। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत के लिए यह स्थिति वाकई अच्छी नहीं है।

भारत के सबसे बड़े सरकारी पोर्ट पर भी विशालकाय जहाजों को हैंडल करने की क्षमता नहीं - भारत की सबसे बड़ी सरकारी कंटेनर हैंडलिंग सुविधा जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के पास भी एवर अलॉट जैसे दुनिया के बड़े जहाजों को नेविगेट करने के लिए जरूरी 17 मीटर का ड्राफ्ट नहीं है। अरबपति गौतम अदाणी के समूह की ओर से संचालित मुंद्रा पोर्ट हालांकि ऐसे जहाजों को हैंडल करने का दावा करता है। 17,292-टीईयू एपीएल रैफल्स जनवरी 2022 में 13,159 टीईयू के साथ वहां पहुंचने वाला अब तक का सबसे बड़ा जहाज है। ड्रूरी मैरीटाइम एडवाइजर्स के निदेशक शैलेश गर्ग ने कहा, बड़े जहाजों को डॉक करने की सुविधा असल में अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करते हैं। हालांकि, अकेले जहाज का आकार बढ़ाने से भीतरी इलाकों से माल की आवाजाही में तेजी लाने में मदद नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि बंदरगाहों से गोदामों, कारखानों और दुकानों तक सड़क और रेल संपर्क में भी सुधार की जरूरत है।

खराब शिपिंग कनेक्टिविटी से वैश्विक स्तर पर भारत की व्यापारिक क्षमता प्रभावित हो रही - 2022 में भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, खराब शिपिंग कनेक्टिविटी ने वैश्विक मूल्य श्रृंखला से भारत के जुड़ने के मार्ग में बाधा डाली है। आरबीआई ने कहा कि देश ने जीवीसी भागीदारी सूचकांक में 34प्रतिशत स्कोर किया, जबकि 10 सदस्यीय दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संघ के लिए यह स्कोर 45.9प्रतिशत था। एक अलग रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में वियतनाम 50प्रतिशत स्कोर के साथ सबसे ऊपर था। मुंद्रा पोर्ट ने वियतनाम की ओर से एक समान श्रेणी के जहाज का स्वागत करने के तीन साल बाद एपीएल रैफल्स की मेजबानी की। इससे पता चलता है कि एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था व्यापार के बड़े हिस्से के लिए प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने का किस हद तक जोखिम मोल ले रही है। विश्व बैंक समूह और एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की ओर से संकलित सूचकांक में मुंद्रा भारत का सर्वोच्च रैंकिंग वाला बंदरगाह है। इस रैंकिंग में भारत को 48वां स्थान मिला है।

जानकारों का दावा- भारतीय बंदरगाह बड़े जहाजों की पूरी क्षमता का उपयोग करने लायक नहीं - कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी को 14प्रतिशत से बढ़ाकर 25प्रतिशत करने का लक्ष्य प्रभावित हो रहा है। वैश्विक वस्तुओं के निर्यात में देश के हिस्से को 2027 तक 3प्रतिशत और 2047 तक 10प्रतिशत तक बढ़ाने के मोदी सरकार का लक्ष्य भी इससे प्रभावित हो रहा है यह फिलहाल 2.1प्रतिशत है। एपी मोलर-मार्सक ए/एस ने ईमेल के जरिए पूछे गए सवालों के जवाब में कहा, भारत में मौजूदा बंदरगाह और टर्मिनल पर मौजूद बुनियादी ढांचा विशालकाय जहाजों की पूरी ताकत का उपयोग करने की संभावना को सीमित सीमित करते हैं। इनमें बंदरगाहों पर मौजूद ड्राफ्ट्स, कार्गो लोड और अनलोडिंग के लिए उपयोग किए जाने वाले टर्मिनलों पर क्रेन और पोर्ट थ्रूपुट क्षमता शामिल हैं।

यहां गौर करने वाली दूसरी बात यह है कि भारतीय आयातक और निर्यातक देश भर में फैले हुए हैं और उनके संचालन स्थल के करीब बंदरगाह से कार्गो भेजने और प्राप्त में लागत समय अधिक लगता है।

प्रधानमंत्री वाराणसी में टेंट सिटी का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वाराणसी में टेंट सिटी का उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि परियोजना को शहर के घाटों के सामने विकसित किया गया है, जो विशेष रूप से काशी विश्वनाथ धाम के उद्घाटन के बाद से वाराणसी में रहने की सुविधा प्रदान करेगा और पर्यटकों की बढ़ती संख्या को पूरा करेगा। इसे पीपीपी मोड में वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित किया गया है। पर्यटक आसपास के विभिन्न घाटों से नावों द्वारा टेंट सिटी पहुंचेंगे। यह हर साल अक्टूबर से जून तक चालू रहेगा।

शुक्रवार को प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल में हल्दिया मल्टी मॉडल टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे।

जल मार्ग विकास परियोजना के तहत विकसित, टर्मिनल में लगभग 3 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) की कार्गो हैंडलिंग क्षमता है और बर्थ को लगभग 3000 डेडवेट टनेज (डीडब्ल्यूटी) तक जहाजों को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसके अलावा, पीएम गाजीपुर जिले के सैदपुर, चोचकपुर, जमानिया और उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के कंसपुर में चार फ्लोटिंग कम्युनिटी जेटी का भी उद्घाटन करेंगे।

इसके अलावा, बिहार में पटना जिले के दीघा, नकटा दियारा, बाढ़, पानापुर और समस्तीपुर जिले के हसनपुर में पांच सामुदायिक घाटों की आधारशिला रखी जाएगी।

आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और क्षेत्र में स्थानीय समुदायों की आजीविका में सुधार के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में गंगा नदी के किनारे 60 से अधिक सामुदायिक घाटों का निर्माण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री गुवाहाटी में पूर्वोत्तर के लिए समुद्री कौशल विकास केंद्र का भी उद्घाटन करेंगे, जो इस क्षेत्र में समृद्ध प्रतिभा पूल को निखारने में मदद करेगा और फलते-फूलते रसद उद्योग में रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करेगा।

डेस्कटॉप वर्चुअलाइजेशन फर्म साइट्रिक्स ने छंटनी शुरू की, हजारों प्रभावित

सैन फ्रांसिस्को।

डेस्कटॉप वर्चुअलाइजेशन कंपनी साइट्रिक्स सिस्टम्स ने बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू कर दी है, जिसमें हजारों कर्मचारियों को पिंक स्लिप सौंपी गई है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सीआरएन ने सूत्रों के हवाले से बताया कि क्लाउड वेंडर साइट्रिक्स की मूल कंपनी क्लाउड सॉफ्टवेयर ग्रुप (सीएसजी) और एंटरप्राइज एप्लिकेशन वेंडर टिब्को ने क्रूर तरीके से छंटनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है, यह एक भयानक दिन है, बहुत सारे अच्छे साइट्रिक्स कर्मचारियों के साथ परिवार और बच्चे कंपनी छोड़ रहे हैं। यह क्रूर है। छंटनी ने साइट्रिक्स के कमर्शियल सेल्स ऑर्गेनाइजेशन के साथ-साथ कुछ चैनल-फेसिंग कर्मचारियों को भी प्रभावित किया।

नौकरी से निकाले गए कई कर्मचारियों ने अपनी परेशानी साझा करने के लिए लिंक्डइन का सहारा लिया - साइट्रिक्स में लीड नेटस्केलर सेल्स इंजीनियर मार्क सीमन्स को पोस्ट किया, साइट्रिक्स के कई अन्य लोगों की तरह, आज के बड़े पैमाने पर पुनर्गठन में मैं फंस गया था। मैं पिछले 22 वर्षों से साइट्रिक्स से जुड़ा हुआ हूं, या तो फुल टाइम सेल्स इंजीनियर या कॉन्ट्रेक्ट मास्टर प्रशिक्षक के रूप में। मैं किसी भी चीज के लिए उन अनुभवों का व्यापार नहीं करूँगा। उन्होंने कहा, आज की छंटनी में फंसे मेरे सभी साथियों को शुभकामनाएं। यह अंत नहीं है, बल्कि केवल एक ट्रांसिशन है। साइट्रिक्स के क्षेत्रीय प्रबंधक शॉन हॉन ने कहा कि दुर्भाग्य से, मैं साइट्रिक्स में छंटनी से प्रभावित कई लोगों में से एक रहा हूं। हॉन ने पोस्ट किया, यदि आप या आपके नेटवर्क में किसी की खाता प्रबंधन या अंदरूनी पक्षों में कोई खुली भूमिका है, तो कृपया संपर्क करें! किसी भी कनेक्शन, सलाह या अवसरों के लिए अग्रिम धन्यवाद, जिसे आप साझा कर सकते हैं।

क्लाउड सॉफ्टवेयर ग्रुप (सीएसजी) या साइट्रिक्स ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

फिर बेबी पाउडर बेच सकेगा जॉनसन : बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार के आदेश को किया रद्द

नई दिल्ली।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने जॉनसन एंड जॉनसन को राहत देते हुए कंपनी को उसके मुलुंड प्लांट में बनने वाले बेबी पाउडर को बेचने की अनुमति दे दी है। जॉनसन के बेबी पाउडर मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस को महाराष्ट्र सरकार ने कैंसिल कर दिया था। इस फैसले को कंपनी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि कॉस्मैटिक्स प्रोडक्ट्स की क्वालिटी और सेफ्टी स्टैंडर्ड को बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन किसी एक प्रोडक्ट में मामूली कमी होने पर पूरी मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस को बंद करना उचित नहीं है।

नवंबर में दिए थे जांच के आदेश - इससे पहले नवंबर महीने में हाईकोर्ट ने जॉनसन एंड जॉनसन के बेबी पाउडर सैंपल की फिर से जांच करने के आदेश दिए थे। जॉनसन के बेबी पाउडर मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस को महाराष्ट्र सरकार ने कैंसिल कर दिया था। इसके आदेश 15 और 20 सितंबर को दिए थे। पहले आदेश में मुलुंड प्लांट में बेबी पाउडर बनाने का लाइसेंस कैंसिल किया गया था। दूसरे आदेश में मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन रोकने को कहा गया था। हाईकोर्ट इन आदेशों के खिलाफ कंपनी की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये फैसला सुनाया है।

2018 में सैंपल लिए, 2019 में रिपोर्ट आई थी - दिसंबर 2018 में एक औचक निरीक्षण के दौरान क्वालिटी चेक के लिए पुणे और नासिक से जॉनसन एंड जॉनसन के टैल्क-आधारित बेबी पाउडर के सैंपल लिए थे। इनमें मुलुंड प्लांट में बने सैंपल को स्टैंडर्ड क्वालिटी का नहीं माना गया था। 2019 में आए टेस्ट के रिजल्ट में कहा गया था कि सैंपल 2004 (सेकेंड रिवीजन अमेंडमेंट नंबर 3) टेस्ट में शिशुओं के लिए त्वचा पाउडर के स्पेसिफिकेशन का अनुपालन नहीं करता है। बाद में, कंपनी को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत कारण बताओ नोटिस दिया गया था।

2040 तक वैश्विक ऊर्जा जरुरतों का 25प्रतिशत पूरा करेगा भारत, किया इस प्लान का खुलासा

नई दिल्ली।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि देश की ऊर्जा सुरक्षा चार स्तरीय रणनीति पर आधारित है। इन रणनीतियों में आपूर्ति के स्रोतों को विविध रूप देना, घरेलू स्तर पर ज्यादा-से-ज्यादा तेल और गैस का पता लगाना व उत्पादन करना, ऊर्जा बदलाव के तहत वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग और गैस व हरित हाइड्रोजन को अपनाना है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत 2040 तक वैश्विक ईंधन मांग में 25प्रतिशत योगदान देगा और 2025 तक पेट्रोल में 20प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण हासिल करेगा।

देश अपनी कुल तेल जरूरतों का 85 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 50 प्रतिशत आयात के जरिये पूरा करता है। गन्ने और अन्य कृषि उपज से प्राप्त एथनॉल को पेट्रोल में मिलाया जा रहा है ताकि आयात पर निर्भरता को कम किया जा सके। पुरी ने कहा कि वर्ष 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा, ''भारत 1973 के तेल संकट के बाद से दुनिया के सबसे विकट ऊर्जा संकट से बाहर निकलने में सक्षम रहा है। इसका श्रेय चार स्तरीय ऊर्जा सुरक्षा रणनीति को जाता है। यह रणनीति है, आपूर्ति के स्रोतों को विविध रूप देना, घरेलू स्तर पर ज्यादा-से-ज्यादा तेल एवं गैस का पता लगाना और उत्पादन करना तथा ऊर्जा बदलाव के तहत वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग एवं गैस आधारित अर्थव्यवस्था, हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाना है।

भारत 2006-07 में 27 देशों से तेल आयात करता था। यह संख्या 2021-22 में बढ़कर 39 हो गयी। नये आपूर्तिकर्ताओं में कोलंबिया, रूस, लीबिया, गैबन और इक्वेटोरियल गिनी शामिल हैं।

रूस के यूक्रेन पर हमले से ऊर्जा की कीमतें बढ़ीं लेकिन भारत में ग्राहकों पर इसका खास असर नहीं हुआ क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा तेल कंपनियों ने इस वृद्धि के बावजूद दाम नहीं बढ़ाये।

पुरी ने कहा कि देश में सर्वाधिक इस्तेमाल वाले ईंधन डीजल के दाम में दिसंबर, 2021 से दिसंबर, 2022 के दौरान केवल तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं अमेरिका में इसमें 34 प्रतिशत, कनाडा में 36 प्रतिशत, स्पेन में 25 प्रतिशत और ब्रिटेन में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

डीजल का दाम दिसंबर, 2021 में 86.67 रुपये प्रति लीटर था जो एक साल में बढ़कर 89.62 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया। वहीं पेट्रोल की कीमत इस अवधि में 95.41 रुपये लीटर से बढ़कर 96.72 रुपये लीटर हो गयी।

उत्पाद शुल्क में कटौती से कीमत वृद्धि से राहत दी गयी। सरकार ने 2020 में महामारी के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा के दाम में नरमी आने पर पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में 13 रुपये प्रति लीटर और डीजल के मामले में 15 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इस बढ़ोतरी को नवंबर, 2021 और मई, 2022 में दो चरणों में वापस लिया गया था।

साथ ही, कुछ राज्यों ने उपभोक्ताओं को राहत देने को लेकर ईंधन पर वैट (मूल्य वर्धित कर) या स्थानीय बिक्री कर में कटौती की।

पुरी ने कहा कि सरकार देश में तेल और गैस खोज क्षेत्र 2025 तक पांच लाख वर्ग किलोमीटर तथा 2030 तक 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। बड़े क्षेत्र में खोज से तेल और गैस के नये क्षेत्र मिलेंगे। इससे घरेलू स्तर पर तेल और गैस का उत्पादन बढ़ेगा जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी।

केजीएफ फिल्म का तीसरा भाग 2025 में शुरू होगा

-निर्माता होम्बेल फिल्म्स ने दिए संकेत

मुंबई (ईएमएस)। सुरपहिट फिल्म केजीएफ-2 के बाद से मीडिया में लगातार इसके तीसरे भाग की सुगबुगाहट सुनाई देती रही है। अब इस फिल्म के तीसरे भाग को लेकर इसके निमार्ता होम्बेल फिल्म्स ने संकेत दिए हैं। केजीएफ के स्टार अभिनेता यश के जन्म दिन के मौके पर निमार्ताओं ने केजीएफ-3 के बारे में संकेत देते हुए कहा कि इस फिल्म का तीसरा भाग वर्ष 2025 में शुरू होगा। इस फिल्म को 2026 में प्रदर्शित किया जाएगा। गौरतलब है कि गत वर्ष आए केजीएफ सीरीज के दूसरे भाग ने बॉक्स ऑफिस पर 1250 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करते हुए स्वयं को वर्ष की सफलतम फिल्मों की सूची में पहले पायदान पर विराजित किया था। इस फिल्म के हिन्दी संस्करण से बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के कई भाग आएंगे। फिलहाल इस सीरीज के निर्देशक प्रशांत नील प्रभास को लेकर सालार में व्यस्त हैं जिसके चलते यह अभी दो साल बाद फ्लोर पर जाएगी। सालार आगामी वर्ष प्रदर्शित होगी। केजीएफ-2 के क्लाइमैक्स में निर्देशक ने इस फिल्म के तीसरे भाग का संकेत दे दिया था। दूसरे भाग में यश संजय दत्त रवीना टंडन और श्रीनिधि शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। इसके अतिरिक्त फिल्म में मालविका अविनाश प्रकाश राज ईश्वरी राव और सरन ने सहायक भूमिकाओं को निभाया था। केजीएफ-2 रॉकी के उत्थान और पतन पर आधारित थी वहीं उसके अन्त में रॉकी और उसके सम्पूर्ण सोने को समुद्र की गहराई में दिखाया गया था। उसके बाद दृश्य बदलता है एक बोट को परदे पर दिखाया जाता है।

अजय देवगन की मैदान अब मई में होगी प्रदर्शित

-फुटबॉल कोच के रूप में नजर आएंगे देवगन

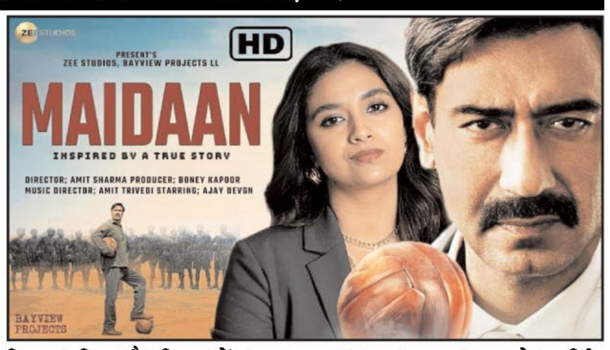

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर अजय देवगन अभिनीत फिल्म मैदान अब मई महीने में प्रदर्शित होगी। इसमें अजय देवगन फुटबॉल कोच के रूप में नजर आएंगे। वर्ष 2023 में जिन फिल्मों में अजय देवगन नजर आने वाले हैं उनमें उनकी फिल्म मैदान भी शामिल है जिसमें वे फुटबॉल कोच के रूप में नजर आएंगे। इस फिल्म की प्रदर्शन तिथि पहले भी कई बार बदली जा चुकी है। अब एक बार फिर से इस फिल्म की प्रदर्शन तिथि में बदलाव किया गया है। प्राप्त समाचारों के अनुसार फरवरी 2023 में कई फिल्मों का प्रदर्शन होना है। इसी के कारण अजय नहीं चाहते हैं कि उनकी फिल्म बाकी फिल्मों के बीच फंसे और बॉक्स ऑफिस पर असर पड़े। इस वजह से उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने की निमार्ताओं से अपील की थी। निमार्ताओं ने अजय की बात को स्वीकार करते हुए इसे आगे बढ़ा दिया है। मैदान का निर्देशन अमित शर्मा ने किया है और निर्माण बोनी कपूर जी स्टूडियो अरुणवा जॉय सेनगुप्ता और आकाश चावला ने मिलकर किया है। फिल्म में अजय देवगन फुटबॉलर कोच अब्दुल रहीम की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में अजय देवगन के अतिरिक्त प्रियामणि (चेन्नई एक्सप्रेस द फैमिली मैन फेम) रुद्रानी घोष और गजराव राव भी नजर आएंगे। फिल्म में वर्ष 1952 से लेकर 1962 तक के सालों का भारतीय फुटबाल का दौर दिखाया जाएगा। इन 10 वर्षों को भारतीय फुटबाल का सुनहरा दौर कहा जाता है। फुटबालर अब्दुम रहीम के नेतृत्व में भारतीय फुटबाल टीम 1956 के ओलम्पिक्स में सेमीफाइनल तक पहुँची थी। गौरतलब है कि मैदान सबसे पहले 15 अक्टूबर 2021 को प्रदर्शित होने वाली थी। लेकिन कोविड के माहौल के चलते पूरी तरह से सिनेमाघर नहीं खुले थे जिसके चलते फिल्म की प्रदर्शन तिथि को बदल कर जून 2022 कर दिया गया। किन्हीं कारणों के चलते फिल्म अपनी प्रदर्शन तिथि जून 2022 में प्रदर्शित न हो सकी जिसके चलते उसे आगे सरकाते हुए 17 फरवरी 2023 कर दिया गया था। अब जब फिल्म की प्रदर्शन तिथि नजदीक आ रही थी तभी अचानक से इस फिल्म को एक बार फिर पोस्टपोन कर दिया गया है। अब मैदान 12 मई 2023 को सिनेमाघरों में उतरेगी।

रवींद्रनाथ टैगोर के गीत 'पुरानो सेई' से सजी फिल्म लकड़बग्घा बड़े पर्दे पर 13 जनवरी को

एनिमल लवर्स के लिए खासतौर पर तैयार की गई देश की पहली एक्शन थ्रिलर फिल्म 'लकड़बग्घा' में रवींद्रनाथ टैगोर का 'पुरानो सोई...' गीत सुनने को मिलेगा। यह गीत इस फिल्म का हिस्सा है। यह फिल्म 13 जनवरी को रिलीज होगी। इसके मुख्य कलाकारों ने कोलकाता में मंगलवार को रूट्स में इस गीत को लॉन्च किया। फिल्म के मुख्य कलाकारों में अंशुमन झा, रिद्धि डोगरा, मिलिंद सोमन और परेश पाहुजा हैं। बेल्जियन मेस्ट्रो सिमोन फ्रांस्वेट ने इस पूरे गाने को नए तरीके से संगीतबद्ध किया है। इसे सुरों से श्रुति पाठक ने सजाया है। इससे पहले कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में इसका प्रीमियर हो चुका है। यह फिल्म अवैध पशु व्यापार उद्योग की कुछ वास्तविक घटनाओं पर केंद्रित है। अंशुमन झा का कहना है दर्शक लकड़बग्घा में इस गाने की क्लासिक प्रस्तुति से रूबरू होंगे। यह सार्वभौमिक फिल्म है। रिद्धि डोगरा इसमें अक्षरा की भूमिका में हैं। मिलिंद सोमन का कहना है कि मार्शल आर्ट के रूप में क्राव मागा को इस फिल्म की स्क्रिप्ट में शामिल करना सुखद है। इस फिल्म के निमार्ता फर्स्ट रे फिल्म्स हैं। यह भी संयोग है कि 13 जनवरी को ही नवोदित निर्देशक आसमान भारद्वाज की पहली फिल्म कुत्ते भी रिलीज हो रही है। नए साल के दूसरे शुक्रवार को बॉक्स ऑफिस पर इन दोनों की दिलचस्प जंग शुरू होगी। वन्यप्राणियों पर केंद्रित फिल्में पहले भी आ चुकी हैं। इनमें हाथी मेरे साथी, कन्नड़ फिल्म 777 चार्ली और कांतारा प्रमुख हैं। लकड़बग्घा के निर्देशक विक्टर मुखर्जी का कहना है कि यह फिल्म भारतीय अभयारण्यों से पशुओं की समुद्र के रास्ते होने वाली अंतरराष्ट्रीय तस्करी पर केंद्रित है। अभिनेता अंशुमन झा इसमें जानवरों के रक्षक के किरदार में हैं। कुछ समय पहले वन्य जीवन पर आधारित अभिनेता वरुण धवन की फिल्म भेड़िया भी रिलीज हो चुकी है।

चिरंजीवी पुनः वाल्टेयर वीरय्या के जरिए होंगे दर्शकों के सामने

- फिल्म का ट्रेलर जारी सुपरस्टार की होगी दमदार वापसी

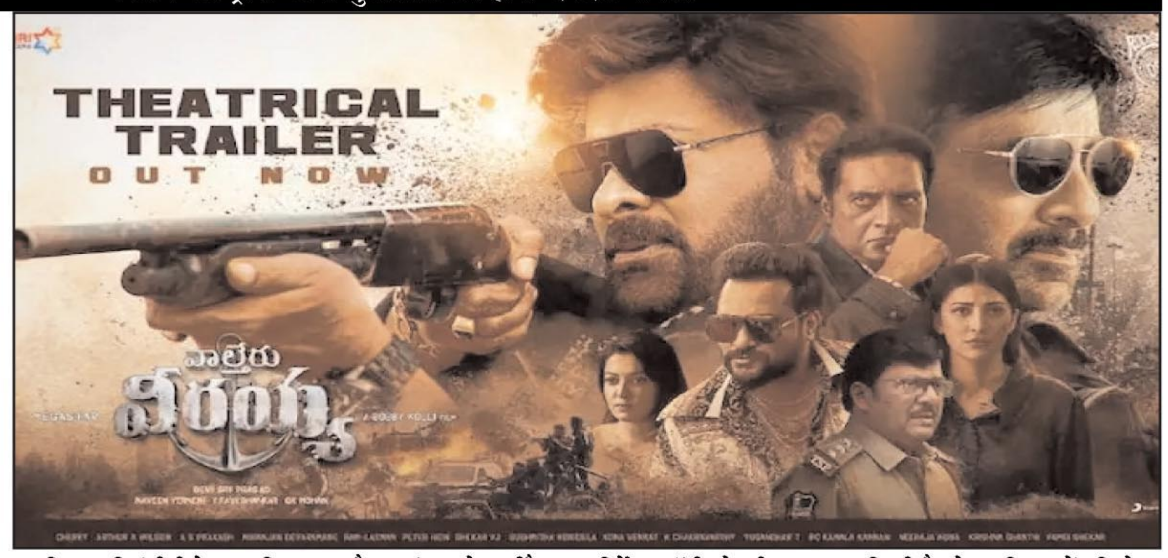

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता चिरंजीवी पुनः अपनी फिल्म वाल्टेयर वीरय्या के जरिये दर्शकों के सामने हाजिर हो रहे हैं। मकर संक्रांति व पोंगल के अवसर पर प्रदर्शित होने वाली इस फिल्म का ट्रेलर जारी हो गया है। चिरंजीवी इस फिल्म के माध्यम से अपनी पिछली दोनों असफलताओं को भुलाते हुए बॉक्स ऑफिस अपने नाम की धूम मचाने में सफल होंगे। जैसा कि टीजर में वादा किया गया था ट्रेलर से लगता है कि यह फिल्म एक पूरी तरह से जबरदस्त एंटरटेनर होगी। मेगास्टार चिरंजीवी के प्रशंसक जाहिर तौर पर एक ट्रीट के लिए तैयार हैं। जैसा कि टीजर में बताया गया है वह द्रव्यमान का प्रतीक है और उसका लुक इसे परिभाषित करता है। ट्रेलर में एक्शन रोमांस और ढेर सारा ड्रामा है ! रवि तेजा के प्रवेश के साथ उत्साह और मजा दोगुना हो जाता है।एक्शन ड्रामा वाल्टेयर वीरय्या में नकारात्मक भूमिका निभाने वाले रोहित पाठक ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में कुछ दिलचस्प बातों का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि वह फिल्म में एक समुद्री डाकू की भूमिका निभाते हैं जो उबड़-खाबड़ समुद्र से प्यार करता है और उसे तटीय रेखा की एक त्रुटिहीन समझ है। वाल्टेयर वीरय्या में मेगास्टार का पहला फाइट सीन क्या होगा यह किरदार चिरंजीवी के साथ भिड़ जाता है। यह एक नकारात्मक चरित्र है। यह एक काल्पनिक कहानी है और मैं एक बांग्लादेशी का किरदार निभा रहा हूं जो समुद्र का राजा है। आप उसे समुद्री डाकू कह सकते हैं। वह तटीय रेखा से इस हद तक परिचित हैं कि वह मुख्य रूप से उबड़-खाबड़ समुद्र में यात्रा करते हैं। मैं चिरंजीवी के इंट्रो सीन का हिस्सा हूं। वाल्टेयर वीरैय्या का निर्देशन बॉबी कोल्ली ने किया है। श्रुति हासन चिरंजीवी के साथ पहली बार करियर में रोमांस करती नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स के नवीन येरनेनी और वाई रविशंकर द्वारा किया गया है जबकि जीके मोहन सह-निमार्ता हैं। जबकि कहानी और संवाद खुद बॉबी ने लिखे हैं कोना वेंकट और के चक्रवर्ती रेड्डी ने पटकथा लिखी है। लेखन विभाग में हरि मोहन कृष्णा और विनीत पोतलुरी भी शामिल हैं। वाल्टेयर वीरय्या बॉक्स ऑफिस पर वीरा सिम्हा रेड्डी से टकराएंगी। दिलचस्प बात यह है कि दोनों फिल्में मैथरी मूवी मेकर्स द्वारा समर्थित हैं। उन्हें विजय अभिनीत वारिसु और अजीत कुमार के नेतृत्व वाली थुनिवू से भी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।

वीरा सिम्हा रेड्डी आज होगी रीलिज

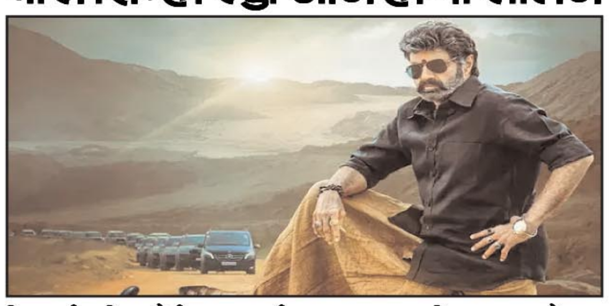

फिल्म वीरा सिम्हा रेड्डी 12 जनवरी को स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है। इस फिल्म का ट्रेलर जारी किया जा चुका है। टेलर देखने के बाद कहा जा रहा है कि यह बॉक्स ऑफिस पर बड़ी ओपनिंग लेने में सफल होगी। ट्रेलर में नंदामुरी बालकृष्ण को एक गहन अवतार में दिखाया गया है जो उनकी रील छवि के साथ न्याय करता है। वीरा सिम्हा रेड्डी एक एक्शनर है जिसका निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। शुक्रवार 6 जनवरी को मिथ्री मूवी मेकर्स ने नंदमुरी बालकृष्ण की आगामी फिल्म वीरा सिम्हा रेड्डी के आधिकारिक ट्रेलर का अनावरण किया। वीरा सिम्हा रेड्डी में नंदमुरी बालकृष्ण का किरदार जनता के एक ऐसे व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है जिसे कोई डर नहीं है। ट्रेलर में ढेर सारे एक्शन सीक्वेंस हैं। ये उनके उत्साही प्रशंसकों को पूरा करते हैं। साथ ही तालियाँ बजाऊ एक लाइन के पंच डायलॉग्स भी हैं।वीरा सिम्हा रेड्डी एक एक्शन ड्रामा है जिसमें नंदामुरी बालकृष्ण को एक जननेता के रूप में दिखाया गया है। कलाकारों में श्रुति हासन वरलक्ष्मी सरथकुमार और दुनिया विजय शामिल हैं। वकील साब अभिनेत्री के साथ बालकृष्ण की यह पहली फिल्म होगी। यह सैंडलवुड अभिनेता के टॉलीवुड डेब्यू को भी चिन्हित करता है।

पठान के जरिए दमदार वापसी कर रहे शाहरुख खान

बालीवुड फिल्म पठान के जरिये दमदार वापसी करने जा रहे शाहरुख खान की य वर्ष 2023 की पहली 300 करोड़ी फिल्म होगी। सिद्धार्थ आनन्द द्वारा निर्देशित इस फिल्म के ट्रेलर में एक्शन को जिस प्रमुखता के साथ दिखाया गया है उससे स्पष्ट हो गया है कि यह एक्शन के डोज से सराबोर एक ऐसी फिल्म है जिसके हर दृश्य पर दर्शक तालियाँ व सीटियाँ बजाएंगे। लम्बे समय बाद एक बार फिर से सिंगल स्क्रीन्स में दर्शकों की चिल्लाहट और तालियाँ की गूँजी सुनाई देगी। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म के इस ट्रेलर में कई एक्शन्स सीन्स दिखाई दिए। जिसे देखने के बाद लोग देखते ही रह गए। इस फिल्म के ट्रेलर वीडियो मे दीपिका पादुकोण भी एकदम एक्शन अवतार में दिखाई दी। जॉन अब्राहम का किरदार भी दमदार दिखाई दिया। दर्शकों को ट्रेलर में सिर्फ एक बात खली वह यह कि जारी हुए ट्रेलर में सलमान खान की एक भी झलक नहीं दिखाई गई है जिसे लेकर दर्शक कुछ निराश हुए हैं। दीपिका पादुकोण और शाहरुख की फिल्म पठान का ट्रेलर सामने आने के बाद अब दर्शक 25 जनवरी का इंतजार कर रहे हैं।

कन्नड फिल्म कांतारा ने 100 दिन पूरे किए

-निर्माता कम्पनी ने ब्लॉकबस्टर फिल्मों की सूची में एक और हीरा जडा

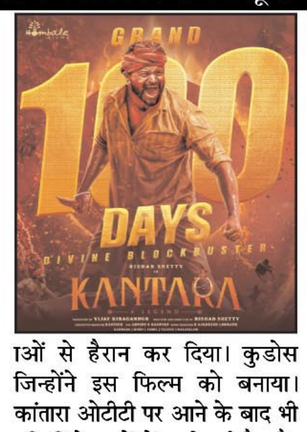

मुंबई (ईएमएस)। कन्नड फिल्म कांतारा की निर्माता कम्पनी होम्बले फिल्म्स ने कांतारा की मनोरंजक और आकर्षक कहानी के साथ अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की सूची में एक और हीरा जड़ लिया। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि इस फिल्म ने उन स्थितियों में सिनेमाघरों में 100 दिन पूरे किए हैं जबकि फिल्म ओटीटी प्लेटफार्म पर सभी भाषाओं में उपलब्ध है। इस फिल्म के 100 दिन सिनेमाघरों में पूरे करने पर फिल्म निमार्ता कम्पनी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्टर शेयर करते हुए एक नोट साझा किया है। निर्माताओं ने लिखा कांतारा के 100 दिन पूरे होने का सेलिब्रेशन एक ऐसी फिल्म जिसे हम हमेशा याद रखेंगे जिसने हमें अपनी जड़ों की तरफ वापस खींचा और हमें अपनी परम्पराओं से हैरान कर दिया। कुडोस जिन्होंने इस फिल्म को बनाया। कांतारा ओटीटी पर आने के बाद भी यदि सिनेमाघरों में लगी हुई है और दर्शकों द्वारा देखी जा रही है तो ऐसे में यह कह सकते हैं कि फिल्म के लिए दर्शकों का क्रेज कम नहीं हुआ है। कांतारा का कन्नड़ वर्जन 30 सितम्बर और हिन्दी वर्जन 14 अक्टूबर को प्रदर्शित किया गया था। फिल्म का लेखन व निर्देशन ऋषभ शेट्टी ने किया है। जिन्होंने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई है। होम्बले फिल्म्स के तहत विजय किरागंदूर और चालुवे गौड़ा द्वारा इस फिल्म का निर्माण किया गया है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी सप्तमी गौड़ा और किशोर कुमार ने प्रमुख भूमिकाओं का निर्वाह किया। बता दें कि कन्नड फिल्म कांतारा ने गत वर्ष जिस तरह से दर्शकों के दिलों पर राज किया वह आश्चर्यचकित करने वाला रहा। 30 सितम्बर 2022 को कन्नड़ भाषा में प्रदर्शित हुई इस फिल्म ने अपनी सफलता से आगे बढ़ते हुए स्वयं को हिन्दी भाषा में दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया और वहाँ पर इस फिल्म ने जो सफलता पाई वह किसी चमत्कार से कम नहीं रही।

कार चेज सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान रोहित को लगी चोट

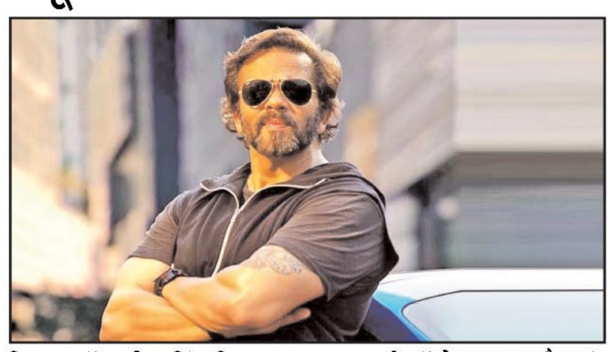

हैदराबाद में अपनी वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स की शूटिंग के दौरान बॉलीवुड निर्देशक रोहित शेट्टी घायल हो गए। उन्हें कामिनेनी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने मामूली सर्जरी की। उन्हें कार चेज सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान यह चोट लगी। बाद में उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। शहर के बाहरी इलाके में रामोजी फिल्म सिटी में शूटिंग के दौरान निर्देशक के हाथ में चोट लग गई। सूत्रों के मुताबिक कार चेज सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान रोहित शेट्टी को चोट लग गई। प्रोडक्शन टीम उन्हें तुरंत कामिनेनी अस्पताल ले गई। डॉक्टरों की टीम ने माइनर ऑपरेशन किया। कॉप की शूटिंग फिलहाल रामोजी फिल्म सिटी में चल रही है। कहा जा रहा है कि मुख्य शेड्यूल के लिए एक बड़ा सेट तैयार किया गया है। शूट में कार चेज सीक्वेंस और अन्य हाई-ऑक्टेन एक्शन और स्टंट सीन शामिल हैं। पिछले साल मई में गोवा में इंडियन पुलिस फोर्स की शूटिंग के दौरान सिद्धार्थ मल्होत्रा मामूली रूप से घायल हो गए थे।

हसीन दिलरूबा के दूसरे भाग की शूटिंग जल्द होगी शुरू

विनी मैथ्यू निर्देशित फिल्म हसीन दिलरूबा के दूसरे भाग की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। यह फिल्म गत वर्ष ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित हुई। इसका लेखन कनिका ढिल्लन द्वारा किया गया। यह जानकारी मीडिया को हसीन दिलरूबा में नजर आए अभिनेता विक्रांत मैसी ने दी है। उन्होंने बताया कि वह आगामी 15 दिनों में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। पिछले साल ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित हुई हसीन दिलरूबा रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। बातचीत करते हुए विक्रांत मैसी ने कहा हमें यह उम्मीद नहीं थी कि यह दर्शकों को पसन्द आएगी। जितना प्यार हमें इस फिल्म के लिए मिला उसे देखने के बाद ही हमने सोचा कि हमें इसका दूसरा भाग बनाना चाहिए। वैसे भी इस फिल्म के क्लाइमैक्स को ओपन एण्ड मोड पर छोड़ा गया था। दर्शकों ने खूब प्रतिक्रिया दी और अब यह फिल्म शुरू होने जा रही है। इस रोमांटिक थ्रिलर में विक्रांत मैसी तापसी पन्नू और हर्षवर्धन राणे के साथ नजर आए थे।

सूडोकु नवताल- 6310

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6309 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7057

शब्दजाल में 10 शहरों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

म	अ	मु	न	सी	जा	म	न	ग	र	ट
रा	वि	ली	प्रे	क	ना	स	द	ज	कां	ड़
सू	र	त	बा	दी	छ	सि	आ	ब	वृ	ज
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	क	ल	ष	ल
वा	अ	मी	ल	ज	चा	न	क्रो	न	भ	गां
रा	ल	न	र	य	ब	ली	ती	बैं	घ	व
ण	सिं	र्निं	ग	पु	न	ल	स	ग	व	स
सी	ह	ऊ	ई	र	ब	क	पु	लो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	र	र	आ
क	गॉ	सो	नी	प	त	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	शि	म	ला	म

जयपुर, जामनगर, बेंगलोर, सोनीपत, जलगांव, नासिक, वाराणसी, सूरत, जबलपुर, शिमला

शब्दजाल - 7056 का हल

न	ख	रे	बा	ज	द	रि	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	चा	इ	ता	प
कि	स्से	बा	ज	बा	छ	ची	ल	रा	क	त्ते
री	ज	र	दो	पु	धो	खे	बा	ज	त	बा
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	ज	ग	व	ज
अ	द	फि	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को
खा	ले	म	क	या	झा	र	जां	बा	ज	ल
ड़े	र्ज	ल्जा	ई	रे	से	क	गो	लो	श	ण
बा	बा	म	न	ब्र	बा	य	री	श	प	क
ज	दु	आ	प	व	ज	ज	ऐ	बें	हा	त
क	ब	ल्ले	बा	ज	ल	गा	य	द	प	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6010

1	2		7		6	4
3	29	6	37	2	31	1
	3		1		2	
5	29	1	33		37	6
	1		5		4	
2	33	4	31	3	30	7
7	6		4		3	2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6009 का हल

4	2	6	3	5	1	7
2	32	4	39	7	34	4
6	1	7	4	3	5	2
5	30	3	38	6	31	1
1	2	5	6	4	7	3
3	27	2	25	1	31	6
7	6	1	4	2	3	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

मेसी और एम्बाप्पे के बीच बैलोन डी ओर की होड़, दोनों के बीच सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर बनने का मुकाबला

नई दिल्ली ।
फीफा विश्व कप के फाइनल में लियोनल मेसी और किलियन एम्बाप्पे के बीच हुई रोचक भिड़ंत के बाद अब दुनिया के इन दो बड़े फुटबॉलरों में साल का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर बनने की होड़ है। दोनों के बीच इस बार बैलोन डी ओर ट्राफी जीतने का मुकाबला है।

सात बार बैलोन डीओर जीत चुके हैं मेसी

मेसी विश्वकप में सात गोल करने के बाद सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर के रूप में गोल्डन बॉल जीते तो एम्बाप्पे आठ गोल कर विश्व कप के सर्वाधिक स्कोरर के रूप में गोल्डन बूट जीतने वाले फुटबॉलर बने। इन दोनों के बीच विश्वकप में दिखाए गए शानदार प्रदर्शन और पेरिस सेंट जर्मेन के लिए किए गए अच्छे प्रदर्शन के कारण इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का मुकाबला है। इस होड़ को एक बार फिर मेसी विरुद्ध एम्बाप्पे के रूप में देखा जा रहा है। दोनों ही फुटबॉलर पीएसजी के लिए लीग-1 में एंजर्स के खिलाफ लंबे समय बाद एक साथ उतर सकते हैं। मेसी लंबे ब्रेक के बाद पीएसजी के साथ ट्रेनिंग पर जुड़े हैं, लेकिन वह टीम के संपूर्ण अभ्यास का हिस्सा बन चुके हैं। यही कारण है कि टीम के कोच क्रिस्टोफर गैल्टियर को उम्मीद है कि मेसी मैच में उतरेंगे।

एम्बाप्पे को इंतजार है बैलोन डी ओर का

मेसी ने कतर में अपने कैबिनेट में विश्वकप पदक को भी शामिल कर लिया, जो एम्बाप्पे के पास पहले से था, लेकिन फ्रांस के फुटबॉलर के पास एक भी बैलोन डी ओर खिताब नहीं है, जो मेसी सात बार जीत चुके हैं। हालांकि पिछले विजेता करीम बेंजेमा और जिनेदिन जिदान समेत पांच फ्रांस के फुटबॉलर यह प्रतिष्ठित ट्राफी जीत चुके हैं, लेकिन इनमें एम्बाप्पे का नाम नहीं शामिल हैं।

पीएसजी के लिए दोनों कर रहे हैं शानदार प्रदर्शन

बैलोन डी ओर की रेस में मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालैंड भी शामिल हो सकते थे, लेकिन वह विश्वकप नहीं खेले, क्यों कि नार्वे इसके लिए क्वालिफाई नहीं कर सका था। विश्वकप समाप्त होने के 10वें दिन पीएसजी के लिए खेलने वाले एम्बाप्पे ने इस सत्र में अपने क्लब के लिए अब तक 13 गोल किए हैं। वहीं मेसी गोल करने केलिए सहायता (असिस्ट) करने के मामले में नेमार के साथ सबसे आगे हैं। दोनों ने 10 असिस्ट किए हैं।

न्यूज ब्रीफ

खेल संघों की आर्थिक मदद रुकी, ब्याज पर पैसे लेकर खेलने गई टीम, चार स्वर्ण जीते

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय और साई की ओर से राष्ट्रीय खेल संघों की आर्थिक मदद रोक दी गई है। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के पालन का हवाला दे मंत्रालय, साई ने मदद रोकी है। आर्थिक सहायता बंद होने से खेल संघों में हड़कंप मचा है। सेपक टाकरा की टीम अपने खर्च पर ढाका में हुई दक्षिण एशियाई चैंपियनशिप में खेलने गई। ज्यादातर खिलाड़ी ब्याज पर पैसा लेकर खेलने गए। सेपक टाकरा संघ ने 25 से 31 दिसंबर तक हुई इस चैंपियनशिप में साई से मंजूरी और हवाई यात्रा का खर्च मांगा था, लेकिन जवाब नहीं मिला। चैंपियनशिप में जकार्ता एशियाई खेलों में पदक विजेता खिलाड़ियों को जाना था, लेकिन अपने खर्च पर वे भी नहीं गए। नतीजतन 24 सदस्यीय जूनियर टीम ढाका भेजी गई। पूरी टीम अपने खर्च पर गई और चार स्वर्ण जीते। ज्यादातर खिलाड़ी गरीब थे। उन्होंने ब्याज पर पैसा लिया। चैंपियनशिप में दो स्वर्ण जीतने वाले बरेली के तरुण के पिता ने बेटे को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता खिलाने के लिए लोगों से उधार पैसा लिया। दरअसल राहुल मेहरा की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने नौ सितंबर को आदेश में कहा है कि जो भी खेल संघ राष्ट्रीय खेल संहिता (स्पोर्ट्स कोड) का पालन नहीं करते हैं, उनकी सरकारी आर्थिक मदद नहीं हो। पहले साई खेल संघों की मदद करता रहा, लेकिन अब उसने इसे रोक दिया है। अब मंत्रालय अदालत में साल 2023 के मान्यता प्राप्त खेल संघों की सूची रखेगा। उसके बाद ही खेल संघों की आर्थिक मदद का रास्ता साफ होगा। खेल मंत्रालय ने सभी खेल संघों को बीते वर्ष 31 दिसंबर तक मान्यता दी थी। नए वर्ष में अब तक किसी खेल संघ को मान्यता नहीं दी गई है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : राफेल नडाल और इगा स्वीयाटेक को एकल ड्रा के लिए शीर्ष वरीयता

मेलबर्न। यूएस ओपन विजेता स्पेन के कार्लोस अल्कराज के चोट के कारण हटने के साथ, उनके हमवतन राफेल नडाल को कुछ दिनों में शुरू होने वाले आस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष एकल ड्रॉ में शीर्ष वरीयता दी गई है। महिला एकल में, डब्ल्यूटीए रैंकिंग में विश्व की नंबर 1 पोलैंड की इगा स्वीयाटेक को उम्मीद के मुताबिक शीर्ष वरीयता दी गई, जबकि ट्यूनीशिया की ओन्स जाबौर को दूसरे स्थान की खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया। नडाल एटीपी रैंकिंग में दूसरे सर्वोच्च रैंक वाले खिलाड़ी हैं और आस्ट्रेलियन ओपन में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी होंगे, जबकि नॉर्वे के कैस्पर रुड को दूसरी वरीयता प्राप्त होगी। 22 ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता नोवाक जोकोविच अपने 23वें खिताब की तलाश में होंगे। पुरुषों के वर्ग में, नडाल और रुड के बाद ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास (तीसरी वरीयता प्राप्त) हैं, जबकि जोकोविच को चौथी वरीयता प्राप्त है, क्योंकि वह 2022 के सीजन से पहले आस्ट्रेलिया से लौट गए थे, क्योंकि देश में उनके टीकाकरण की स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई थी। इस साल इस तरह के कोई नियम लागू नहीं होने के कारण, जोकोविच 2021 में आखिरी बार जीते गए खिताब को फिर से हासिल करने के लिए शीर्ष पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक के रूप में होंगे।

ओलम्पिक चैंपियन मा लोंग की सनसनीखेज हार

दोहा । विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चीन की मा लोंग को जापान की महारू योशिमूरा के हाथों डब्लूटीटीसी एशिया कॉन्टिनेंटल स्टेज के दूसरे राउंड ग्रुप मैच में सनसनीखेज हार का सामना करना पड़ा। पहले छह गेम में योशिमूरा के साथ बराबरी के बाद मा लोंग निर्णायक गेम में 11-3 से पिछड़ गयीं। चीनी खिलाड़ी पोजीशन मैचों में उतरेंगी ताकि विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप फाइनल्स के लिए जगह हासिल कर सकें। मा लोंग की सनसनीखेज हार के बावजूद चीन ने विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप फाइनल्स में चार पुरुष और पांच महिला एकल स्थान हासिल किये। सुन यिंगशा, चेन मेंग, वांग यिदि और चेन जिन्गटोंग ने महिला एकल में लगातार गेमों में जीत हासिल की जबकि वांग मांयु ने दक्षिण कोरिया की चोई ह्यो-लू को 4-1 से हराया। पुरुष एकल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी फैन झेनडोंग ने भारत के हरमीत देसाई को लगातार गेमों में हराया। वांग चुकिन ने ईरान के नौशाद अलमियन को 4-1 से और लियांग जिंगकुन ने हांगकांग के हो क्वान किट को 4-2 से पराजित किया। चीन ने विश्व चैंपियनशिप के पुरुष, महिला और मिश्रित युगल के फुल कोटा हासिल किये। वर्ष 2023 डब्लूटीटीसी फाइनल्स का आयोजन 20 से 28 मई तक दक्षिण अफ्रीका के डरबन में होगा।

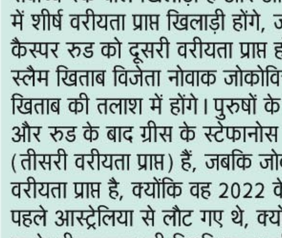

पहले वनडे में बने 17 रिकॉर्ड्स

विराट ने सचिन के 3 रिकॉर्ड तोड़े; रोहित गिल और उमरान ने भी रचा इतिहास

नई दिल्ली ।
भारत ने साल का पहला वनडे 67 रन से जीत लिया। श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने शतक लगाया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। भारत के लिए उमरान मलिक ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। उमरान से पहले विराट कोहली ने अपना 45वां वनडे शतक जड़ा। इस शतक के साथ उन्होंने वनडे में 9 रिकॉर्ड्स बनाए। उनके अलावा रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने भी कुछ रिकॉर्ड्स बनाए।

विराट के सबसे तेज 12,500 रन – श्रीलंका के खिलाफ विराट ने 87 बॉल पर 113 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 12 चौके और एक छक्का लगाया। इस पारी के साथ ही विराट कोहली के वनडे इंटरनेशनल की 257 पारियों में 12,584 रन पूरे हो गए। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे तेज क्रिकेटर हैं। उनके बाद भारत के ही सचिन तेंदुलकर और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग के नाम हैं। सचिन ने 310 और पोंटिंग ने 338 पारियों में 12,500 वनडे रन पूरे किए थे।

11वीं बार लगातार 2 पारियों में शतक – विराट कोहली ने 11वीं बार लगातार 2 वनडे पारियों में शतक लगाए। श्रीलंका से पहले उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 10 दिसंबर 2022 को पिछले वनडे में भी शतक लगाया था। तब भी उन्होंने 113 रन की पारी खेली थी। इस मैच के बाद भारत ने 2 टेस्ट और 3 टी-20 इंटरनेशनल खेले, लेकिन वनडे श्रीलंका के खिलाफ ही खेला।

100 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से शतक – विराट ने श्रीलंका के खिलाफ 129.88 के स्ट्राइक रेट से शतक बनाया। 100 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से वनडे सेंचुरी बनाने के रिकॉर्ड में भी वह टॉप पर हैं। उनके बाद साउथ अफ्रीका के एबी डी विलियर्स ने 25 बार 100 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से वनडे सेंचुरी बनाईं। वहीं, सचिन तेंदुलकर ने 24 बार ऐसा किया। विराट के नाम भारत के लिए सबसे तेज 52 बॉल में वनडे सेंचुरी बनाने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐसा किया था।

टीम की जीत में सबसे बड़ा स्कोर – विराट ने श्रीलंका के खिलाफ जीत में 113 रन की पारी खेली। पहले वनडे में भारत के लिए उनसे बड़ी पारी कोई नहीं खेल सका। अब तक खेली 257 पारियों में विराट 69 बार टीम के टॉप स्कोरर रहे हैं। शुरुआती 257 वनडे पारियों में सबसे ज्यादा बार टॉप स्कोरर बनने के मामले में उन्होंने सचिन देंतुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। तेंदुलकर ने 68 बार ऐसा किया था। उनके बाद वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा ने 65 बार ऐसा किया था।

घर में 4 साल बाद शतक – विराट कोहली ने भारत में खेलते हुए 4 साल बाद वनडे शतक लगाया। उन्होंने आखिरी बार 8 मार्च 2019 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रांची में 123 रन की पारी खेली थी। इसके बाद अब जा के वह शतक लगा सके हैं। भारत में यह उनका 20वां शतक है। घर में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में उन्होंने सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है। सचिन के नाम भी भारत में 20 शतक हैं। दोनों के बाद साउथ अफ्रीका के हाशिम अमला ने साउथ अफ्रीका में 14 शतक लगाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग के नाम 13 और न्यूजीलैंड के रॉस टेलर के नाम 12 शतक हैं। भारत में विराट ने 99 वनडे पारियां खेली हैं। इनमें वह 20 शतक के अलावा 25 बार फिफ्टी भी लगा चुके हैं।

किसी एक देश के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक – विराट के श्रीलंका के खिलाफ 47 पारियों में 9 वनडे शतक पूरे हो गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ भी 41 पारियों में 9 शतक लगाए हैं। किसी एक देश के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले भारतीयों में वह सचिन तेंदुलकर की बराबरी पर हैं। सचिन के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 शतक हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के नाम ऑस्ट्रेलिया के सामने 8-8 शतक हैं। श्रीलंका के खिलाफ बाकी 2 वनडे में एक और शतक बनाने के साथ ही विराट इस लिस्ट में भी टॉप पर पहुंच जाएंगे।

श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक – श्रीलंका के खिलाफ विराट कोहली ने 9वां वनडे शतक जड़ा। श्रीलंका के सामने सबसे ज्यादा शतक बनाने में उन्होंने भारत के ही सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने श्रीलंका के खिलाफ 8 शतक लगाए थे। उनके बाद पाकिस्तान के सईद अनवर ने श्रीलंका के खिलााफ 7 शतक लगाए हैं। रोहित शर्मा, गौतम गंभीर और ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट ने श्रीलंका के सामने 6-6 शतक बनाए हैं।

विराट का 73वां इंटरनेशनल शतक – विराट कोहली का यह इंटरनेशनल क्रिकेट में 73वां शतक भी था। वनडे में 45 शतक के अलावा उन्होंने टेस्ट में 27 और टी-20 इंटरनेशनल में भी एक शतक जड़ा है। इंटरनेशनल क्रिकेट में उनसे ज्यादा शतक सचिन तेंदुलकर के ही हैं। सचिन के नाम वनडे में 49 और टेस्ट में 51 शतक मिलाकर इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 शतक हैं। विराट के बाद ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग ने 71 इंटरनेशनल शतक लगाए हैं। सचिन के 49 वनडे शतकों से विराट 4 शतक दूर हैं।

पृथ्वी शॉ का रणजी में पहला तिहरा शतक

इस फॉर्मेट में किसी ओपनर का सबसे बड़ा स्कोर, 400 रन से चूक गए

गुवाहाटी।
मुंबई के पृथ्वी शॉ ने रणजी ट्रॉफी करियर में अपना पहला तिहरा शतक जड़ा। उन्होंने 383 बॉल पर 379 रन की पारी खेली। यह रणजी ट्रॉफी इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी पारी है। उनसे पहले 1948-49 के सीजन में बीबी निंबालकर ने महाराष्ट्र के लिए 443 रन की नॉटआउट पारी खेली थी। पृथ्वी का स्कोर रणजी ट्रॉफी में किसी ओपनर का सबसे बड़ा स्कोर भी है। उन्होंने त्रिपुरा के समित गोहेल का रिकॉर्ड तोड़ा। गोहेल ने 2016 में 359 रन की नाबाद पारी खेली थी। मुंबई और असम के बीच गुवाहाटी में रणजी ट्रॉफी के राउंड-5 का मैच खेला जा रहा है। पहले दिन मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए 2 विकेट पर 397 रन बनाए। पृथ्वी तब 240 के स्कोर पर नाबाद थे। बुधवार को पहले सेशन में ही उन्होंने 326 गेंदों पर अपना तिहरा शतक पूरा किया। वह 379 रन बनाकर आउट हुए। इस पारी में उन्होंने 49 चौके और 4 छक्के लगाए। रणजी ट्रॉफी में यह उनका बेस्ट स्कोर भी है। इससे पहले उन्होंने 2019-20 के रणजी सीजन में बड़ौदा के खिलाफ 202 रन बनाए थे। मुंबई ने दूसरे सेशन तक 127 ओवर में 3 विकेट पर 608 रन बना लिए हैं। उनके कप्तान अजिंक्य रहाणे शतक बनाकर सरफराज खान के साथ खेल रहे हैं। इस पारी के साथ ही पृथ्वी ने रणजी ट्रॉफी में मुंबई के किसी खिलाड़ी द्वारा सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। उनसे पहले 1990-91 के सीजन में संजय मांजरेकर ने मुंबई के लिए हैदराबाद के खिलाफ 377 रन की पारी खेली थी।

76 साल पुरानी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

6 तेज गेंदबाजों के साथ भारत दौरा करेगी टीम, टॉड मर्फी को डेब्यू कॉल

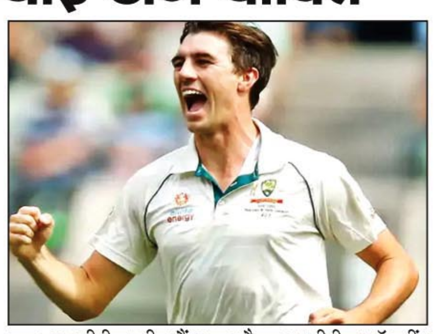

नई दिल्ली ।
76 साल पुरानी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को भारत दौरे के लिए 6 तेज गेंदबाजों को चुना है। जबकि 4 स्पेशलिस्ट और 4 पार्ट टाइम स्पिनर टीम में चुने गए हैं। यह सीरीज 9 फरवरी से शुरू होगी। टीम को यहां चार टेस्ट और 3 वनडे खेलने हैं। फाइनल से पहले अपनी आखिरी सीरीज के लिए 22 साल के टॉड मर्फी को शामिल किया है। साथ ही तेज गेंदबाज लान्स मॉरिस एक बार फिर चुने गए हैं। उन्हें अब तक डेब्यू कैप नहीं मिली है। इस खबर में आप पढ़ेंगे सीरीज का इतिहास, भारत के लिए सीरीज की अहमियत, भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज का शेड्यूल और 18 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई टीम। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज 1947-48 से खेली जा रही है। सीरीज में एक बार भारत ऑस्ट्रेलिया का दौरा करती है तो अगली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय दौरे पर आती है। भारत ने पहली बार 1979 में पहली बार 6 टेस्ट मैचों की सीरीज 2-0 से जीती थी। इससे पहले खेली गई 7 सीरीज में से 6 सीरीज कंगारुओं ने जीती थी। एक ड्रॉ रही। ओवरऑल रिजल्ट पर नजर डालें तो भारत ने 10 बार यह सीरीज जीती है और ऑस्ट्रेलिया के नाम 12 सीरीज जीत हैं। इस दौरान 5 सीरीज ड्रॉ रहीं। 1996 में पहली बार इस सीरीज को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का नाम मिला। भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में 4 मुकाबले खेले जाएंगे। यह सीरीज भारत के लिए अहम है, क्योंकि यह सीरीज रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने का आखिरी मौका है। यह टीम इंडिया इसमें कम से कम 2 टेस्ट जीत जाती है। अभी टीम 58.93प्रतिशत अंक के साथ पॉइंट टेबल के दूसरे स्थान पर है। जबकि ऑस्ट्रेलिया 75.56प्रतिशत लेकर लगभग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज जिसे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के नाम से जाना जाता है। इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय दौरे पर आ रही है। सीरीज का पहला मुकाबला 9 से 13 फरवरी के बीच नागपुर में खेला जाएगा।

27 आपराधिक मामलों में शामिल बुराक: अपने गुस्से पर काबू पाने के लिए बॉक्सिंग क्लब से जुड़े; अब बच्चों को भी देते हैं ट्रेनिंग

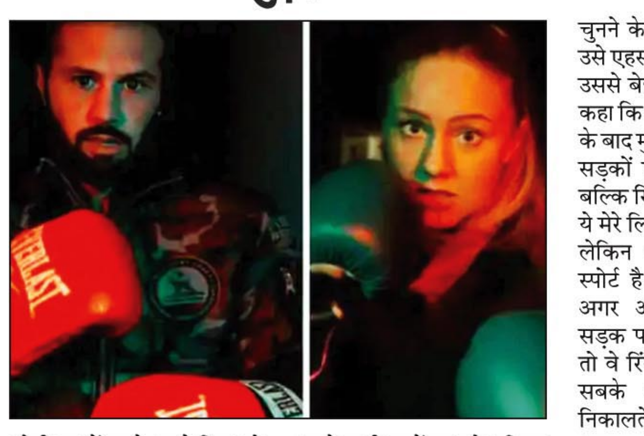

नई दिल्ली ।
म्यूनिख के रहने वाले वाले 30 साल के बुराक बस्कट ने जब पहली बार किसी से मारपीट की थी तब अपने प्रतिद्वंद्वी का खून बहता देखकर उसको अच्छा महसूस हुआ था। फिर उसकी दोस्ती शहर के कुछ बदमाशों से हो गई। 15-16 साल की उम्र में बुराक के लिए अपने गुस्से पर काबू रखना मुश्किल हो गया। बुराक ने बताया कि बदमाशों के गैंग का हिस्सा बनने के बाद वे अक्सर एक-दूसरे से मारपीट करते थे। बुराक के ऊपर 27 आपराधिक मामले दर्ज हैं। 21 साल की उम्र में बुराक ने बॉक्सिंग की शुरुआत की और वे अब म्यूनिख के 1860 लॉयंस बॉक्सिंग क्लब का हिस्सा हैं। उन्हीं की तरह इस बॉक्सिंग क्लब की एक और मेंबर सेस्किया बैजन का बचपन भी काफी मुश्किलों से घिरा रहा। वे पढ़ने-लिखने में अच्छी नहीं थीं। काफी छोटी उम्र में उसने अपने पिता को भी खो दिया। सेस्किया और बुराक एक ही स्कूल में जाते थे और फिर कई सालों बाद वे बॉक्सिंग क्लब में मिले। यहां उनके कोच बॉक्सिंग क्लब के हेड अली क्यूकर हैं। 60 वर्षीय अली 80 स्टूडेंट्स के कोच और उनके दोस्त भी हैं। अली ने बताया कि उनके लिए सबसे जरूरी काम अपने सभी स्टूडेंट्स को परिवार की तरह रखना है। वे हमेशा उन्हें लड़ाई और झगड़ों से दूर रहने के लिए कहते हैं। बॉक्सिंग रिंग में चोट से कैसे बचना है ये सिखाना उनके लिए सबसे जरूरी है। अली ने बुराक के अंदर के गुस्से को समझा तो उसे रिंग में और ज्यादा प्रैक्टिस करने के लिए कहा। उसे हमेशा खुद से बेहतर प्रतिद्वंद्वी चुनने के लिए कहा गया। इससे उसे एहसास हुआ कि हमेशा कोई उससे बेहतर मौजूद है। बुराक ने कहा कि बॉक्सिंग क्लब से जुड़ने के बाद मुझे एहसास हुआ कि पंच सड़कों पर लड़ने के लिए नहीं बल्कि रिंग के लिए बने हैं। पहले ये मेरे लिए सिर्फ लड़ने जैसा था, लेकिन अब ये एक सीरियस स्पोर्ट है। बुराक ने बताया कि अगर अली का कोई स्टूडेंट सड़क पर लड़ाई करके आता है तो वे रिंग में बॉक्सिंग के जरिए सबके सामने उसपर गुस्सा निकालते हैं, जो काफी अपमानजनक होता है। अली हमेशा अपने स्टूडेंट्स की रक्षा करते हैं। उन्होंने 2016 में स्टूडेंट्स के लिए घाना की एक ट्रिप भी आयोजित की थी। इससे उन्हें दूसरे देशों के लोग और वहां की दिक्कतों को समझने का मौका मिला। अली ने उन्हें दुनिया को एक अलग नजरिए से देखने में मदद की।

16 टीमों में हॉकी वर्ल्ड कप की जंग

बेल्जियम-ऑस्ट्रेलिया फेवरेट, भारत चौथी बार करेगा मेजबानी

नई दिल्ली ।
ओडिशा में 13 जनवरी से हॉकी वर्ल्ड कप शुरू हो रहा है। भारत चौथी बार हॉकी के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। इसके मुकाबले भुवनेश्वर और राउरकेला में खेले जाएंगे। यह इस टूर्नामेंट का 15वां एडिशन है। 13 जनवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। 16 टीमों को 4-4 के चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत को ग्रुप-4 में इंग्लैंड, वेल्स और स्पेन के साथ रखा गया है। उसका पहला मुकाबला 13 जनवरी को शाम 7 बजे स्पेन के साथ होगा। 17 दिन तक चलने वाले टूर्नामेंट में 44 मैच होंगे। टूर्नामेंट का फाइनल 29 जनवरी को खेला जाएगा। इस खबर में हम आपको टूर्नामेंट के बारे में सब कुछ बताएंगे। हॉकी वर्ल्ड कप की शुरुआत 52 साल पहले 1971 में हुई थी। तब इस टूर्नामेंट में 10 टीमों ने हिस्सा लिया था। पाकिस्तान ने फाइनल में स्पेन को 1-0 से हराकर पहले वर्ल्ड चैंपियन बनने का रुतबा हासिल किया था। तब भारत को ब्रॉन्ज मेडल मिला।

भारत चौथी बार टूर्नामेंट होस्ट कर रहा है। इससे पहले भारत ने 1982, 2010 और 2018 के एडिशन की मेजबानी की है। पहला वर्ल्ड कप 1971 में खेला गया था। उसके बाद से 1975 तक हर 2 साल में इसका आयोजन होता था। फिर 1981 तक 3 साल के गैप में वर्ल्ड कप हुआ। फिर 1986 से लगातार 4 साल के अंतराल में वर्ल्ड कप होता आ रहा है। 2022 में कोविड के चलते टूर्नामेंट शिफ्ट कर दिया गया था। अब जनवरी 2023 में इसे आयोजित किया जा रहा है।

पाकिस्तान टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है। उनके नाम 4 खिताब हैं। पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड ने 3-3 बार खिताब जीते हैं। जर्मनी 2 बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। वहीं, बेल्जियम ने भी भारत की तरह एक बार खिताब जीता है।

चारों ग्रुप में टॉप पर रहने वाली टीमें सीधे क्वार्टर फाइनल राउंड में प्रवेश करेंगी। जबकि सभी ग्रुप में दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें क्रॉसओवर राउंड खेलेंगी। क्रॉसओवर मैच जीतने वाली टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी। क्वार्टरफाइनल राउंड जीतने वाली टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। 27 जनवरी को दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। सेमीफाइनल जीतने वाली टीमें 29 जनवरी को भुवनेश्वर में शाम 7 बजे फाइनल खेलेंगी।

29 को ही थर्ड प्लेस मैच भी होगा। क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के दौरान ही 5वें से 16वें नंबर पर रहने वाली टीमों के मैच भी होंगे। अगले ग्राफिक में समझिए फॉर्मेट वर्ल्ड कप के मुकाबले भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम और राउरकेला के बिरसा मुंडा इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। मुकाबले दोपहर 1:00 बजे, 3:00 बजे, 5:00 और शाम 7:00 बजे से शुरू होंगे। फाइनल तक सभी टीमों के बीच कुल 44 मैच होंगे। टूर्नामेंट की 16 टीमों को 4 ग्रुपों में बांटा गया है। भारतीय टीम इंग्लैंड, वेल्स और स्पेन के साथ ग्रुप-4 में है। 13 जनवरी को अर्जेंटीना-साउथ अफ्रीका के बीच दोपहर 1: 00 बजे से मैच के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। 13 को ही शाम 7 बजे भारत का मैच स्पेन से होगा। 15 जनवरी को शाम 7 बजे से इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा और 19 जनवरी को शाम 7 बजे वेल्स से भारत का तीसरा मैच होगा। ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम गोल्ड मेडल जीतने की सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। इन दोनों टीमों के बीच 2021 में हुए टोक्यो ओलिंपिक का फाइनल मुकाबला खेला गया था।

बन जाएं फिट मॉम...

आज कल की भागदौड़ वाली जिन्दगी में वर्किंग मदर्स घर और बाहर इतनी बिजी हैं कि वे बच्चों के साथ-साथ खुद को भी समय नहीं दे पातीं। इसके साथ ही वे अपने खाने पीने का ख्याल नहीं रख पातीं जिससे वे बीमार पड़ जाती हैं और उनका बॉडी पोस्चर बिगड़ जाता है। हम आपको ऐसे खास टिप्स बता रहे हैं जो आपको तरो ताजा, फिट व स्टाइलिश लुक देंगे और आपकी हर दिन की खुशी दुगनी हो जाएगी।

स्ट्रेच मार्क्स

अक्सर मां बनने के बाद शरीर पर स्ट्रेच मार्क्स आ जाते हैं और शरीर फूल जाता है जिसके कारण महिलाओं का बॉडी पोस्चर बिगड़जाता है। अच्छा होगा परेशान होने की बजाए डॉक्टर से सलाह लें और अपनी परेशानी को दूर करें।

मॉर्निंग वॉक

कहते हैं सुबह की हवा सेहतमंद होती है व दवा के तौर पर भी काम करती है। यह सांस और शरीर की अकड़न जैसी बीमारियों को दूर करती है और फेस की त्वचा को भी चमकदार व तरोताजा रखती है।

जरूरी आहार लें

क्रैश डाइटिंग भूल कर भी न करें, जरूरी आहार लें जो शरीर व त्वचा दोनों को स्वस्थ रखेगा, ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करें क्योंकि पानी सभी बीमारियों को दूर करता है।

एक्सरसाइज करें

देश भर में योग का खुमार छा रहा है क्योंकि योग अपने आप में एक दवा है जो जड़ से बीमारी को दूर करती है, ज्यादा से ज्यादा उठने व बैठने वाला काम करे, एक्सरसाइज करें जिससे आप फिट ही नहीं तंदुरूस्त और हर वक्त दमकती रहेंगी।

18 जन्मों में सीखी 18 भाषाएं

नार्वे की एक महिला का दावा है कि वह 18 भाषाएं जानती हैं और ये भाषाएं उन्होंने इस जन्म में नहीं, बल्कि अपने पिछले 17 जन्मों में सीखी है। मारिया जॉनसन के इस दावे की जबरदस्त चर्चा हो रही है। उनका कहना है कि हर भाषा पर मेरी अच्छी पकड़ है। क्योंकि पिछले जन्म में ये भाषाएं उनकी मातृ भाषाएं थीं।

मारिया का कहना है कि जब मैंने ये भाषाएं सीखने शुरू की, तो अहसास हुआ कि मैं इन्हें बहुत अच्छी तरह से जानती हूं। और इस बारे में मैंने कई मनोविश्लेषकों से बात की। सभी ने एक ही बात कही है। वह कहती है कि मैं इन भाषाओं वाले देशों में गई तो लगा कि मैं पहले भी वहां जा चुकी हूं। मेरे लिए यह बहुत आश्चर्चजनक था। वहां के लोगों से मिलने के बाद लगा जैसे वो मेरे अपने हैं। मानो मैं उनसे पहले भी मिल चुकी हूं। मारिया अंग्रेजी के अलावा नॉर्वे, फ्रांस, रूस, चीन, डेनमार्क, स्वीडन और जर्मनी की भाषाएं बोल तथा लिख सकती हैं। इसके अलावा वे बुल्गेरियन, सायबेरियन, पर्सियन, अफगानी, अरबी, हिन्दी, पॉलिश, टर्किश, इटेलियन और जापानी भाषा समझ सकती हैं। मिरर की खबर के अनुसार, मारिया एक मल्टीलिंगुअल डिजिटल मार्केटिंग कंपनी की सीईओ हैं। और मारिया के इस दावे को कई मनोवैज्ञानिकों ने सही भी ठहराया है।

चलन में हैं शीयर आउटफिट्स

क्रीम, व्हाइट और आइवरी जैसे कलर्स के सी-थ्रू फैब्रिक्स से बने परिधान इन दिनों काफी चलन में हैं। हॉलीवुड सिंगर रिहाने से लेकर बॉलीवुड ऐक्ट्रेस प्रियंका चोपडा तक कई सलेब्रिटीज पिछले दिनों शीयर आउटफिट्स में नजर आईं।

- शीयर परिधानों के साथ लेयरिंग अच्छी लगती है। उदाहरण के तौर पर, शीयर टॉप के साथ स्मार्ट ब्लेजर पहनें।
- शीयर अपरवेयर्स पहन रही हैं तो लॉन्जरी का चयन बेहद सावधानी के साथ करें। प्रिंटेड लॉन्जरी पहनने से बचें।
- बॉडी हगिंग शीयर परिधान न पहनें। हलके लूज शीयर परिधान पहनना ठीक रहता है।
- अगर आप शीयर टॉप पहन रही हैं, तो ओपेक बॉटम वेयर पहनें। वहीं अगर शीयर बॉटम वेयर पहन रही हैं तो ओपेक टॉप पहनें।

हेयर एक्सटेंशन का कमाल...

पार्टी में जाना है और आपके पास बालों को कलर कराने और स्टाइल बनाने का टाइम नहीं है तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। हेयर एक्सटेंशन बालों की एक ऐसी एक्सेसरी है जो आपके लुक को बिना किसी नुकसान के खूबसूरत बना देती है। बालों को अगर बिना किसी हार्म के आप नया शेप और लुक देना चाहती हैं तो ये हेयर एक्सटेंशन आपके लिए कमाल के साबित हो सकते हैं। हेयर एक्सटेंशन आपके बालों से जुड़ी तमाम समस्याओं का समाधान हो सकते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में हेयर एक्सटेंशन बहुत लोकप्रिय हो गया है। इससे कई हस्तियां लंबे और घने बालों का लाभ उठा रही हैं। हेयर एक्सटेंशन का मतलब बालों को लंबा करना होता है। या तो ये असली बाल होते हैं या कृत्रिम बालों को सिर पर चिपकाया जाता है। इसके तहत जब रंग और बनावट वास्तविक बालों से मिल जाता है तब एक्सटेंशन मिश्रण को बालों पर लगाया जाता है। इसे देख कर आप खुद ही नहीं पहचान पाएंगे कि कौन से बाल असली हैं और कौन से नकली। यह प्रक्रिया बालों को घना और लंबा करती है। रंग का उपयोग करने से बाल कठोर भी नहीं होते हैं। हेयर एक्सटेंशन कई रंग, आकार, शैली और लंबाई में आते हैं। ये किसी भी प्रकार के बालों से मेल खा लेते हैं। प्राकृतिक या मानव हेयर एक्सटेंशन अधिक महंगे होते हैं क्योंकि इन्हें सेट किया जाता है, कलर किया जाता है, घुंगराला किया जाता है और इनकी क्वालिटी को इंप्रूव किया जाता है। सिंथेटिक बाल, कर्लिंग आयरन या हॉटब्लो ड्रायर के संपर्क में आने से पिघल जाते हैं, इसलिए इसका इस्तेमाल आमतौर पर नहीं किया जाता है। सिंथेटिक एक्सटेंन्डेर किसी भी दुकान में मिल जाता है। मानव बाल एक्सटेंशन सामान्यतः किसी भी सैलून से खरीदा जा सकता है।

शॉर्ट टर्म एक्सटेंशन

अगर आप हेयर एक्सटेंशन को सिर्फ एक पार्टी के लुक के लिए करना चाहती हैं तो आप शॉर्ट टर्म तरीका यानी कि क्लिप ऑन एक्सटेंशन करा सकती हैं। इसमें आपके बालों की सतह पर हेयर क्लिप को अटैच कर दिया जाता है, जिन्हें आप पूरे दिन के इस्तेमाल के बाद आसानी से रात में निकाल सकती हैं। एक हफ्ते तक अगर आप बालों को उसी लुक में रखना चाहती हैं तो टेम्परेरी ग्लू ऑन बॉण्डेड एक्सटेंशन करा सकती हैं। इसमें बालों के स्कैल्प पर लिक्विड ग्लू लगाकर एक्सटेंशन को लगाया जाता है और इन्हें निकालने के लिए ऑयल बेस्ड सॉलवेंट का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा करने के लिए आप हेयर स्टाइलिस्ट की मदद लें।

लांग टर्म एक्सटेंशन

लांग टर्म एक्सटेंशन करवाने में काफी समय लगता है और अगर इसे अच्छे से न करवाया जाए तो ये बालों को डैमेज भी कर सकता है। इंटरलॉक वर्जन प्रक्रिया के जरिए आपके बालों के ऊपरी सिरे पर हेयर एक्सटेंशन को लगाया जाता है। इसमें बालों को बिलकुल सीधा कर दिया जाता है जिसमें आप चोटी नहीं बना सकती हैं।

ब्रैंडेड वर्जन उन लोगों के बालों के लिए बहुत अच्छा है जिनके बाल मोटे होते हैं। ऐसे बालों में लगे हेयर एक्सटेंशन चोटी बनाने पर दिखते नहीं हैं।

कृत्रिम बनाम प्राकृतिक

सिंथेटिक और नैचरल बालों में बहुत बडा अंतर होता है। सिंथेटिक बालों को आर्टिफिशियल तरीके से तैयार किया जाता है, जबकि नैचरल बालों को लोग कई बार डोनेट कर जाते हैं जिनसे हेयर एक्सटेंशन तैयार किए जाते हैं। नैचरल बालों से बने हेयर एक्सटेंशन खरीदने से पहले उसकी क्वॉलिटी चेक जरूर करें। इसके अलावा सिंथेटिक और नैचरल हेयर एक्सटेंशन में प्राइस डिफरेंस भी होता है। सिंथेटिक हेयर एक्सटेंशन बहुत कम दाम पर मार्केट में आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन ये नैचरल हेयर एक्टेंशन की तुलना में टिकाऊ नहीं होते। चूंकि नैचरल हेयर एक्सटेंशन को आप कलर भी कर सकते हैं इसलिए इनके दाम में भी काफी अंतर होता है। नैचरल हेयर एक्सटेंशन एक साल तक आराम से चल जाते हैं, जरूरत है बस अच्छे से देखभाल करने की। कुछ लोगों को सिंथेटिक हेयर एक्सटेंशन से एलर्जी होती है। इसके इस्तेमाल से पहले अपने हेयर स्टाइलिस्ट से इसके बारे में बात कर लें। अगर हेयर एक्सटेंशन अच्छे से लगाए गए हों तो ये बहुत ही सुंदर और बिलकुल असली लगते हैं।

अनुभवी एक्सटेंशनिस्ट चुनें

एक अनुभवहीन एक्सटेंशनिस्ट आप के बालों को नुकसान पंहुचा सकता है। एक्सटेंशन के गलत प्रकार या एक्सटेंशन को गलत तरीके से लगाने से आप के बाल टूट सकते हैं। एक्सटेंशनिस्ट को पता होना चाहिए कि वह किस प्रकार बालों का परीक्षण करे कि बाल मजबूत हो सकें। एक्सटेंशनिस्ट के पास कॉस्मेटोलोजिस्ट का लाइसेंस होना चाहिए क्योंकि हेयर एक्सटेंशन के कई सारे तरीके होते हैं।

ये तरीके अलग अलग बालों के लिए अलग-अलग होते हैं, इसलिए आप को पेशेवर की खोज करनी चाहिए जिसे सिर्फ एक विधि ही नहीं बल्कि अलग अलग विधियों का अनुभव हों। एक्सटेंशनिस्ट हमेशा वही विधि बेचना चाहते हैं जो उनको आती है। अगर उनको केवल एक तरीका पता है, तो वह आप के बालों के लिए अच्छा नहीं होगा। इसके आलावा एक्सटेंशनिस्ट आप को अलग अलग पद्धितियों का प्रमाण पत्र भी दिखाएगा और बताएगा कि उसे अलग अलग विधियां आती हैं। आप एक्सटेंशनिस्ट से उसका पोर्टफोलियो मांगे और जांच करें कि उसने कितने लोगों का हेयर एक्सटेंशन किया है और कौनसी विधि से।

कैसे करें देखभाल

- नैचरल हेयर एक्सटेंशन का ध्यान आप उसी तरह रखें जैसे कि आप अपने कुदरती बालों का रखती हैं।
- अगर बालों को अच्छी तरह से सुखाया न जाए तो इसके कारण स्कैल्प खराब होने की समस्या हो सकती है। कई बार बालों की जड़ों में फंगस भी लग जाता है। अपने बालों को कई हिस्से में बांट कर इन्हें अच्छे से सुखाएं।
- अपने कुदरती बालों का खास खयाल रखें क्योंकि अगर ये टूटने और झड़ने लगे तो आपका हेयर एक्सटेंशन समय से पहले निकल सकता है।
- ज्यादा समय तक लगा हुआ हेयर एक्सटेंशन बालों को नुकसान पहुंचा सकता है,इसलिए इन्हें छः हफ्ते में या फिर दस हफ्ते में एक बार निकलवा दें।
- अगर आपने ग्लू ऑन बॉण्डेड एक्टेंशन लगवाए हैं तो बालों में तेल का इस्तेमाल न करें। ऐसा करने से आपके एक्सटेंशन पर लगा ग्लू हट जाएगा और आपको समय से पहले अपने एक्सटेंशन हटवाने पडेंगे।

हेयर एक्सटेंशन के तरीके

वेल्स: यह चोटी कौनरोव्स की तरह होती है मगर यह छिपी रहती है। इस विधि के साथ दिक्कत यह है कि यह प्राकृतिक बालों में तनाव पैदा करती है, खासकर जब बाल धोते है या तैराकी के बाद। यह न केवल आप के बालों की बुनाई को ढीला कर देती हैं बल्कि यह प्राकृतिक बालों में फंस कर बालों को तोड़ देती है।

बोन्डिंग: इस विधि में जो एक्सटेंशन इस्तेमाल किया जाता है वह लेटेक्स प्लग है जो बालों को चिपकाता है। यह शॉर्ट टर्म के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह प्रक्रिया बहुत जल्दी हो जाती है और बहुत सस्ती भी है। हालांकि एक्सटेंशन को हटाने के लिए तेल या किसी गर्म वस्तु का प्रयोग किया जाता है, जो बोन्डिंग एजेंट को गला देता है। यदि सावधानी से नहीं हटाया गया तो यह आप के बालों को भी बाहर खींच सकता है।

मेटल ट्युबिंग: हेयर एक्सटेंशन को प्राकृतिक बालों में दबाने के लिए मेटल ट्युबिंग का इस्तमाल किया जाता है। कुछ मामलो में यह प्रक्रिया बालों को तोड़ देती है इसलिए विशेषज्ञ इस विधि को अपनाने की सलाह नहीं देते।

हीट-श्रींक ट्युबिंग: यह प्रक्रिया प्राकृतिक बालों को नुकसान नहीं पहुचाती है, लेकिन इसमें चिपकने की शक्ति बहुत कम होती है, जिससे हेयर एक्सटेंशन ठीक से चिपक नहीं पता। दो-तीन बार बालों को धोने के बाद ट्युब ढीला हो जाता है और बालों का किनारा निकलने लगता है जिसके चलते अधिक बाल झड़ने लगते हैं।

एडेसिव बेस्ड फ्यूजन: यह सबसे अच्छा तरीका है, हालांकि इसमें जिस प्रकार का एडेसिव प्रयोग किया जाता है वह बहुत महत्वपूर्ण है। वेक्स बेस्ड एडेसिव में पिघलने का बिंदु कम होता है इसलिए पेशेवर इसका इस्तेमाल करते हैं। यह एडेसिव गर्मी और रासायनिक उपचार दोनों का सामना करता है। हेयर एक्सटेंशन को हटाने के लिए एडेसिव रीमूवर का इस्तमाल किया जाता है।

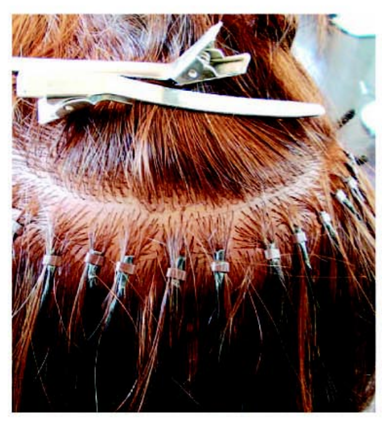

आज क्या पहना जाए...?

आप रोजाना ऑफिस जाती हैं और सुबह अलमारी से कपड़े निकालते समय सोचती हैं कि आज क्या पहना जाए। हर कामकाजी महिला की यही परेशानी है। उन्हें समझ नहीं आता कि उन्हें आज क्या पहनना चाहिए, भले ही उनकी अलमारी कपड़ों से अटी पड़ी हो। आप दरअसल अपने कपड़ों से बोर हो चुकी हैं। आपका मन कर रहा है कि आप ऑफिस में स्टाइलिश बनकर जाएं लेकिन सवाल उठता है कि आप ऐसा क्या पहनें, जो स्मार्ट दिखने के साथ ही आपकी बॉडी शेप के अनुकूल परफेक्ट हो।

लिनेन के शर्ट

हल्के रंग वाले लिनेन के शर्ट कमाल के लगते हैं। इसे बेहतरीन फिटिंग वाली ट्राउजर या जींस के साथ पहनिए। यदि आपके ऑफिस में स्कर्ट पहनने की इजाजत है तो स्लिट वाली ऑफिस स्कर्ट के साथ भी यह बहुत अच्छे लगते हैं। ऑफिस के बाद दोस्तों के साथ बाहर जाना हो तो रंगीन स्कार्फ या जैकेट के साथ ये परफेक्ट लगते हैं।

सिगरेट पैंट

सिगरेट पैंट स्लिम फिटिंग वाले पैंट होते हैं, जो आपकी बॉडी शेप को स्लिम लुक देते हैं। ऑफिस के लिहाज से काले, ग्रे, ब्राउन, मिलिट्री जैसे रंग अच्छे हैं। चाहें तो कुछ डिफरेंट दिखने की कोशिश में आप चेक प्रिंट वाले पैंट्स खरीद कर पहन सकती हैं।

डिफरेंट स्टाइल की कुर्ती

इन दिनों बाजार में कई डिफरेंट स्टाइल की कुर्ती मिल रही हैं, जो एलीगेंट होने के साथ ही कंफर्टेबल भी होती हैं। ऑफिस ड्रेस के हिसाब से कुर्ती बिल्कुल परफेक्ट है। लेकिन ऑफिस की नीरसता को तोड़ने के लिए गहरे चटख रंगों वाली कुर्ती खरीदिए। नीला और बैंगनी रंग ऑफिस के डेकोरम के हिसाब से बिल्कुल सही है और चटख भी। आप चाहें तो क्वर्की प्रिंट्स वाली कुर्तियां भी खरीद सकती हैं, ये बिल्कुल नया ट्रेंड है। फ्रंट स्लिट वाली कुर्ती इन दिनों हॉट है,इसे जरूर खरीदें।

सिल्क और शिफॉन स्कार्फ

यदि आपने कोई सादी शर्ट पहनी है और आपको अपना लुक बोर लग रहा है तो फिक्र की बात नहीं है। अपनी अलमारी से एक खूबसूरत सा स्कार्फ निकालिए और गले में बांध लीजिए या यूं ही लटका लीजिए। सिल्क और शिफॉन के स्कार्फ ऑफिस सेटअप में अच्छे दिखते हैं। ऐसे रंगों के स्कार्फ लीजिए, जो आपकी ड्रेस के विपरीत रंग के हों। कई लोग बैग में भी स्कार्फ बांध लेते हैं, जो अच्छा दिखता है।

काले रंग का पम्प

किसी भी कामकाजी महिला के पास एक काले रंग का पम्प जरूर होना चाहिए। यह हर ड्रेस के साथ मैच करता है और अच्छा भी दिखता है। लेकिन पम्प वही लीजिए, जो आगे से बंद हो यानी जिसमें पैर न दिख रहे हों।

पतले फैब्रिक वाले ब्लेजर

ब्लेजर सिर्फ सर्दियों में नहीं पहने जाते, हल्के मौसम में भी ब्लेजर पहने जाते हैं, लेकिन पतले फैब्रिक वाले। ब्लेजर किसी भी बॉडी शेप वाली महिला पर सूट करते हैं। साथ ही ऑफिस मीटिंग या ऑफिशियल कार्यक्रमों के लिहाज से अच्छे भी लगते हैं। लेकिन ध्यान रखिए कि ब्लेजर की सिलाई बेतहरीन हो, फिटिंग कमाल की हो और यह मुलायम पतले कपड़े का बना हो। लाल और बैंगनी रंग के ब्लेजर किसी की भी बोरियत को दूर करने की क्षमता रखते हैं।

यूं करेंगे पार्ट टाइम वर्क तो सफल रहेंगे आप

पार्ट टाइम वर्क और वर्क फ्रॉम होम पालिसीज कॉपोरेर्ट वर्ल्ड में तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। कुछ संगठन एंप्लॉयजी को वर्कलाइफ बैलेंस हासिल करने में मदद करने के लिए यह चीजें अपना रहे हैं। अन्य संगठन यातायात की समस्या, प्रदूषण और तनाव से निपटने का इनको बेहतर तरीका मानती हैं। अगर आप भी वर्क फ्रॉम होम या पार्ट टाइम वर्क करते हैं तो हम आपको बता रहे हैं सुझाव जिसकी मदद से आप असरदार ढंग से काम को अंजाम दे सकते हैं। पार्ट टाइम वर्कमॉडल को चुनने से पहले आपको पहले ऐसी प्राथमिकताओं को चुनना चाहिए जो आपके और आपके संगठन, दोनों के हित में है। आपके संगठन को आपके पार्ट टाइम काम, पार्ट टाइम काम के लिए बंदोबस्त और इसकी अवधि की जानकारी होनी चाहिए। यह बेहतर होगा कि आपको कंपनी से और कंपनी को आप से क्या उम्मीदें हैं, स्पष्ट कर लें।

अनुशासित बनें

जब तक आप खुद को अनुशासित नहीं करेंगे तब तक पार्ट टाइम वर्क या वर्क फ्रॉम होम, को आप ढंग से नहीं कर पाएंगे। काम करते समय यह सुनिश्चित करें कि आप एक बार में कोई एक ही काम करें। इससे आपका काम और निजी प्रतिबद्धताएं का घालमेल हो जाएगा। अनुशासित तरीके से काम करने से आप समय पर और केंद्रित ढंग से काम को अंजाम दे सकेंगे।

घर पर काम के लिए जगह होनी चाहिए

आपके घर पर इतनी जगह होनी चाहिए कि आप सही से काम कर सकें। आपके घर की यह जगह लगभग आपके ऑफिस जैसी होनी चाहिए यानी ऑफिस में आपके पास जरूरत की जितनी चीजें होती हैं, वे सभी वहां भी मौजूद होनी चाहिए। इस जगह पर कोई ऐसी गतिविधि जैसे संगीत और टेलिविजन के शोर से दूर होनी चाहिए ताकि आप अपने काम पर ध्यान दें और आपका ध्यान इधर-उधर नहीं भटके।

काम से समझौता न करें

यह बात ध्यान रखें कि पार्ट टाइम वर्क में सिर्फ यह बात ध्यान रखें कि पार्ट टाइम वर्क में सिर्फ इतना फर्क होगा कि आप अपने वर्कप्लेस पर शारीरिक रूप से मौजूद नहीं होंगे और थोड़ा काम की अवधि में भी राहत मिल सकती है। लेकिन, आपको उतना ही काम करना पड़ेगा जितना आप ऑफिस या वर्कप्लेस पर आकर करते हैं। इसलिए काम से किसी तरह का समझौता नहीं करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)